3 बस्तर संभाग
सिटी कोतवाली में निरीक्षक नरेन्द्र पुजारी व यातायात...

6 अभिमत
लाकडाउन प्रक्रिया में सुधार की जरूरत

10 संस्कारधानी
राहत बनी जिला प्रशासन की आफत, नज़रअंदाज...

11 छत्तीसगढ़
कालाबाजारी बिल्कुल बर्दास्त नही की जाएगी : शैलेश

रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, शनिवार 04 अप्रैल 2020 पृष्ठ-12 वर्ष-04, अंक-226 मूल्य 3.00 ₹

कोरोना से लड़ने प्रधानमंत्री मोदी की अपील

कल रात 9 बजे 9 मिनट तक बंद रखे लाइट

मोमबत्ती, दीया, टार्च या फ्लैश लाइट जलाएं

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संकट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश को संबोधित कर रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरे प्यारे देशवासियों, कोरोना वैश्विक महामारी के खिलाफ देशव्यापी लॉकडाउन को आज नौ दिन हो रहे हैं. इस दौरान आप सभी ने जिस प्रकार अनुशासन और सेवा भाव का परिचय दिया. शासन-प्रशासन और जनता जनार्दन ने इस स्थिति को अच्छे तरीके से संभालने का काम किया है.

पीएम ने कहा कि जिस प्रकार 22 मार्च रविवार के दिन लड़ाई लड़ने वाले हर किसी का धन्यवाद किया, वो भी आज सभी देशों के लिए मिसाल बन गया. आज कई देश इसको दोहरा रहे हैं. जनता कर्फ्यू दुनिया के लिए मिसाल बना, जिससे ये साबित हुआ कि देश एकजुट होकर लड़ाई लड़ सकता है. उन्होंने कहा कि 5 अप्रैल रविवार को रात 9 बजे मैं आपके 9 मिनट चाहता हूं. हम सब मिलकर घर की सभी लाइटे बंद कर घर के दरवाजे या बालकनी पर खड़े हो जाए. उसके बाद मोमबत्ती, दीया, टार्च या फोन की फ्लैस लाइट जलाएं. 130 करोड़ देशवासियों के महाजागरण का संकल्प करना है. इससे महाशक्ति का अहसास होगा. यह हमें संकट की घड़ी में लड़ने का ताकत दे और जीतने का आत्मविश्वास भी दे. मोदी ने ये भी कहा कि रौशनी करते समय भीड़ एकठ्ठा न करें, घरों से बाहर न निकले और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें. आइये साथ मिलकर कोरोना को हराए, भारत को जीताएं.

पीएम की दीया अपील पर ओवैसी का ट्विटर अटैक, पीएमओ से पूछा- लाइट कहां है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि वो इस रविवार (5 अप्रैल) को रात नौ बजे घर की बालकनी में दीया जलाएं. पीएम की इस अपील पर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिं याएं सामने आ रही हैं. एक ओर जहां तमाम लोग इसका समर्थन करते नजर आ रहे हैं वहीं कई लोग इस पर सवाल भी उठा रहे हैं. इसी क्रम में एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने भी सिलसिलेवार कई ट्वीट किए हैं. असदुद्दीन ओवैसी ने ट्विटर पर लिखा है कि यह देश इवेंट मैनेजमेंट कंपनी नहीं है. भारत के लोग इंसान हैं जिनके सपने और उम्मीदें भी हैं.

दीया तो जलाएंगे, लेकिन अभी गरीबों के लिए राहत पैकेज की जरूरत : पी. चिदंबरम

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देशवासियों से एकजुटता दिखाने की अपील की है. इस बीच पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री की दीया जलाने वाली अपील पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देते हुए सवाल खड़े किए हैं. चिदंबरम ने कहा कि इस वक्त देश के गरीब लोगों के लिए आर्थिक राहत के ऐलान की जरूरत है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देशवासियों से कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में एकजुटता दिखाने की अपील की है. प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे रविवार की रात को 9 बजे दीया, मोमबत्ती, टोर्च और मोबाइल फ्लश लाइट जलाएं. अब पीएम की इस अपील पर राजनीतिक प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है.

प्रधानमंत्री मोदी की अपील को सीएम बघेल ने बताया अनुचित

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अनुचित बताया है. उन्होंने कहा कि भारत में हर घर में दीपक भगवान राम के वनवास काटकर और लंका विजय प्राप्त कर घर वापस आने पर जलाए गए थे. इसी के अनुरूप दिवाली में दिए जलाए जाते हैं. लेकिन कोरोना का संकट अभी बना हुआ है. बहुत से लोगों की जाने गई है. ऐसी स्थिति में दीप जलाना उचित नहीं है.

आपको बता दे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 5 अप्रेल की रात 9 बजे दीप जलाने की अपील की है. ठीक उसी तरह से

जैसे उन्होंने 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के बाद ताली-थाली, शंख-घंटी बजाने की अपील की थी. प्रधानमंत्री ने कहा है कि कोरोना का अंधकार मिटाने हमें एक दिया जलाना होगा. इसलिए लोग घरों में रात 9 बजे दिया जरूर जलाएं. लेकिन भूपेश बघेल पीएम के इस अपील से इत्तेफाक नहीं रखते और वे इस अपील को अनुचित बताते हैं.

लॉकडाउन में शराब दुकान खोलने बोले सीएम

वहीं लॉकडाउन में शराब दुकान खोले जाने पर भूपेश बघेल ने कहा कि हर स्थिति को देखना पड़ता है. लोगों की जान भी जरूरी है. जो लोग शराब पीने के आदि हैं वे दूसरी नशा करके मर जाए यह भी ठीक नहीं. शराब दुकाने जब बंद की गई थी तभी मैंने अधिकारियों से विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया था. जानकारी मिली है कि तीन लोगों की मौत स्प्रिट पीने से हुई है. ये गंभीर स्थिति है. इससे निपटना जरूरी है.

क्विक न्यूज

ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों को अब बेहतर भोजन मिलेगा

रायपुर. डीजीपी डीएम अवस्थी ने सभी एसपी को निर्देशित किया है कि लॉक डाउन के दौरान ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को बेहतर भोजन और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा है कि यह जिम्मेदारी समस्त रक्षित निरीक्षकों की होगी कि उनके जिले में लगे बल को भोजन और पेयजल की कोई समस्या ना हो।यदि कहीं स्वयं सेवी संगठन और विशेष पुलिस अधिकारी सेवाएं दे रहे हों तो उन्हें भी उक्त सुविधाएं प्रदान की जाएं। आवश्यक है कि ड्यूटी के दौरान कोई कर्मचारी बीमार ना पड़े। यदि किसी कर्मचारी का स्वास्थ्य खराब होता है तो तत्काल पर्याप्त इलाज की सुविधा उपलब्ध कराएं।

धारावी में अब डॉक्टर भी कोरोना की चपेट में

मुंबई। मुंबई की झुग्गियों में कोरोना वायरस के फैलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में कोरोना से पहली मौत हो चुकी है। इस बीच धारावी में कोरोना का एक और पॉजिटिव केस सामने आया है। घनी आबादी वाले इलाके में कोरोना के बढ़ते मामलों से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की चिंता बढ़ती जा रही है। धारावी में 35 साल का एक डॉक्टर का सैंपल कोरोना पॉजिटिव मिला है। केस कंफर्म होने के बाद डॉक्टर के परिजनों को भी चारंटीन किया गया है। परिवार वालों की आज जांच होगी। इस बीच बीएमसी प्रशासन डॉक्टर के संपर्क में आए लोगों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में जुट गया है। जिस बिल्डिंग में कोरोना पीड़ित रह रहा था उसे बीएमसी ने सील कर दिया है।

वहीं दूसरी ओर कोरोना वायरस का देश और दुनिया में तेजी से प्रसार हो रहा है। देश में अब तक सामने आए कुल

बाजार.भाव

41,636 सोना +13
39,478 चांदी -351

कोरोना के विरुद्ध एकजुटता दिखाएं देशवासी:हेमा मालिनी

मुंबई। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद हेमा मालिनी ने कोरोना वायरस के विरूद्ध जंग में लोगों से एकजुटता दिखाने और एक साथ आने की अपील की है। कोरोना वायरस के कहर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वीडियो मैसेज के जरिए पूरे देश को संबोधित किया है। प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए लोगों से एकजुटता दिखाने की सलाह दी, साथ ही पांच अप्रैल को रात नौ बजे नौ मिनट के लिये दीये, मोमबत्तियां और टॉर्च आदि जलाकर प्रकाश फैलाने के लिए कहा है। इस वीडियो मैसेज को लेकर हेमा मालिनी ने ट्वीट किया है जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। हेमा मालिनी ने ट्वीट कर कहा, हमें घातक कोरोना वायरस के खिलाफ जारी जंग के लिए अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शपथ लेनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ की पहली कोरोना पीड़ित युवती हुई ठीक

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण से लड़ते जूझते छत्तीसगढ़ के लिए फिर एक खुशखबरी है। कोरोना संक्रमित वह युवती जिसे छत्तीसगढ़ की पहली कोरोना संक्रमित के रुप में पहचाना गया था, वो ठीक हो गई है। अब से कुछ देर बाद उसे घर रवाना कर दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ की यह पहली कोरोना संक्रमित युवती ब्रिटेन से लौटी थी, और स्वेच्छा से जाँच के लिए पहुँची थी।

➢शेष पेज 8 पर

मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ के 11 जवान कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी ◂ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

सबसे पहले स्क्रीनिंग की शुरुआत भी देश के हवाई अड्डों पर ही हुई थी। अब एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात ष्टढ्ढस्त्र के जवानों के

कोविड -19 पॉजिटिव होने की बात सामने आई हैं।बता दें मुंबई में छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ के 11 जवान कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। बीत कुछ दिनों में कुल 142 जवानों को क्वारंटाइन किया जा चुका है। 142 में से चार जवानों का कल याना गुरुवार को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। वहीं, आज सात जवानों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

मुख्यमंत्री ने किया ई-पास एनराइड एप का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी रायपुर के माना केम्प स्थित शासकीय वृद्धाश्रम में जिला प्रशासन द्वारा रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड और नगर निगम के सहयोग से बनाए गए सी.जी. कोविड-19 ÷ई-पास÷ एनराइड ऐप का शुभारंभ किया। इसके जरिए 22 प्रकार की आवश्यक सेवा के परिवहन में लगे सेवा प्रदाताओं को ऑनलाइन आवागमन की स्वीकृति आसानी से मिल सकेगी। इस ऑनलाइन सिस्टम से रायपुर शहर के भीतर सहित छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों और जिलों में आने-जाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृति घर बैठे प्राप्त होगी। कोविड-19 ई-पास की अनुमति की पूरी प्रक्रिया अत्यधिक सरल है। इसके लिए https://rebrandly/z~klzqp लिंक पर जाकर कोविड-19 ई-पास एप्प डाउनलोड करके इसे इंस्टॉल करना होगा। इंस्टॉल करने के बाद अपना मोबाईल नं. व ओटीपी दर्ज कर अपना आवेदन पत्र पूर्ण करना होगा। आवेदन के साथ आधार कार्ड व वाहन का नंबर भी दर्ज करना जरुरी होगा।

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ.शिव डहरिया के निर्देश पर

चुंगी क्षतिपूर्ति मद से महापौरों, अध्यक्षों और पार्षदों को 67.40 करोड़ रूपए हस्तांतरित

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

नगरीय प्रशासन एवं श्रम मंत्री के निर्देश पर चुंगी क्षतिपूर्ति मद में उपलब्ध राशि से प्रदेश के सभी महापौरों, अध्यक्षों और पार्षदों को उनके निधि की 67 करोड़ 40 लाख रूपए उनके खाते में हस्तांतरित कर दी गई है। नगरीय प्रशासन विभाग नवा रायपुर से 2 अप्रैल को संबंधित शाखा प्रबंधक को तत्काल राशि हस्तांतरित करने के लिए पत्र जारी कर दिए हैं। इनमें नगरीय निकायों को महापौर निधि की शत-प्रतिशत राशि और अध्यक्ष एवं पार्षद निधि का 50 प्रतिशत राशि हस्तांतरित किया गया है। प्रदेश के 13 नगर निगमों के

महापौर एवं पार्षद निधि में 26 करोड़ 59 लाख रूपए, 43 नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष एवं पार्षद निधि में 18 करोड़ 36 लाख रूपए और 111 नगर पंचायतों के अध्यक्ष एवं पार्षद निधि में 22 करोड़ 45 लाख रूपए जमा करा दी गई है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में कोरोना वायरस कोविड-19 से संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वच्छता दीदियों, स्वच्छता कमाण्डों तथा स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निरंतर बिजली, पानी त्वरित व्यवस्था सहित साफ-सफाई अभियान में लगे हुए हैं। राज्य के नगर पालिका निगमों में जहां चुंगी क्षतिपूर्ति मद में उपलब्ध राशि से महापौरों, पार्षद निधि में राशि जमा कराए गए, इनमें नगर निगम रायपुर में 2 करोड़ 90 लाख रूपए, नगर निगम बीरगांव में एक करोड़ 55 लाख रूपए, नगर निगम धमतरी में एक करोड़ 55 लाख रूपए, नगर निगम दुर्ग में एक करोड़ 95 लाख रूपए, नगर निगम भिलाई में दो करोड़ 90 लाख रूपए, नगर निगम भिलाई-चरौदा में एक करोड़ 55

सीएम ने प्रधानमंत्री को लिखा एक और पत्र

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

मनरेगा की प्रथम 3 माह की मजदूरी शीघ्र जारी करने का अनुरोध

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020- 21 की प्रथम 3 माह की मजदूरी एक हजार 16 करोड़ रूपए की राशि केन्द्र से शीघ्र जारी करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने पत्र में लिखा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधारभूत संगठको में से एक महत्वपूर्ण घटक है । छत्तीसगढ़ में इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत 39 लाख 56 हजार परिवारों के 89.20 लाख श्रमिकों में से 32 लाख 82 हजार परिवारों के 66 लाख 5 हजार श्रमिक सक्रिय रूप से योजना के माध्यम से रोजगार प्राप्त करते है। माह मार्च 2020 के प्रारंभ में राज्य में लगभग 12 लाख श्रमिक प्रतिदिन योजना अंतर्गत कार्य कर रहे थे। विगत 10 दिन दिवस से कोरोना वायरस के संक्रमण में बरती जाने वाली सावधानियों के कारण श्रमिकों की संख्या बहुत कम हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन द्वारा कोरोना वायरस से बचाव हेतु समस्त आवश्यक उपाय अनिवार्य सुनिश्चित करते ऐसे कार्य विशेषकर व्यक्ति मूलक एवं आजीविका संवर्धन से संबंधित जिनमें बड़ी संख्या में श्रमिक एक ही स्थान पर एकत्र न हो, स्वीकृत कर श्रमिकों को मांग के आधार पर पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने हेतु जिला कार्यक्रम समन्वयक को निर्देशित किया गया है जिससे ग्रामीणों को ग्रामीणों की आजीविका सुरक्षित हो । मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों को इस योजना में समय पर भुगतान नहीं मिलने पर भी कार्य में न आने का एक बड़ा कारण है। उन्होंने प्रधानमंत्री को अवगत कराया की वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में 484 करोड़ रुपए की मजदूरी भुगतान लंबित है। इन विपरीत परिस्थितियों में इस लंबित मजदूरी का भुगतान तत्काल किया जाना आवश्यक है।

साथ ही आगामी महीनों में समयबद्ध मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने हेतु वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु राज्य के लिए प्रथम त्रैमास हेतु स्वीकृत लेबर बजट 534.73 लाख मानव दिवस की मजदूरी, राज्य हेतु स्वीकृत दैनिक मजदूरी दर 190 के मान से कुल राशि 1016 करोड़ राज्य को शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया है।

राष्ट्रपति ने कोविड-19 से बचाव के मद्देनजर राज्यपालों से की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

- कोविड-19 नियंत्रण पर राज्यपाल द्वारा दी गई जानकारी
- राष्ट्रपति ने की सराहना और उपराष्ट्रपति ने कहा - वेरी गुड
- कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए किए गए ठोस प्रयासः सुश्री उइके

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना वायरस के संक्रमण के सम्बंध में दूसरी बार राज्यपालों की बैठक ली। इस अवसर पर

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु उपस्थित थे। उन्होंने पूरे देश में कोरोना के संक्रमण के बचाव के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी ली। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा-छत्तीसगढ़ में 09 कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे, इसमें से 03 मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। अन्य मरीजों की हालात में भी सुधार हो रहा है। इस संबंध में मैंने भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान छत्तीसगढ़ के निदेशक से बात की और वहां पर भर्ती कोरोना से प्रभावित प्रत्येक मरीज की जानकारी ली और अन्य सभी मरीजों की जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। मैंने एम्स के समस्त चिकित्सक और अन्य कर्मचारियों को उनके कार्य के लिए धन्यवाद भी दिया। इसके लिए राष्ट्रपति ने सराहना की और उपराष्ट्रपति ने कहा-वेरी गुड। उन्होंने रेडक्रास सोसायटी द्वारा किये जा रहे कार्य और फसल कटाई, उनके रखरखाव और खाद बीज की उपलब्धता की जानकारी भी ली।

राज्यपाल ने बताया कि इंडियन रेडक्रास सोसायटी के संदर्भ पूरे प्रदेश में लगभग 5000 वॉलेंटियर्स चिन्हित किये जा चुके हैं, जिनमें से प्रदेश में 944 वालेंटियर्स सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं, जिनके द्वारा अब तक 17 हजार से अधिक हितग्राहियों का सहयोग किया जा चुका है। सोसायटी द्वारा जरूरतमंद और क्वारेंटाइन में रह रहे लोगों को निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही क्वारेंटाइन में चिन्हित घरों की निगरानी भी उनके द्वारा की जा रही है। इंडियन रेडक्रास सोसायटी ने 25 लाख रूपए का रिलीफ फंड जारी किया है, जिसे छोटे और पिछड़े जिलों में आवश्यकतानुसार खर्च किया जाएगा। सुश्री उइके ने बताया कि फसल कटाई के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिये गए हैं। साथ ही इस स्थिति में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने कहा गया है। सब्जियां बाजार तक और आम जनता के मध्य सुरक्षित तरीके से पहुंचे इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई है। सुश्री उइके ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 12 हजार से अधिक श्रमिक भारत के विभिन्न 21 राज्यों में फंसे हुए हैं, उनके द्वारा शासन से और शासन द्वारा भी उनसे संपर्क किया गया और संबंधित राज्य द्वारा समन्वय बनाकर उनके लिए भोजन तथा रहने की व्यवस्था कराई गई। राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश में इस समय 355 राहत शिविर बनाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से लॉक डाउन खोलने की योजना बनाने के निर्देश

एजेंसी ◂ लखनऊ
www.dailypioneer.com

लॉक डाउन से परेशान लोगो के लिए राहत भरी खबर आई है 7 वैसे तो लॉक डाउन खत्म होने के लिए अब लगभग 10 दिन ही शेष बचे है 7 इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर 15 अप्रैल से लॉकडाउन खुलता है तो हालात बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे। ऐसे में जो जहां फंसा होगा, वहां से आने का प्रयास करेगा। इन हालातों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। इसके लिए अभी से कार्ययोजना तैयार करें।उन्होंने अधिकारियो से कहा कि स्कूल, कॉलेज, अलग-अलग तरह के बाजार और मॉल कब और कैसे खुलेंगे इसकी कार्ययोजना तैयार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के संक्रमण के दौरान एनेस्थीसिया, फिजिशियन, बच्चों और महिलाओं के डॉक्टर्स की सर्वाधिक जरूरत होती है। निजी क्षेत्र में संबंधित विशेषज्ञता के कितने डॉक्टर्स हैं उनकी सूची तैयार करें। इनको प्रशिक्षण दें ताकि जरूरत पर इनसे मदद ली जा सके। इसी तरह के प्रशिक्षण की जरूरत इनके पैरामेडिकल स्टाफ और आयुष विभाग के चिकित्सकों और उनके स्टॉफ को भी होगी। ➢शेष पेज 8 पर

क्विक न्यूज

कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए पीसीसी प्रमुख ने नगर निगम को सौंपा 1 ट्रक सब्जी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने आज कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए रायपुर नगर निगम को एक मिनी ट्रक सब्जी सौप कर जरूरत मन्दों में बांटने का निर्देश दिया। कांग्रेस के द्वारा प्रदेश भर में कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है । प्रदेश कांग्रेस के द्वारा जिलों और ब्लाको में बचाव और राहत दल बनाया गया है जो संगठन स्तर पर मदद के साथ बचाव कार्य मे प्रशासन के सहयोग भी कर रहे है । आज के कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के साथ सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अरुण मरकाम, दुर्ग किसान कांग्रेस के कृष्ण देवांगन,कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र परिहार उपस्थित थे ।

अवैध रूप से होटल में शराब बेचते मालिक और कर्मचारी गिरफ्तार, नगद और शराब जब्त

रायपुर। शहर के रिंग रोड नंबर–2 होटल मास्को गोंडवारा में होटल के मालिक और कर्मचारियों द्वारा अवैध रूप से शराब बेचने की मुखबिरी पर पुलिस ने हमराह स्टाफ के पास घेराबंदी कर दबिश देकर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। होटल कर्मचारी द्वारा अपने लेबर के कमरे में अवैध रूप से शराब और बीयर रखकर आने–जाने वाले लोगों को बिक्री करते रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे में पाई गई अवैध शराब की बोतलों में एक बोतल ब्लेंडर प्राइड, 3 बाटल रॉयल स्टेज , 8 बोतल किंगफिशर बियर, 13 बोतल कार्ल्सबर्ग बियर,जिसकी कुल मात्रा 18750 लीटर इसकी कुल कीमत 7670 रुपए और बिक्री रकम शिवकुमार जयसवाल से 30,300 ,सुनील कुमार से 39,700 रूपए कुल 77670 रूपए जब्त कर पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है।

कोरोना संक्रमण के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिहाज से प्रधानमंत्री का संदेश समयानुकूल है-उसेंडी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार 5 अप्रैल को रात 9 बजे 9 मिनट तक बिजली बन्द कर दीया, मोमबत्ती, टॉर्च और मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाने की अपील का स्वागत किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विक्रम उसेण्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को अपने वीडियो संदेश में दीपक आदि के प्रकाश की रोशनी में अपने भीतर की छिपी हुई सकारात्मकता की ताकत को प्रदर्शित करने का आह्वान किया है। देश में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिहाज से प्रधानमंत्री का यह संदेश समयानुकूल है और छत्तीसगढ़वासियों को प्रधानमंत्री की अपील पर प्रतिबद्ध होना चाहिए। उसेण्डी ने कहा कि जिस तरह 22 मार्च को हमने कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ने वालों का आभार व्यक्त किया, वह विश्व के अनेक देशों के लिए मिसाल बन गया है और विश्व के कोरोना प्रभावित देश अब इसे अपना रहे हैं।

सजा पूरी करने, पैरोल और अंतरिम जमानत पर विभिन्न जेलों से रिहा किये गए 584 कैदी

रायपुर। कोरोना वायरस की रोकथाम के हेतु राज्य की विभिन्न जेलों से अब तक कुल 584 कैदियों को छोड़ा जा चुका है। जिनमें से 391 कैदियों को अंतरिम जमानत पर, 154 कैदियों को पैरोल पर और 39 कैदियों को सजा पूरी करने पर विभिन्न जेलों से छोड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु जेलों में कैदियों की संख्या कम करने का निर्णय लिया गया था।

10 लोगों का काम अकेले कर एक बार में 240 लीटर दवा का छिड़काव करेगी यह मशीन

महापौर एजाज की पहल पर रायपुर स्मार्ट सिटी की सड़क पर उतरी सेनेटाइजर स्प्रेयर मशीन

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर महापौर एजाज ढेबर की पहल पर कोरोना वायरस से बचाव के लिए रायपुर स्मार्ट सिटी व नगर निगम ने एल्कोहलिक स्प्रे के लिए यांत्रिक तरीका निकाला है। रायपुर व दुर्ग के फैब्रिकेटर्स की मदद से एक ऐसा चलित वाहन तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से एक बार में 240 लीटर दवा का छिड़काव किया जा सकता है। नगर निगम कमिश्नर व स्मार्ट सिटी एम. डी. श्री सौरभ कुमार ने इस स्प्रेयर मशीन के कार्य प्रणाली की जानकारी ली और तत्काल इसे छिड़काव कार्य में लगाने के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर आज जोन क्रमांक 2 के देवेंद्र नगर के सेक्टर इलाके के भीतरी क्षेत्रों में छिड़काव भी आज से ही शुरू कर दिया गया है।

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के जी.एम. तकनीकी श्री एसके सुंदरानी ने इस संबंध में बताया कि इस तिपहिया वाहन की खासियत यह है कि शहर की चौड़ी सड़कों से लेकर 4 फीट की गलियों में भी इसका उपयोग किया जाएगा। इससे कम समय में ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रों को सेनेटाइज किया जा सकता है। इस मशीन के टैंक से एल्कोहलिक सल्यूशन का छिड़काव इस वाहन नोजल के माध्यम से किया जाता है। साथ ही छिड़काव की मात्रा भी नोजल से ही कंट्रोल किया जाता है। इस मशीन के उपयोग से मेन पावर में भी कमी होगी, वहीं यह 10 व्यक्तियों के बराबर अकेले एक बार में दवा का छिड़काव कर सकती है।

लाकडाउन के बाद भी राजधानी के कुछ क्षेत्रों में रही लोगो की भीड़

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

दुनियाभर में कोरोनावायरस के चलते लाखों लोग लॉकडाउन में हैं, तो वहीं हजारों की संख्या में लोक चारंटीन और सेल्फ आइसोलेशन में हैं, ताकि इस जानलेवा वायरस की चेन को तोड़ा जा सके. ऐसे में कई लोग लॉकडाउन के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, तो कुछ जागरूक लोग ऐसे भी हैं, जो इस मामले में कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज लाकडाउन के नियमो को ताक में रखकर लोग सड़कों में घूमते नज़र आये , बात सड़क की ही करनी काफी नही है, लोग अपने अपने गली मोहल्लों में इकट्ठा होकर जमघट लगाते हुए नज़र आये। सरकार ,शासन -प्रशासन लोगो को शोशल डिस्टेंसी अपनाने के लिए हर पल सलाह दे रही हैं। पर इससे विपरीत लोग लाकडाउन का पालन करते नही नज़र आ रहे है।

यहां है पुलिस की चेकिंग

राजधानी रायपुर से सटे विभिन्न जिलों के सीमाओं में पुलिस बेरिकेट लगाकर दिन में चेकिंग करती नज़र आती हैं। पर इसके विपरीत सुबह के समय यहां पुलिस की चेकिंग नही के बराबर होती है जिसके कारण लोग रायपुर से सटे दूसरे जिलों की सीमाओं में चले जाते हैं, और दूसरे जिले के लोग रायपुर आसानी से दाखिल हो जाते हैं ।

तंग गलियों में जमघट

आमापारा, अमिनपारा, लाखे नगर, कुशालपुर, कुंदरा पारा, बंधवापारा, जैसे राजधानी रायपुर में दर्जनों मोहल्ले हैं जहां लोग अपने अपने घरों के बाहर लाकडाउन के नियमो को ताक में रखकर जमघट लगाते हैं। गली - मोहल्लों में यह अक्सर होता हैं कि निर्धारित समय अवधि के बाद पुलिस की पेट्रोलिंग टीम जब मोहल्लों में दुकानें बंद कराने आती है तो बाहर जमघट लगाए लोग फिर से अपने अपने घरों में पुलिसिया सायरन की आवाज़ सुनकर छिप जाते है, गाड़ी वापस जाने के बाद फिर वे अपनी जमघटो का सिलसिला बरकरार रख गप्पे मारने शुरू कर देते हैं।

एक हजार रेडक्रॉस वालेंटियर्स कोविड-19 के रोकथाम में जुटे लगभग 18 हजार लोगों को पहुंचायी राहत

राज्यपाल ने सभी वालेंटियर्स को दी शुभकामनाएं

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्यपाल सु अनुसुईया उइके के निर्देशन में कोविड-19 के संक्रमण के रोकथाम में प्रदेशभर में 1000 रेडक्रॉस वालेंटियर्स अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिनके माध्यम से अब तक लगभग 18000 जरूरतमंदों को राहत पहुचायी गई है। यह कार्य इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन सोनमणी बोरा के मार्गदर्शन में और जिला कलेक्टर्स की मॉनिटरिंग में किया जा रहा है। राज्यपाल ने सभी वालेंटियर्स उनके स्वैच्छिक सेवा कार्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने कहा है कि हम एकजुट होकर इस विपदा का सामना करेंगे। उन्होंने कहा है कि इस संकट की घड़ी में जरूरतमंदों का यथासंभव सहयोग करे। बोरा ने सभी वालेंटियर्स की सेवा भावना की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि हम सब मिलकर कोरोना वायरस के संक्रमण को न सीर्फरोकेंगे बल्कि इसमें कामयाब भी होंगे। ज्ञातव्य है कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के नियंत्रण में रेडक्रॉस की टीम 22 मार्च से निरन्तर काम कर रही है। छत्तीसगढ़ रेडक्रॉस के सचिव प्रणव सिंह राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशानुसार जिला शाखाओं समन्वय बनाये हुए है। राज्य के धमतरी जिले के 456 वालेंटियर्स द्वारा 12000 लोगों को मास्क, सेनेटाइजर, हेंडवास का वितरण किया गया है। धमतरी में ही जिला प्रशासन के सहयोग से सामुदायिक किचन में भोजन बनाकर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जा रहा है। कांकेर, सूरजपुर सहित अन्य जिलों में लॉकडाउन के वजह से फसे अन्य राज्यों के मजदूरों को निःशुल्क भोजन प्रदाय किया जा रहा है। महासमुंद जिले रेडक्रॉस के द्वारा 300 लोगों को मास्क एवं सेनेटाइजर का वितरण किया गया है। राजनांदगांव जिल में 150 रेडक्रॉस वालेंटियर्स ने 1400 लोगों को मास्क, सेनेटाइजर का वितरण किया है। यहां सामुदायिक किचन संचालित कर जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया जा रहा है। राजनांदगांव में क्वारेंटाइन रखे गए लोगों को रेडक्रॉस के वालेंटियर्स नियमित रूप से दैनिक जरूरत की सामग्री भी उपलब्ध करा रहे हैं।

प्रदेश में डिस्टिलरीज और समूह की महिलाओं द्वारा 1.79 लाख लीटर सेनिटाईजर का निर्माण

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन पर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में सेनिटाईजर की उपलब्धता सुनिश्चित करने स्वास्थ्य विभाग के तकनीकी सहयोग से प्रदेश में सात डिस्टिलरीज और 9 जिलों में 23 महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा अब तक एक लाख 79 हजार 167 लीटर सेनिटाईजर का निर्माण हो चुका है। इनमें से एक लाख 45 हजार 777 लीटर सेनिटाईजर निःशुल्क एवं किफायती दर पर वितरित किया जा चुका है। इससे इस महामारी को रोकने में काफी मदद मिली है।प्रदेश में तैयार किए

1.45 लाख से अधिक सेनिटाईजर निःशुल्क एवं किफायती दर पर वितरित होने से लोगों को मिली राहत

गए कुल सेनिटाईजर की मात्रा में आसवनी के 438 कर्मचारियों द्वारा एक लाख 78 हजार 563 लीटर सेनिटाईजर और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की 23 स्व-सहायता समूहों की 82 महिला सदस्यों द्वारा 604 लीटर सेनिटाईजर शामिल है। सेनिटाईजर की आपूर्ति भिलाई स्टील प्लांट, एम्स, एसईसीएल, नगर निगम एवं अन्य रिटेल थोक विक्रेताओं के साथ ही हरिरमानी डिस्ट्रिब्यूटर्स बिलासपुर, अमित ट्रेड बिलासपुर, नगर पंचायतों, ग्राम पंचायत, स्वास्थ्य विभाग, विभिन्न शासकीय विभागों, थोक एवं खुदरा औषधि विक्रेताओं को की गई है।

आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सेनिटाईजर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक दुर्ग जिले में मेसर्स छत्तीसगढ़ डिस्टिलरिज लिमिटेड खपरी-कुम्हारी में 200 कर्मचारियों द्वारा 51 हजार 370 लीटर और मेसर्स स्वर्णा होम केयर प्रॉडक्ट में 10 कर्मचारियों द्वारा 15 हजार लीटर सेनिटाईजर का निर्माण किया गया है। बिलासपुर जिले में मेसर्स वेलकम डिस्टिलरीज प्राईवेट लिमिटेड छेरकाबांध-कोटा में 180 कर्मचारियों द्वारा 16 हजार 688 लीटर, मुंगेली जिले में मेसर्स भाटिया वाईन मर्चेन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड ग्राम धूमा में 20 कर्मचारियों द्वारा 65 हजार लीटर सेनिटाईजर तैयार किया गया है। रायपुर जिले में मेसर्स एलन्स ड्रग्स सुपुर स्टेट न्य पुरेना रायपुर में 4 कर्मचारियों द्वारा 12 हजार 275 लीटर, मेसर्स ट्रांसप्लेक्स जवाहर नगर रायपुर में 10 कर्मचारियों द्वारा 17 हजार 480 लीटर और मेसर्स ओपीजी फार्मा सिलतरा में 14 कर्मचारियों द्वारा 750 लीटर सेनिटाईजर का निर्माण किया गया है।

सार्वजनिक वितरण प्रणालीः 8 हजार 110 राशन दुकानों से खाद्यान्न वितरण शुरू

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन कार्डधारकों को अप्रैल और मई दो माह का चावल एक साथ वितरित करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत दो अप्रैल की स्थिति में 8 हजार 110 उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण शुरू हो गया है। इस खाद्यान्न वितरण से 13 लाख 24 हजार 563 राशन कार्डधारी लाभान्वित हुए हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राज्य में कुल 12 हजार 306 राशन दुकाने संचालित है। अब तक 7 हजार 011 दुकानों में

दो माह का राशन और 11 हजार 407 दुकानों में एक माह का राशन भण्डारित किया जा चुका है। राज्य में राशनकार्डों की कुल संख्या 65 लाख 39 हजार 184 है। इनमें अंत्योदय राशनकार्डों की संख्या 13 लाख 95 हजार 635, प्राथमिकता राशनकार्डों की संख्या 42 लाख 6 हजार 423, एकल निराश्रित राशनकार्डों की संख्या 38 हजार 302, अन्नपूर्णा राशनकार्डों की संख्या 6 हजार 163, निःशक्तजन राशनकार्डों की संख्या 9 हजार 823 और सामान्य (एपीएल) राशनकार्डों की संख्या 8 लाख 82 हजार 838 है। राज्य शासन के निर्देशानुसार राशन दुकानों से राशन सामग्री वितरण के दौरान उचित मूल्य के दुकानदारों द्वारा हितग्राहियों से बायोमेट्रिक्स प्रमाणीकरण नही कराया जाएगा। राशन सामग्री का वितरण आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से न करते हुए टेबलेट में हितग्राहियों का फोटो लेकर अथवा वन टाईम पासवर्ड के माध्यम से किया जाएगा।

लॉकडाउन में भी दैनिक मजदूर दिव्यांग राजकिशोर की आराम से चल रही गृहस्थी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के चलते हुए लॉकडाउन के कारण छोटे-मोटे काम कर दैनिक रोजी से गृहस्थी चलाने वालों की छत्तीसगढ़ सरकार ने चिन्ता खुद ली है। सरकार उनकी सुरक्षा के साथ भोजन का भी प्रबंध कर रही है। इन्ही लोगों में दुर्ग जिले के मिलन चैक के अस्थि बाधित दिव्यांग श्री राजकिशोर भी हैं, जिनके परिवार के जीवनयापन की चिन्ता सरकार ने दूर कर दी है। राजकिशोर के परिवार में उनकी पत्नी एवं 2 बच्चे हैं। श्री राजकिशोर शीशी बॉटल की दुकान में रोजी मजदूरी करते हैं, जिससे उनके घर का गुजर बसर होता है। लॉकडाउन के कारण दुकान बंद हो जाने से उनके परिवार को खाने-पीने में समस्या आने लगी। श्री राजकिशोर ने सुना कि टोल फ्री नम्बर 104 में फोन करने पर सरकार ने मदद का आश्वासन दिया है। तो उन्होंने 104 नम्बर में फोन कर अपनी परेशानी बताई और मदद के लिए कहा। इसकी सूचना तुरंत दुर्ग जिले के समाज कल्याण अधिकारी श्री दोनर प्रसाद ठाकुर को दी गई। श्री ठाकुर के निर्देश पर परिवीक्षा अधिकारी श्री कमलेश कुमार पटेल ने श्री राजकिशोर के घर जाकर उनका हाल-चाल पूछा और विभाग द्वारा 10 किलो चावल, 2 किलो दाल, 2 किलो काला चना, 3 किला पोहा, 300 ग्राम पास्ता, 2 नग साबून, तेल एक किलो, चायपत्ती टाटा 250 ग्राम, शक्कर 2 किलो, पापड़ एक पैकेट, बिस्कुट 3 पैकेट, आलू 2 किलो, प्याज 2 किलो, हरी सब्जियां, क्रीम, मास्क और कुछ राशि दी गई।

कोरोना के साए के बीच पीलिया ने राजधानी में दी दस्तक, 29 की हुई जांच, मिले 7 मरीज

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

शासन-प्रशासन की टीम कोरोना से बचाव और नियंत्रण के लिए जूझ रही है। इस बीच पीलिया का मामला एक बार फिर राजधानी में सामने आने के बाद नगर निगम की टीम स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य में जूटी। दरअसल आमापारा स्वीपर कॉलोनी में लोगों को पीलिया होने की जानकारी के बाद गुरुवार को स्वास्थ्य शिविर लगाकर 29 लोगों की जांच की गई। सभी को चिकित्सकीय परामर्श देने के साथ ही दवाइयां भी दी गई।

पानी मिला पीने योग्य :

निगम से मिली जानकारी के

मुताबिक पीलिया की खबर आते ही स्वीपर कॉलोनी में नगर निगम और शहरी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर लगाया। निगम के कार्यपालन अभियंता फिल्टर प्लांट बद्री चंद्राकर और जोन क्रमांक 5 के कमिश्नर अरुण ध्रुव ने अपनी टीमों के साथ आवश्यक कार्रवाई शुरू की। बताया गया कि पेयजल की जांच की गई,जिस पर क्लोरीन दशमलव तीन से लेकर दशमलव चार प्रतिशत तक पाया गया। इसका अभिप्राय है कि पानी में क्लोरीन आवश्यक मात्रा में पाई गई और पानी पीने योग्य है।

गत माह भी पीलिया पर निगम ने लिया था एक्शन : आमापारा में पीलिया की खबर सामने आते ही निगम प्रशासन के मध्य जरूर हड़कंप मचा। गत माह ही रायपुर के दलदल सिवनी इलाके में भी पीलिया के मरीज मिले थे। घरों में गंदा पानी आने की शिकायत के बाद महापौर एजाज ढेबर और आयुक्त सौरभ कुमार के निर्देश पर निगम अमले ने 7 मार्च को इलाके में अभियान चलाया था। जोन 2 अमले ने कुशाभाउ ठाकरे वार्ड के दलदल सिवनी डबरी पारा क्षेत्र का निरीक्षण किया था। पाया गया था कि पाइप लाइन नाली से होकर घरों तक जा रही है। जोन जल विभाग अमले ने 11 घरों के नल कनेक्शन काटे थे। बाहर से सुरक्षित तरीके से नई पाइप लाइन डालकर नल कनेक्शन चालू किए गए थे।

कुछ को पहले से था पीलिया :

कार्यपालन अभियंता चंद्राकर का कहना है कि जो लोग पीलिया के मरीज मिले। वे पीलिया के पुराने मरीज हैं। वे अपना इलाज करा रहे हैं। उन्होंने अंदेशा जताया कि कुछ दूषित पदार्थ खा लिया होगा। जिस वजह से उन्हें पीलिया हो गया है। ऐसे मरीजों की संख्या सात मिली। मोहल्ले में एतिहातन साफसफाई के बाद, चूना लाइनिंग और ब्लीचिंग कर क्लोरीन के टेबलेट बांटे गए। जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव ने कहा कि उन्होंने शु वार सुबह भी वार्ड पार्षद ज्ञानेश शर्मा के साथ इलाके का जायजा लिया। परेशानी की कोई बात नहीं है।

राज्य वक्फ बोर्ड की सभी वक्फ संस्थाओं से समाज सेवा कार्य में सहयोग करने की अपील

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड की ओर से नोबेल कोरोना वायरस के संक्रमण और रोकथाम के लिए प्रदेश की सभी मस्जिद, मदरसा, दरगाह, कब्रस्तान आदि वक्फ संस्थाओं के पदाधिकारियों से स्वेच्छा से अपना सहयोग प्रदान करने की अपील की गई हैं। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलाम रिजवी ने कहा है, कि ऐसे समय में इस नेक काम में अपना सहयोग प्रदान करने के लिए अपने-अपने जिले के कलेक्टर से संपर्क करें।

उल्लेखनीय है कि नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए निकट भविष्य में शासकीय अमले के अतिरिक्त मानव संसाधन की आवश्यकता हो सकती है। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार इसके लिए विभिन्न गतिविधियों में सहयोग के लिए युवाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं, ट्यूटोरियल आर्मी से अपील की गई है। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए स्वेच्छिक रूप से कार्य एवं जन सहयोग में अपना योगदान दें।

बीपीएल परिवारों को दिया जा रहा है 2 माह का निःशुल्क चांवल

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

सम्पूर्ण देश मे कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को सीमित करने के लिए सम्पूर्ण देश मे लॉक डाउन के पश्चात किसी भी व्यक्ति को दिक्कतों से ना गुजरना पड़े इस हेतु, राज्य शासन के निर्देश पर सभी बीपीएल कार्डधारी परिवारों को अप्रैल-मई 2 माह के निःशुल्क चांवल का वितरण किया जा रहा है। इसके लिए कलेक्टर नीलकण्ठ टीकाम ने वेयरहाउस, खाद्य विभाग एवं समस्त संबंधित विभागों को सभी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। इसके अंतर्गत शहर में 9 दुकानों द्वारा कुल 931 परिवारों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 310 दुकानों के माध्यम से अब तक 6000 से अधिक बीपीएल परिवारों को 2 माह का निःशुल्क चांवल वितरण किया जा चुका है।

इस अवसर पर कलेक्टर ने बताया कि जिले के कुल 319 उचित मूल्य दुकानों में से 262 में राशन सामग्री के भराव की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, अन्य में राशन पूर्व में ही रखा जा चुका था। इसके लिए राज्य शासन द्वारा जिले को कुल 6 हजार 644 मीट्रिक टन खाद्य सामग्री अप्रैल-मई में वितरण हेतु प्राप्त हुई है। वितरण प्रणाली पर अधिकारियों द्वारा ऑनलाइन माध्यम एवं अन्य माध्यमों से सतत निगरानी रखी जा रही है। इस आपात स्थिति में कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोये इस हेतु समस्त जिला प्रशासन निरन्तर प्रयासरत है। ज्ञात हो कि राज्य शासन के आदेश पर जिले के समस्त उचित मूल्य दुकानों पर बीपीएल परिवारों को 2 माह का निःशुल्क चांवल एवं नमक प्रदान किया जा रहा है, साथ ही चना, गुड़, शक्कर एवं केरोसिन पूर्व निर्धारित शासकीय दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि एपीएल राशनकार्डधारी परिवार भी इन दुकानों पर शासन द्वारा निर्धारित दरों पर सामग्री प्राप्त कर सकेंगे।

सोशल डिसटेंसिंग का दुकानों में हो रहा पालन

इस दौरान जिला प्रशासन इन दुकानों पर भीड़ इकट्ठा ना हो इसका पूरा ध्यान रख रही है। इसके लिए सभी दुकानों पर ग्राहकों के लिए गोले बनाये गए हैं ताकि उनमे निश्चित दूरी बनी रहे। जिन दुकानों में इस हेतु आवश्यक स्थान नही थे उन्हें अस्थायी रूप से अन्य पर्याप्त स्थानों वाली जगहों में स्थानांतरित किया गया है साथ ही सभी दुकानों पर ग्राहकों को सामान ग्रहण करने से पूर्व अच्छे तरह हाँथ धोने को भी प्रेरित किया जा रहा है जिसके लिए सभी दुकानों में साबुन एवं पानी की व्यवस्था की गयी है।

भाई-भाई के जमीनी विवाद में हत्या हो गई हत्या

पायनियर संवाददाता ➤ कोंडागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव जिला के माकड़ी थाना 2अप्रैल को दुरभाष द्वारा सूचना मिली कि ग्राम मगेदा में भाई - भाई के जमीनी विवाद में हत्या हो गयी है, पुलिस अधीक्षक बालाजी राव के दिशा निर्देशानुसार सम्पूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी माकड़ी जितेंद्र गुप्ता के नेतृत्व मे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है,

जानकारी अनुसार माकड़ी थाना को 2अप्रैल के प्रातः लगभग 10-30 बजे ग्राम पंचायत मगेदा के सरपंच के द्वारा मोबाइल से सूचना प्राप्त हुई, कि मृतक पीलसाय नेताम और उसका चचेरा भाई फूल सिंह नेताम के मध्य जमीन को लेकर विवाद हुआ, जिस बात को लेकर आरोपी फूल सिंह ने मृतक के सिर को डंडा से मारकर हत्या कर दिया है, सूचना की तस्दीक हेतु मौके पर पहुंचकर प्रार्थी गवाहों से पूछताछ जांच तस्दीक किया गया, जो सही पाया गया, प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 15/2020 आईपीसी की धारा 302 का मामला कायम कर विवेचना में लिया गया, प्रकरण के आरोपी फूल सिंह 29 पिता स्वर्गीय सोमनाथ जाति गोड निवासी मगेदा हिर्रापारा थाना माकड़ी जिला कोंडागांव 2अप्रैल गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय कोंडागांव भेजा गया,

सिटी कोतवाली में निरीक्षक नरेन्द्र पुजारी व यातायात प्रभारी रविशंकर पाण्डेय ने संभाला कार्यभार

पायनियर संवाददाता ➤ कोंडागांव
www.dailypioneer.com

1.3 सड़को पर सेनेटाइजर से हाथ बाटते हुए,

नरेंद्र पुजारी टीआई सिटी कोतवाली

रविशंकर पांडेय जिला प्रभारी यातायात

जिला मुख्यालय कोंडागांव नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक बालाजी राव ने शहर व जिला की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने के लिए जिले के थानों व यातायात में अदलाबदली की है, सिटी कोतवाली के नवागत थाना प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र पुजारी एवं उपनिरीक्षक यातायात प्रभारी रविशंकर पांडेय ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। थाना प्रभारी व यातायात प्रभारी ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपने अपने थाने के पुलिस अधिकारियों व जवानों से परिचय कर निरंतर कार्य करने की बात कही। साथ ही विश्व व्यापी संकट बन चुके कोविड 19 के कारण केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा को देखते हुए, लॉक डाउन किया गया है, जिसके कारण सभी लोगो को सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही जागरूक करने की भी बात कही,

थाना क्षेत्र का भ्रमण कर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त- टीआई नरेन्द्र पुजारी ने बताया कि पूर्व में बड़ेडोंगर थाना प्रभारी व अन्य थानों में भी रहकर कार्य कर चुके हैं। थाना प्रभारी नरेंद्र पुजारी ने थाना की व्यवस्थाओं को देखा। थाना भ्रमण के बाद प्रभारी क्षेत्र के सर्किल भ्रमण के लिए रवाना हुए, सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का भ्रमण कर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी, शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए रात्रि गश्त को बढ़ाया जाएगा। साथ ही शहर में अवैध नशे के कारोबार के साथ ही जुआ सट्टा पर भी अंकुश लगाए जाने के लिए सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि शहर में किसी भी प्रकार की अशांति न हो। थाने के अन्य प्रकरणों को भी जल्द से जल्द निपटाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। एवं कोरोना वायरस जैसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे, नगरवासियों के साथ सामंजस्य बनाकर कार्य किया जाएगा।

यातायात व्यवस्था पूरी तरह से सुचारू व सुदृढ़ हो- यातायात थाना के नवनियुक्त प्रभारी रविशंकर पांडेय बुधवार को यातायात प्रभारी के रूप में पदस्थ किए गए है, रवि शंकर पांडेय ने अपने कार्यालय में पूजा अर्चना के साथ अपना पदभार ग्रहण किया है, और यातायात थाना में पुलिस कर्मियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस की प्राथमिकता रहेगी कि यातायात व्यवस्था पूरी तरह से सुचारू व सुदृढ़ हो। यातायात व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने व शहर के सौंदर्यीकरण को बनाए रखने के लिए आमजन का सहयोग लिया जाएगा। बैठक के बाद नवनियुक्त यातायात प्रभारी ने शहर के सभी चौक चौराहों पर पहुंचकर दुकानदारों से अपील की है कि वे यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने में सहयोग करें।

पुलिस विभाग व यातायात विभाग ने सेनेटाइजर से हाथ धुलवाकर समझाईस दी

पुलिस विभाग एवं यातायात विभाग द्वारा लॉक डाउन आवश्यक काम से बाहर निकलने वालों को सेनेटाइजर से हाथ धुलवाकर कर, अनावश्यक कार्य की बिना घर से ना निकलने के लिए समझाईस भी दी गयी, एवं आवश्यक कार्य किराना या सब्जी स्वास्थ्य संबंधी कार्य हेतु निकलना पड़े, तो समय का विशेष ध्यान दिया जाए, साथ ही मुंह पर मास्क या कपड़ा से मुंह ढक कर ही निकले, सेनेटाइजर साथ रखे एक मीटर का फासला रखे, साथ उन्होंने कहा कि नगर एवं आसपास के क्षेत्र में पुलिस की लगातार गश्त रहेगी, शहर व ग्रामीण के प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मी भी तैनात किये गए है, जो आवाजाही नहीं करने के लिए लोगों को समझाइश दे रहे है, उन्होंने लोगों से सड़को में नहीं निकलने की अपील दोहराते हुए कहा है, कि अनावश्यक घूमते मिलने पर कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जा सकती है। इस महामारी को रोकने के लिए आमजनता का सहयोग जरूरी है। घर पर ही रहे, खुद को व अपने परिवार को सुरक्षित रखे।

मानवता की मिसाल पेश कर रही कोंडागॉव पुलिस

लॉक डाउन को पालन करवाने के साथ ही बांट रही अनाज भी

पायनियर संवाददाता ➤ कोंडागांव
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए पूरे देश में लॉक डाउन जारी है। वहीं लॉक डाउन को सफल बनाने में जुटी पुलिस को कही विवादों का सामना करना पड़ रहा है,तो कही उनकी दरियादिली व कार्यप्रणाली के चलते देश मे वाहवाही भी हो रही है।

वहीं पुलिस के सख्ती व समझाईस के चलते जिले में लॉकडाउन की सफलता साफ नजर आ रही है। इन सबके बीच जिले के पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी के साथ मानवता की मिसाल भी पेश कर रहे हैं। ये लोग शहर में फुटपाथ पर रहने वाले परिवार और मजदूरों को दो वक्त का राशन उपलब्ध कराने के साथ ही जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आ रहे हैं। यही नही दूसरे प्रदेशों से वापस पैदल आ रहे मजदूरों के लिए भी हर संभव मदद करते नजर आ रहे है। वही यातायात पुलिस भी अपने विभागीय दायित्वों के साथ सामाजिक दायित्व भी निभाते नजर आ रही है।

एएसपी अनंत साहू व एसडीओपी कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन में कोतवाली कोंडागॉव टीआई नरेन्द्र पुजारी, एसआई मनोज नायक, विवेक सेंगर, जितेन्द्र साहू, जितेंद्र नंदे, यातायात प्रभारी कोंडागांव रवि शंकर पांडे, एएसआई सुनील जांगडे, राजेश मनहर प्रधान आरक्षक संतोष कोडोपी, मालती मरकाम आरक्षक लोगो को कोरोना वायरस व लॉक डाउन की गम्भीरता को समझाते मजदूरों व जरूरत मंदो को खाद्यान्न भी उपलब्ध करवा रहे हैं। लाक डाउन को सफल बनाने राष्ट्रीय राजमार्ग में वाहनों की चेकिंग के लिए तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा अपने पास दाल चावल व सब्जियों के पैकेट रखे हैं।

सूखा राशन एवं पोषण आहार वितरित

पायनियर संवाददाता ➤ बीजापुर
www.dailypioneer.com

जिले में 06 माह से 06 वर्ष के सभी बच्चों एवं तथा 15 से 49 एनीमिक महिलाओं को कुपोषण एवं एनीमिया से मुक्ति दिलाने के लिए दिनॉक 02 अक्टूबर 2019 से मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान आरंभ किया गया है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत चिन्हांकित हितग्राहियों को आंगनबाड़ी केंद्रो के माध्यम से गर्म भोजन प्रदान किया जा रहा था। कलेक्टर श्री के डी कुंजाम ने वर्तमान में कोरोना वायरस (कोविड-19) के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु भारत सरकार द्वारा 25 मार्च 2020 से 21 दिवस का लॉकडाउन का आदेश किया गया है, जिसके परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत हितग्राहियों को प्रदान किये जाने वाले गर्म भोजन की व्यवस्था बंद हो गयी है, अतः लॉकडाउन अवधि (21) दिवस हेतु मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के अंतर्गत चिन्हांकित हितग्राहियों को सूखा राशन-चॉवल, गेहू, दाल, आलू, सोयाबीन बडी, चना का पैकेट बनाकर जिले के 06 माह से 6 वर्ष के बच्चे, गर्भवती माता, शिशुवती माता, किशोरी बालिकाए एवं 15 से 49 वर्ष के एनीमिक महिलाओं को उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के द्वारा आंगनबाडी में दर्ज हितग्राहियों को पूरक पोषण आहार योजनांतर्गत रेडी टू इट (टी.एच.आर.) हितग्राहियों के घर घर में जाकर किया जा रहा है। सूखा राशन वितरण के समय स्वच्छता एवं सामाजिक दूरी का पालन भी किया जा रहा है।

विदेश से लौटे लोगों को घर पर रखने जिला प्रशासन एवं पुलिस ने संभाला जिम्मा

अन्य राज्यों एवं विदेशों से आए 1350 लोगों को होम आइसोलेशन में रखा गया

विदेशो से आये सभी 28 लोगो में से 16 कोरोना नेगेटिव पाए गए बाकी की जांच जारी

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस के संक्रमण का असर पूरे विश्व में एक महामारी का रूप ले चुका है, ऐसे में सम्पूर्ण देश में लॉक डाउन के पश्चात जिले में कोरोना प्रभावित देशों एवं राज्यों से आये यात्रियों की कलेक्टर नीलकण्ठ टीकाम के निर्देश पर सूची बना कर उनपर नजर रखी जा रही है। सूची के अनुसार विदेशों से जिले में कुल 28 लोगों ने प्रवेश लिया है, जिनमें अधिकतर उच्च शिक्षा एवं पर्यटन हेतु अन्य देशों में गए थे, जबकि 1320 लोग अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ लौटे हैं। इनमे ज्यादातर लोग अन्य राज्यों में रोजगार हेतु पलायन करने वाले श्रमिक हैं जो कि अन्य राज्यों में बोरवेल वर्कर एवं कृषक मजदूर के रूप में कार्य करने जाते हैं, इन सभी व्यक्तियों को जिला प्रशासन द्वारा घरों में ही आइसोलेशन में रखने की कार्यवाही की जा रही है साथ ही विदेशों से आये लोगों को विशेष निगरानी में रखा गया है। ऐसे लोगों द्वारा होम आइसोलेशन का उल्लंघन ना हो इसलिए कलेक्टर के आदेश पर इन सभी घरों में पुलिस द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है साथ ही कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होम आइसोलेशन का जो भी व्यक्ति उल्लंघन करता है, उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए एवं आम जनता से अपील किया गया है, कि ऐसे व्यक्ति उक्त वायरस के वाहक हो सकते है यदि ऐसे व्यक्ति जो आइसोलेशन में रखे गये हैं, उल्लंघन करते पाये जाएं तो तुरत कंट्रोल रूम को सूचित करें।

ज्ञात हो कि विदेशों से आये सभी 28 लोगो के सैंपल टेस्ट के लिए भेजे जा चुके हैं जिनमें 16 लोगों का रिजल्ट नेगेटिव आया है जबकि शेष का जांच हेतू भेजा जा चुका है, वहीं अन्य राज्यों से आये 1320 लोगों में केवल 15 में ही लक्षण देखे गए हैं। अतः सभी 15 लोगों की जांच हेतु सैम्पल भेज दी गयी है, जिनमें अब तक 3 लोगों मे कोरोना नेगेटिव पाया गया है। इसके अलावा 215 अन्य लोगो का अभी जिले में आना शेष है जो राज्य के ही अन्य जिलों में व्यापार एवं कार्य हेतु जाते हैं। इनके जिले में आने के पश्चात इन्हें भी होम आइसोलेशन में रखा जायेगा।

कोरोना लाकडाउनः जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध कराया गया भोजन

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना वायरस के वजह से लगे लॉक डाउन के कारण कई असहाय लोगों तथा भिक्षुक को आ रही समस्या को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ समाज कल्याण विभाग द्वारा भोजन की व्यवस्था की जा रही है इसके अलावा लॉक डाउन के चलते ही बस तथा वाहनों का आवागमन बंद है और ऐसे में बसे तथा वाहन किरंदुल में आ खड़ी है जिनके चालक तथा हेल्परों के लिए भी विभाग द्वारा भोजन की व्यवस्था की जा रही है।इस विषय में मुख्य नगरपालिका अधिकारी आर पी नेताम का कहना है शासन द्वारा सभी स्थानीय प्रशासन को आदेश दिया गया है इस भयंकर महामारी के कारण उत्पन्न हुई विषम परिस्थिति में कोई भी गरीब असहाय भूखा न रहे और इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु हम किरंदुल में भी असहाय जनों हेतु भोजन की व्यवस्था की जा रही है।इस योजना में नगर में कुल 95 लोगों के लिए लॉक डाउन की अवधि तक शासन द्वारा व्यवस्था

दिया जा रहा 40 दिनों का सूखा मध्यान्ह भोजन

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना वायरस कहर के वजह से सभी विद्यालय बंद है और छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग ने निर्णय लेते हुए सभी शासकीय विद्यालय को आदेश देते हुए बताया कि मार्च एवं अप्रैल माह के 40 दिनों का मध्यान्ह भोजन शिक्षक छात्र छात्राओं के घर घर पहुंचाएंगे। इस योजना के तहत संकुल किरंदुल शहरी से प्राथमिक शाला के 4 विद्यालय माध्यमिक शाला के 5 विद्यालय तथा 01 प्राथमिक एवं 01 माध्यमिक मदरसा सम्मिलित है।जिसमें प्राथमिक शाला के 278 माध्यमिक शाला के 214 कुल 592 विद्यार्थी को इस योजना का लाभ प्राप्त होगा जिसमे कच्चा राशन चावल दाल उनके घरों तक पहुँचाया जायेगा।इस सभी विषयों की जानकारी देते हुए किरंदुल शहरी संकुल समन्वयक के के मंडल ने बताया प्राथमिक शाला के बच्चो के लिए 4 किलो चावल 800 ग्राम दाल तथा माध्यमिक शाला के बच्चो को 6 किलो चावल एवं 1किलो 200 ग्राम दाल सभी नगर के विद्यार्थी को तथा कई ग्रामीण बच्चे भी जो किरंदुल के स्कूलों में अध्ययनरत है उनके गांव तक शिक्षकों द्वारा पहुँचाई जावेगी।

जिले के 22500 बच्चों के अभिभावकों को सूखा राशन वितरण शुरू

पायनियर संवाददाता ➤ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

आज से नारायणपुर जिले के 568 प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के 22491 बच्चों के पालकों को मध्यान्ह भोजन अंतर्गत 40 दिनों का सूखा राशन का वितरण शुरू हो गया है। यह वितरण कल 4 तारीख को किया जायेगा। प्राथमिक शाला के 15281 और माध्यमिक शाला के 7120 बच्चों के अभिभावकों को दिया जायेगा। सूखा राशन में प्राथमिक शाला के बच्चों के लिए 4 किलो चावल, 800 ग्राम दाल, माध्यमिक शाला के बच्चों के लिए 6 किलो चावल और एक किलो दाल की आपूर्ति की जा रही है।

नारायणपुर सहित ओरछा विकासखंड (अबूझमाड़) के स्कूलों में भी आज बच्चों के अभिभावकों को राशन का वितरण किया गया। पोर्टा केबिन आवासीय विद्यालय में जिला पंचायत सदस्य ओरछा श्रीमती सुनीता सलाम, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष श्री अजीत मांझी और महिला दुर्गाशक्ति स्व सहायता समूह के अध्यक्ष श्रीमती नीलदई मानिकपुरी ने भी राशन वितरण में सहयोग किया। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री गिरधर मरकाम ने भी ओरछा के 8 आश्रम में बच्चों के अभिभावकों को सूखा राशन प्रदाय किया।

नारायणपुर जिले में गरीब, मजदूरों एवं निराश्रितों को निःशुल्क भोजन का प्रबंध जिला प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यावसायियों आदि के सहयोग से भी किया जा रहा है। इसके साथ ही जिले में 5 राहत शिविरों में 89 लोगों को भोजन के साथ ही रोजमर्रा की जरूरतों तेल, साबुन, सोने के लिए चटाई, चादर आदि की व्यवस्था भी की गयी है।

लाक डाउन तोड़ने वाले दस के खिलाफ एफआईआर

पुलिस ने बांटे मीडियाकर्मियों को कोरोना कीट

जिले के सीमाएं सील नौ जगह चेक पाइंट

पायनियर संवाददाता ➤ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस को लेकर पुलिस विभाग मुस्तैद है। इसके तहत लाक डॉउन तोड़ने वाले दस लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। साथ जिले के सीमाओं को सील कर दिया गया है। सीमाओं में नौ चेक पाइंट बनाए गए हैं। जहां बाहर से आने-जाने वाले लोगों की निगरानी की जा रही हैं। जागरुकता अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस कप्तान भोजराम पटेल ने मीडिया कर्मियों को कोरोना कीट बांटे।

नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि कोरोना वायरस को लेकर जिला एवं पुलिस प्रशासन काफी सक्रिय और इस पर रोक लगाने हेतु पूरी तरह से कटिबद्ध है । इसी कड़ी में गरियाबंद के अंतर्गत कोरोना वायरस को लेकर 10 अपराधिक प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें गरियाबंद थाना में तीन, छुरा थाना में चार,राजिम में एक, फिंगेश्वर थाना में एक और देवभोग थाना में एक मामला दर्ज किया। वहीं 1498 क्वारेटाईन किए गए हैं, इसमें से 24 लोग विदेशों से जिला में आए हुए हैं साथ ही अन्य प्रांतों से 1474 लोग आए हुए हैं। इसी तरह गरियाबंद जिले से अन्य प्रांतों में 301 लोग फंसे हुए हैं । अन्य प्रांतों के 305 लोग गरियाबंद जिला में फंसे हुए हैं। इन सभी पर सतत निगाह रखी गई है और उन्हें हिदायत दी गई है कि वे

घरों से बाहर ना निकले। ऐसे लोगों पर लगातार 14 से 21 दिनों तक इनकी निगरानी रखी जा रही है । इनमें से जो 9 लोग विदेश से लौटे है , उनका सैंपल रायपुर भेजा गया है। दूसरी ओर अन्य जिलों से गरियाबंद जिले में संक्रमित लोग ना आ सके इस बात का विशेष ध्यान रखते हुए गरियाबंद जिले में 9 चेकपोस्ट बनाए गए हैं जिन पर सघनता से ड्यूटी जा रही है और ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने पत्रकार वार्ता में कहा कोरोना वायरस को लेकर धारा 144 पूरे जिला में लागू है,किंतु यह भी देखा जा रहा है कि इसक चलते कोई बड़ी तकलीफ आम जनों को ना हो इसके लिए वे स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट कर दिया गया है। खास करके डिलीवरी केसो के लिए प्राथमिकता से ध्यान दिया जा रहा है । स्वास्थ्य विभाग से मिलकर एक सर्वे भी करवा रहे हैं जिससे यह पता चल सके कि डिलीवरी केस किन-किन क्षेत्रों में किन किन तिथियों मे कब-कब है, ताकि विपरीत परिस्थिति में इन्हें गरियाबंद या आसपास के स्वास्थ्य केंद्र ले जाना हो तो इनके लिए वाहनों का उपलब्ध कराया जा सके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व दाई मितानिन लोगों से भी सतत संपर्क रखा गया है । ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा है जो भविष्य में बीमार या डिलीवरी हो सकता है या डिलीवरी में दिक्कतें हो सकती है इसके लिए प्राथमिकता से ध्यान देना के लिए डॉक्टरों को सजग किया गया है साथ ही इन्हें समुचित पौष्टिक खाद्य आहार भी दिया जा रहा है।

पुलिस परिवारों के लिए सुग्घर समाधान

लाकडाउन के दौरान पुलिस परिवार को किसी प्रकार की समस्याओ का सामना ना करना पड़े इसे देखते हुए पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने सुघर समाधान योजना शुरु की है। इसके तहत पुलिस परिवारो को किराना राशन सहित अन्य सहायता उपलब्ध कराने की अभिनव पहल की गई है।

इस योजना के तहत पुलिस लाइन के दोनो फेस में रहने वाले परिवारो के लिए दो दो वाहनो की व्यवस्था की गई । जिसमें पुलिस के जवान भी मौजूद रहेंगे। जिन परिवारो को बाजार से कुछ सामान मंगाना होगा वे इसके माध्यम से ही

जागरुकता फैलाने वालों का होगा सम्मान

पुलिस ने बांटे मीडियाकर्मियों को कोरोना कीट

पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि कोरोना वायरस के दौर में यह विशेष ध्यान रखें कि कौन-कौन लोग कोरोना वायरस को लेकर जागरूकता फैला रहे हैं । कौन लोग इसमें मदद कर रहे हैं ऐसे लोगों को प्राथमिकता से इनका सम्मान करना है । यह जब गुजर जाएगा तो इन मददगार लोगों का सम्मान किया जाएगा। मनरेगा कार्य प्रारंभ रहेगा तथा जो दूरियां बनाने का निश्चय किया गया है वह दूरियां बराबर बना रहेगा कुछ भी शिकायत आई थी गांव में जो लोग हैं वह जाने नहीं दे रहे हैं दूसरे के गांव को इस पर उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थिति अगर आती है क ऐसे वक्त पर प्राथमिकता से लोगों को एक-दूसरे गरियाबंद शहर तक आने में कोई दिक्क त ना हो इसका प्रयास करेंगे ।

मंगवायेंगें। उन्हे बाजार जाने की जरूरत नही पड़ेगी। इस योजना की जानकारी देने पुलिस ने स्वयं पुलिस लाइन के दोनो फेस में जाकर पुलिस परिवारो से रूबरू चर्चा की।

सोशल डिस्टेंश का पालन करते हुए एसपी ने उन्हे बताया कि संकट के समय में पुलिस, चिकित्सक और मीडिया कर्मियो की भूमिका काफी अहम है। इन सबके प्रयास से ही गरियाबंद सुरक्षित है। ऐसे समय में यह जरूरी है कि पुलिस जवानो के परिजनो को भी किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसका ध्यान रखा जाए। क्यो कि पुलिस जवानो के ड्यूटी में होने के कारण उनके परिजन बाजार से राशन सहित अन्य जरूरी चीजो की व्यवस्था नही कर पाते है। इसलिए हमने सोचा है कि इन परिवारो की सहायता के लिए कोई पहल की जाए। हम सुघर समाधान योजना के तहत सभी परिवारो की सहायता करेंगे। उन्होने उपस्थित सभी महिलाओ से कहा कि रोजाना उनके घरेलु सामान लाने के लिए दोनो पुलिस लाइन में दो दो वाहन पुलिसकर्मियो सहित उपलब्ध रहेंगे। आप सभी अपने अपने सामान की लिस्ट बनाकर इन्हे सौप देंगे। ये बाजार जाकर आपका समान ले आयेंगे। इसके बाद सोशल डिस्टेंश का पालन करते हुए एक एक परिवार को बुलाकर उनका सामान दे दिया जाएगा।

रामनवमी के दिन बसना में पसरा रहा सन्नाटा

लॉकडाउन के समर्थन में कई धार्मिक कार्यक्रम हुए स्थगित

पायनियर संवाददाता ➤ बसना(शहर)
www.dailypioneer.com

रामनवमी एवं नवरात्र के अंतिम दिन बसना के प्रमुख मन्दिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगती हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव और नियंत्रण में जारी गाइडलाइन के अनुरूप लॉकडाउन में गुरुवार को मंदिरों में सन्नाटा पसरा रहा रामनवमी के उपलक्ष्य में बसना शहर में (बसस्टेंड) हनुमान मंदिर, रामजानकी मंदिर, (कन्याशाला)हनुमान मंदिर, समलेश्वरी मंदिर, माता दरबार, जैसे कई मंदिरों में तथा घरों में भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमे बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करने आते हैं परंतु इस चीज की लोगों को कमी महसूस हुई तथा सोसल मीडिया में कई लोगों द्वारा इसका उल्लेख किया गया तथा अफसोस प्रकट किया गया, लोगों ने अपने घरों में ही पूजा अर्चना कि, यहां तक कि 9 दिन माता की पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालु जनो को पंडित द्वारा मोबाइल में ही मंत्रोच्चार कर हवन सम्पादित करना पड़ा। नवरात्र के आठवे दिन नगर व आस पास के लोगो सहित नगर के विभिन्न मंदिरों में एकत्रित होकर हवन पूजन किया जाता है। और अंतिम दिन माँ नौ दुर्गा के नौ रूपो का पूजा अर्चना कर नौ कन्याओ को भोजन कराया जाता है उसके पश्चात नगर में भव्य भंडारा का आयोजन किया जाता है जहा बड़े बड़े सेठ साहूकार अपने कार्यो को

विरान सड़कें

सूना पड़ा मंदिर

सूना मंदिर का आंगन

छोड़कर मानव सेवा में लग जाते है। उनका कहना है कि नर सेवा ही ईश्वर सेवा है।

समाज के विभिन्न संगठनों तथा हिन्दू समाज द्वारा इस दिन विशाल शोभायात्रा तथा झांकी निकाली जाती है जिसमे बड़ी मात्रा में युवा वर्ग आस-पास के गांव तथा बसना शहर से अत्यंत हर्ष व उल्लास के साथ एकत्र होते हैं। परन्तु कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव और नियंत्रण के लिए जारी गाइडलाइन के अनुरूप सभी कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा पोषण आहार और सूखा राशन की घर पहुंच सेवा

28 हजार बच्चों तक पहुंचाया जायेगा पोषण आहार

731 गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण किट

पायनियर संवाददाता ➤ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

सरकार द्वारा कोरोना वायरस (कोविड-19) के रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु लॉकडाउन की घोषणा के पश्चात सभी आंगनबाड़ी केन्द्र बंद किये गये है। लॉकडाउन के स्थिति में 03 से 06 वर्ष के बच्चो को गरम भोजन नहीं मिल पाने के कारण उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर पर विपरित प्रभाव न पड़े इसलिए लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुबह से ही हितग्राहियों के घर घर जाकर रेडी टू ईट पोषण आहार व सूखा राशन पहुँचाने में जुटे है।

कलेक्टर श्री श्याम धावड़े के निर्देश पर जिले के सभी 1460 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 28 हजार 675 पंजीकृत हितग्राहियों तक रेडी टू ईट पोषण आहार व गरम भोजन हेतु सूखा राशन घर घर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही वह हितग्राहियों के घरों में कोरोना वायरस से बचने सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन, चेहरे को मास्क से ढ़कना, स्वच्छता एवं हाथों को साबुन से बार बार धोने के लिए भी प्रेरित कर रहे है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर 03 से 06 वर्ष के 28 हजार 675 बच्चों को 750 ग्राम रेडी टू ईट पोषण आहार का पैकेट एवं मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत 06 माह से 03 वर्ष के चिन्हाकित गंभीर कुपोषित 731 बच्चों को सूखा राशन (चांवल, मिक्स दाल, सोयाबीन बड़ी, चना, झुरगा, मटर, आलू, प्याज, पापड़, आचार एवं गुड़) इत्यादि का पैकेट बनाकर प्रदाय किया जा रहा है। गर्भवतियों, शिशुवती माताओं व बच्चो के स्वास्थ्य का भी ध्यान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा गृह भेंट के माध्यम से रखा जा रहा है एवं नियत समय पर लगने वाले टीकाकरण भी ए.एन.एम. व मितानिन के सहयोग से हितग्राहियों को लगाया जा रहा है। इस विषम परिस्थिति में घर में ही रेडी टू ईट पोषण आहार का पैकेट मिलने से बच्चो के अभिभावकों ने खुशी जाहिर किया है।

लॉकडाउन में पकड़ी गई साढ़े 3 लाख की 80 पेटी अंग्रेजी गोवा शराब

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

कुछ दिनों पूर्व से लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में गोवा शराब की सप्लाई होने की सूचना लगातार प्राप्त हो रही थी। इस बीच मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अमेरा और ग्राम खम्हरिया के कुछ लोगो के मध्य अंग्रेजी गोवा शराब सप्लाई की बहुत बड़ी डील पक्की होने वाली है। सूचना पर इस शराब तस्करी के अवैध कार्य में शामिल एक आरोपी को पकड़कर पूछताछ किया गया। जिसमें उसने ग्राम अमेरा के राकेश सोनवानी द्वारा ग्राम अमेरा में एक झोपड़ी नुमा मकान में भारी मात्रा में अवैध शराब डंप करना बताया। उक्त अवैध शराब ग्राम अमेरा में गुरुवार की मध्य रात्रि में ही डंप किया गया था। राकेश सोनवानी शराब का मुख्य सरगना तथा इस प्रकरण का मुख्य आरोपी है तथा उसके साथ शराब तस्करी के कार्य में कुछ और लोग भी शामिल है। तत्पश्चात कड़ी दर कड़ी जोड़ते हुए

ग्राम अमेरा में मध्यप्रदेश की अंग्रेजी गोवा शराब डंप करने की सूचना पक्की की गई। उक्त बात की सूचना तत्काल प्रशांत कुमार ठाकुर पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार भाटापारा एवं निवेदिता पाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार को दी गई तथा उनके कुशल मार्गदर्शन में अंकिता शर्मा आईपीएस के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ग्राम अमेरा मे रेड कार्यवाही किया गया। जिसमें 80 पेटी अंग्रेजी गोवा मध्यप्रदेश निर्मित शराब कुल कीमती लगभग 3 लाख 50 हज़ार रुपये जप्त किया गया है। प्रकरण में चार आरोपी राकेश सोनवानी, सुदेश सोनवानी, उमेश साहू एवं पिंटू चंद्राकर को गिरफ्तार कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इस कार्यवाही मे आईपीएस अंकिता शर्मा के साथ तारेश साहू प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक तथा थाना भाटापारा ग्रामीण के आरक्षक सतीश साहू, टिकेश्वर साहू, रवि कंवर, दिनेश जांगड़े, लोरिक शाडिल्य, सुनील पैकरा, मोहन सिदार, उषा पटेल, राकेश हिरवानी एवं महेंद्र धृतलहरे का उल्लेखनीय योगदान रहा।

लाकडाउन में फंसे व घर विहिन लोगों को दिया गया भोजन

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

भारत सरकार ने कोरोना महामारी को रोकने के उद्देश्य से पूरे देश को लॉकडाउन घोषित कर दिया है। इस बीच रेलवे सुरक्षा बल थाना भाटापारा के थाना प्रभारी कर्मपाल सिंह गुर्जर अपने हमराह स्टाफ उप निरीक्षक एके बिन्द्र, बीपी डड़सेना, महेन्द, नारायन सिंह सहित अन्य स्टाफ के साथ रेलवे स्टेशन भाटापारा के आसपास घर विहीन सड़क पर रहने वाले व्यक्तियों जिसमे महिला, बुजुर्ग और बच्चो के साथ लोकडाउन में फसे प्राइवेट ठेकेदारों के मजदूरों को सुबह का नाश्ता पोहा एवं रात्रि का भोजन पूड़ी, चावल, सब्जी आचार के साथ रात्रि का भोजन लगातार कराया जा रहा है। लोगों को साबुन से हाथ घुलवाकर सेनेटाइज कर खाना खिलाया गया। साथ ही सोशल डिस्टेंसींग का ख़ास तौर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। रेलवे स्टेशनों पर आने वाले लोगों को घरों में रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

चैंबर पदाधिकारी पुलिस अधीक्षक से मिले किया सेनेटाइजर का वितरण

गरियाबंद। चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने जिले के नवनियुक्त एसपी भोजराम पटेल से सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान चैंबर के जिलाध्यक्ष प्रकाश रोहरा, उपाध्यक्ष विनय दासवानी और एल्डरमैन हरमेश चावड़ा ने एसपी को सौ नग हैंड सेनेटाइजर कोरोनो संक्रमण की रोकथाम के लिए विभाग को वितरित करने दिऐ । साथ ही अनौपचारिक चर्चा के दौरान नगर मे लाकडाउन के दौरान गरीबों और जरुरतमंदो के लिए चैंबर की ओर से की जा रही मदद और राशन वितरण की जानकारी दी गयी। साथ ही चैंबर की ओर से आश्वत भी किया गया की इस विपत्ति की घड़ी मे भी चैंबर की ओर से मदद की कोई भी कमी नही आने दी जाएगी। आने वाले समय भी प्रशासन के सहयोग के लिए चैंबर ऑफ कॉमर्स खड़ा रहेगा। चैंबर की ओर से अभी तक करीब 450 नग हैंड सनेटाइजर का वितरण किया जा चुका है।

सब्जी मंडी में अनियंत्रित भीड़ से कोरोना संक्रमण न बढ़े इस लिए सब्जी मार्केट अब, दशहरा मैदान में

पायनियर संवाददाता ➤ बसना(शहर)
www.dailypioneer.com

देश में कोराना वायरस से बचाव को लेकर 21 दिनों के लॉकडाउन के सातवे दिवस किराना की दुकान व सब्जी मण्डी में लोगों की अनियंत्रित भीड़ से संक्रमण से खतरा होने का अंदेशा बना हुआ था। गुरुवार को कस्बे के मुख्य किराना की दुकानों पर लोगों की अनियंत्रित भीड़ बनी रही। जबकि पदमपुर रोड स्थित दशहरा मैदान (सिटी ग्राउंड) पर सब्जी की अस्थायी दुकानों पर ग्राहकों द्वारा मुंह पर मास्क पहनकर खरीददारी करते हुए दिखी गई।

हालाकि किराना की दुकानों पर पुलिसकर्मी एवं नगर पंचायत कर्मी ग्राहकों को निर्धारित दूरी पर खड़ा कर सामान खरीदने को मशक्कत करते दिखाई दिए। लेकिन कुछ दुकानों के सामने मौजूद गोल घेरों की लोगों ने जान बूझकर अनदेखी

की। इसके अलावा सब्जी खरीदने के दौरान दुकानों पर आठ से दस लोगों की भीड़ ने कोरोना वायरस से संक्रमण नजरअंदाज किया। लॉकडाउन के सातवे दिवस मुख्य बाजार सहित सडक मार्गो के इर्दगिर्द दुकानों के बंद रहने से सूनापन रहा। ऐसे में आस पास के लोग पैदल ही आवागमन करते दिखाई दिए।

सीएमओ ने सब्जी मंडी का किया स्थांतरण: कोरोना वायरस को लेकर बसना की सब्जी मंडी में भीड़ रहने और उनसे दूरी नहीं बनाये जाने पर सीएमओ ने सभी सब्जी मंडी के विक्रेताओं को अपनी दुकानें दशहरा मैदान (सिटी ग्राउंड) में लगाने के आदेश जारी किए गए थे। मगर बसना की सब्जी मंडी में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के आदेशों का पालन कर रहा है, अपनी और लोगो निर्देश भी दे रही है, स्वास्थ्य रहे और डिस्टेंसिग बनाये रखे। साथ ही कस्बे की सब्जी मंडी आबादी क्षेत्र में है जहां पर भीड़ को काबू नहीं किया जा सकता है जिससे कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने का अंदेशा बना हुआ है जिसको लेकर प्रशासन की टीम पूरी तरह गंभीरता को इस विषय पर निर्णय लेते हुए आदेश जारी किए गए कि कस्बे के सब्जी विक्रेता कोई भी आबादी क्षेत्र में सब्जी की दुकानें नही लगाएगा यदि दुकान लगी हुई मिली तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

बिलाडी के संरपच ने किया राशन साम्रगी का वितरण

पायनियर संवाददाता ➤ तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना के संक्रमण से पूरे देश में लॉक डाउन की स्थिती बरकरार है।जिससे की गांव के गरीब परिवारो के लिए दो समय की भोजन की व्यवस्था के लिए बहुत ही दधोधर करनी पड़ रही है।और राज्य शासन का पालन भी बखुबी गांव की जनता बहुत अच्छे तरीके से कर रही हैं। जिसे देखते हुये हमारे ग्राम पंचायत बिलाड़ी के संरपच श्री मती सोना क्षवण यदु के तत्वधान में गांव के दिन दूखीया गरीब परिवार वालों के लिए राशन की सम्रागी ,चावल ,दाल ,हरी सब्जीयो, के अलावा जो भी जरूरत की साम्रगी को देने में पूर्ण रूप से सहयोग किया जायेगा।

कोरोना रिलीफ-महिलाओं के खाते में आए पैसे, पुरूषों को कुछ नहीं मिला, जिले में हजारों उपभोक्ताओं को होगा फायदा

पायनियर संवाददाता ◂ बीजापुर
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत कोरोना राहत के तौर पर महिलाओं के जनधन खातों में केन्द्र सरकार ने पांच-पांच सौ रूपए डाले हैं। इससे जिले की हजारों महिलाओं को फायदा होगा।

तीन माह तक महिलाओं के खाते में पांच-पांच सौ रूपए डाले जाएंगे। बताया गया है कि भारतीय स्टेट बैंक की ष्शाखा में अभी करीब पंद्रह हजार लोगों के जनधन खाते हैं। इनमें से कई महिलाएं भी हैं। महिलाएं बैंक की ष्शाखा से या किओस्क केन्द्रों से भी भुगतान प्राप्त कर सकते हैं लेकिन सामाजिक दूरी बनाकर। अभी नुकनपाल, बोरजे, नया बस स्टैण्ड, चित्राकोड़ेपाल,

सेंट्रल बैंक के पीछे एवं कलेक्टोरेट के सामने किओस्क हैं। भारतीय स्टेट बैंक की स्थानीय ष्शाखा के प्रबंधक दिनेष कुमार टेकाम ने बताया कि बैंक खातों के अंतिम अंक के आधार पर भुगतान की तिथि तय की गई है। ऐसा बैंकों और किओस्क में होने वाली भीड़ को रोकने के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि खाते के अंतिम अंक 0 या एक होने पर तीन अप्रैल, 2 व 3 होने पर चार अप्रैल, 4 व 5 होने पर सात अप्रैल, 6 व 7 होने पर आठ अप्रैल, 8 व 9 होने पर नौ अप्रैल

को भुगतान किया जाएगा। बैंकों में भीड़ ना हो इसके लिए गार्ड की व्यवस्था रहेगी। दिनेष टेकाम ने बताया कि इस बारे में उन्होंने कलेक्टर केडी कुंजाम से आग्रह किया है।

बैंको में भी सतर्कता: सभी बैंकों के कर्मचारियों को इस बारे में स्पष्ट गाइड लाइन दी गई है कि वे अपनी ष्शाखा में प्रवेष करते वक्त गेट में खड़े लोगों के पास से नहीं गुजरें। इससे उन्हें खतरा हो सकता है। सभी कर्मचारियों को सेनेटाइजर का बार-बार इस्तेमाल करने कहा गया है।

कोरोना लॉक डाऊन से उद्योगों में 60 फीसदी घटी बिजली की खपत

पायनियर संवाददाता ◂ रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस को लेकर देश भर में चल रहे लॉक डाउन का असर पावर कंपनियों पर पड़ा है। जानकर हैरत होगी कि लाक डाउन की वजह से जिले में कमर्शियल बिजली की खपत में 60 से 70 फीसदी तक की कमी आई है। इतना ही नहीं उद्योगों ने अब लोड कम कराने के लिए भी बिजली कंपनी के पास आवेदन करना शुरु कर दिया है। सीएसपीडीसीएल को इससे करोड़ों रुपए का नुकसान भी हो रहा है। हालांकि कंपनी का कहना है कि देश भर में लॉक डाउन और उद्योगों के शट डाउन की वजह से यह स्थिति है।

दरअसल पावर हब कहा जाने वाला रायगढ़ जिला हमेशा से ही सरप्लस बिजली वाला जिला रहा है। जिले में आम तौर पर मार्च महीने में सात करोड़ यूनिट बिजली की आपूर्ति होती है। इसमें से औसतन 2.5 करोड़ यूनिट बिजली की खपत घरेलू कनेक्शनों में तो तकरीबन 4 करोड़ यूनिट बिजली की खपत कमर्शियल कनेक्शनों में होती है जिसमें बड़े उद्योग समूह भी शामिल हैं, लेकिन लॉक डाउन की वजह से अब बिजली की खपत पर इसका व्यापक असर पड़ा है। जिले में कमर्शियल बिजली की खपत 60 फीसदी कम हो गई है। इतना ही नहीं जिले के उद्योगों में गए 126 हाई टेंशन कनेक्शनों में तो पिछले दस दिनों में डेढ़ करोड़ यूनिट तक की कमी आई है। कुछ उद्योगों ने अगले कुछ दिनों के लिए लोड कम कराने के लिए भी बिजली विभाग को आवेदन किया है। हालांकि गर्मी की वजह से घरेलू कनेक्शनों में बिजली की खपत में 20 फीसदी तक का इजाफा जरुर हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि लाक डाउन की वजह से विभाग को 80 करोड़ रुपए से भी अधिक का नुकसान हो रहा है। हालांकि उनका ये भी कहना है कि ये स्थिति देश भर में है, और आने वाले दो तीन महीनों में कोरोना का असर कम होने के बाद स्थिति में सुधार आएगा।

कोरोना लॉकडाउन का व्यवसाय में व्यापक असर

तेल, आटा, चावल, जैसे खाद्य पदार्थो में आपूर्ति नही होने के कारण से मूल्यों में हुआ ईजाफा

पायनियर संवाददाता ◂ मुंगेली
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन का असर व्यवसाय में दिखने लगा है खाद्य पदार्थ के पूर्ति और आपूर्ति में संतुलन कायम नही होने से कुछ खाद्य पदार्थ में कीमत में उछाल आया है। किराना व्यवसायियों के अनुसार कुछ खाद्य पदार्थ, तेल, आटा,चावल, जैसे खाद्य पदार्थो में आपूर्ति नही होने के कारण से मूल्यों में ईजाफा हुआ है वहीं किराना सामानो में इसका असर देखने को मिला है। थोक व्यवसायी मांग की पूर्ति नही कर पा रहे है जिसका असर भी पड़ रहा है व परिवहन भी पर्याप्त नही होने से इसका असर खाद्य पदार्थ में पड़ रहा है। लॉकडाउन के चलते ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहक नाम मात्र की संख्या में आ रहे है जिससे उनका व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है व्यवसायियों

का कहना है कि प्रातः 10 से 01 बजे तक ही ग्राहक मुख्य रूप से आते है। व्यवसाय में इन दिनों एक सप्ताह की बिक्री जितनी होती है उतना सामान्य दिनों में एक दिन की बिक्री होती थी। इसका प्रमुख कारण सामग्री की आपूर्ति की नही होना वहीं लॉकडाउन में कम ग्राहकों की आना व्यवसाय को प्रभावित कर रहें है।

फल व्यवसायी

नवरात्रि पर्व को ध्यान में रखते हुए फल्न का स्टॉक किया गया था, लेकिन इस बार पर्व भी लॉकडाउन से प्रभावित हो रहा है और मंदिरों में ज्योति कलश के नही जलने और श्रद्धालुओं के मंदिर में प्रवेश भी प्रभावित हुआ है जिसके चलते ग्राहक नही आ रहे है जिसके चलते फल्न की मांग अपेक्षा से बहुत कम हो रही है इस लिए औने-पौने दाम व्यवसायी फल्न को बेचने को विवश है और उनके फल्न भी सड़ने लगे है।

दवा व्यवसायियों - बहुत से दवाई मांग के अनुसार नही मिल पा रही है माक्स, सेनेटाइजर, स्प्रे, डिटाल, सेलान, सहित कुछ दवाओं का आपूर्ति भी नही हो पा रही है जिससे उनकी बिक्री प्रभावित हुई है।

सब्जी व्यावसायी

लॉकडाउन की वजह से सब्जीं के बाजार में भी असर पडा है, जहां गोल बाजर में लगने वाली सब्जी मंडी को अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है, वही अब सब्जी का उचित मूल्य न मिल पाने के कारण आसपास के गांव से आने वाले लोगो ने भी थोक मंडी में आना कम कर दिया है ।

डेयरी के संचालक

ग्रामीण क्षेत्रों से ग्राहक नही आने से व्यवसाय में फर्क पड़ा है प्रतिदिन 200 लीटर प्रतिदिन बि ी होने वाले दुकान में 70 लीटर दूध ही खपत हो पा रही है, जिसके चलते दूध की खपत कही भी नही होने के कारण दूध व्यवसायी औने-पौने दाम में दूध बेचने विवश है।

मित्र मंडल द्वारा गरीब एवं भूखे लोगो को खाना खिलाया जा रहा

पायनियर संवाददाता ◂ कसडोल
www.dailypioneer.com

कोविट 19 कोरोना वायरस के प्रकोप से विभिन्न देशों सहित अफरा तफरी मची हुई । इस भीषण महामारी के चक्कर मे सेकड़ो डॉ ने भी जान गवा डाली ओर आज की स्थिति में सेकड़ो देश भी इस महामारी से जूझ रही है । प्रधानमंत्री द्वारा 21 दिन तक पूरे भारत वर्ष को लॉक डाउन किया गया ताकि सभी लोग घर पर ही रहे बाहर न निकले सुरक्षित रहे । इसी तारतम्य में मित्रमंडली कसडोल द्वारा निर्धन,गरीब एवं बेसहारा लोगो को भरपेट खाना खिलाया जा रहा है । बताना चाहूंगा कि भूखे को खाना खिलाना बहुत पुण्य का कार्य है । इसी प्रकार का कार्य इनकी समिति द्वारा करती आ रही है । इस नेक कार्य नागेस्वर साहू (समाजसेवी) कसडोल के नेतृत्व में किया जा रहा है । इनके अलावा भीखम जायसवाल, अनिल साहू, सूर्यकुमार साहू, बसंत साहू, संजय साहू, उमेश साहू, तरुण साहू, भजन यादव, खगेन्द्र साहू सहित अन्य सदस्य निरंतर इसी प्रकार के नेक कार्यों में उपस्थित रहते ।

सिख समाज लगातार कर रहा गरीबों की मदद

पायनियर संवाददाता ◂ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

सिख समाज के द्वारा निरन्तर गुरुनानक दरबार से गरीबो को राशन सामग्री बाटी जा रही है उसी कड़ी में आज श्री गुरु नानक स्कूल में सरकार की तरफ से स्कूल के बच्चों को राशन सामग्री बाँटी गयी सुखा राशन के साथ सिक्ख समाज दृवारा लगभग 75 बच्चों को सब्जी टमाटर, भिडी, पत्तागोभी, आलू, प्याज, हरी मिर्च खीरा बाँटा गया व लगभग 20 निर्धन परिवारों को राशन सामग्री व सब्जी बाँटी गयी।

सिख समाज ने लोगों से अपील भी किया है जो लोग बड़े राशन कार्ड वाले उचित मूल्य की दुकान से सामग्री नही लेते हैं वे हमें राशन कार्ड दे हम सामग्री लेकर जरूरत मंदो तक पहुचायेंगे।।

नवपदस्थ एसपी मीणा ने किया दल्लीराजहरा का सघन दौरा

पायनियर संवाददाता ◂ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

जिला में पदभार ग्रहण करने के पश्चात अपने प्रथम दौरे पर आये जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह मीणा ने दल्लीराजहरा, डोंडी एवं महामाया थाने का निरीक्षण किया जहाँ पर उन्होंने सभी थानों में पुलिस जवानों को नोबेल कोरोना के संक्रमण से बचने अलर्ट किया. श्री मीणा ने कहा कि जिले के सभी थानों में जवानों को राष्ट्रीय आपदा घोषित हो चुके कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने सुरक्षा कीट, जिसमें मास्क, सैनिटाइजर, हैडग्लांब्स इत्यादि का वितरण किया जाएगा पुलिस जवान अपनी सेहत पर ध्यान देवे हमारे जवान शिफ्ट वाइस ड्यूटी पर लगे हूए हैं तथा लोगों से लाँकडाउन का पालन करने की अपील कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि वे इन क्षेत्रो से भलीभांति अवगत है इससे पूर्व आसपास के जिला में पदस्थ रहकर अपनी सेवाएं दे चुके है उन्होंने राजहरा थाना पहूचकर रोजनामचा पंजी रजिस्टर का निरीक्षण भी किया वही उन्होंने उपस्थित पत्रकारों से चर्चा में बताया कि दिल्ली के निज़ामुद्दीन कालोनी से छतीसगढ़ के बालोद जिले में आए हुए लोगों की जांच की जा रही है।

राशन दुकान में सोशल डिस्टेंसिंग का नही हो रहा है पालन

पायनियर संवाददाता ◂ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

शहर में उचित मूल्य की दुकान पर राशन सामग्री का वितरण किया जा रहा है लेकिन वैश्विक महामारी के चलते जहां देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार लोगो को सोशल डिस्टेंसिंग के लिए प्रेरित कर रहे हैं वही राशन वितरण में इसका कोई भी पालन नहीं हो रहा है जिससे कही यह वायरस फैल गया तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। स्थानिय प्रशासन को चाहिए कि लोगों को जहाँ राशन सामग्री सुगमता से मिले वहीं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी हो लेकिन ऐसी अव्यवस्था से लोगो मे बीमारी फैलने का अंदेशा है।

उज्जवला योजना के उभोक्ताओं को तीन माह मुफ्त रिफिल देने की घोषणा

पायनियर संवाददाता ◂ मुंगेली
www.dailypioneer.com

भारत सरकार द्वारा उज्जवला योजना के उभोक्ताओं को अप्रैल से जून 2020 तीन माह की मुक्त रिफिल देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री योजना के लाभार्थी को 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेन्डर दिये जायेगें जो प्रतिमाह एक सिलेन्डर के मानक से दिये जायेगें। उज्जवला लाभार्थीयो कें लिए लिंक किये गए बैंक के खाते में अग्रिम रूप से सिलेन्डर की राशि स्थानतरित कर दी जायेगी। ताकि उपभोक्ता सहजता से सिलेन्डर प्राप्त कर सकेगें। लाभार्थी प्रतिमाह 1 सिलेन्डर के हकदार होगें और सिलेन्डर प्राप्ति के 15 दिन बाद ही दूसरी सिलेन्डर की बुंकिंग कर सकेगें। गैस बुंकिंग के लिए हितग्राही को स्वंय के पंजीकृत मोबाइल से बुंकिंग कराना होगा दूसरे किसी के मोबाइल से बुंकिंग मान्य नही होगा। उपभोक्ता को रिफिल देने के समय डिलवरी बॉय तत्काल अपने

मोंबाइल से डिलवरी की पुष्टि करेगा। अतः हितग्राही तत्काल अपने मोबाइल नम्बर संबंधित गैस एजेंसी में दर्ज कराकर पंजीकरण करा लें।

गैस एजेसियों के कर्मचारी-शोरूम कर्मचारी, गोदाम के कार्यरत कर्मचारी, मेकेनिक, डिलवरी बॉय, रिटेल आउटलेट, कस्टमर अटेंडन, ट्रक ड्राइवर, बल्क/पैक ट्रांसपोर्टस, जो नागरिकों और ग्राहकों को गैस डिलवरी करने में जान की जोखिम उठाकर अहम भूमिका निभा रहे है। उनके इस उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उपरोक्त में से किसी भी कर्मी की कोविड-19 के कारण मृत्यु के मामले में 5 लाख रूपये अनुग्रह राशि देने का घोषणा ऑयल कम्पनी द्वारा की गई है जो कि शादीशुदा वर्ग में पति-पत्नी नही होने पर मृतकों के परिजन को अनुग्रह राशि का भुगतान किया जायेगा और बेचलर कर्मी के मामले में भी यह विधि लागू होगी। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के नोडल अधिकारी अमित कुमार ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बतलाया कि गैस के स्टॉक के मामले में कोई कमी नही है लॉकडाउन अवधि के लिए स्टॉक सुनिश्चित कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं जिला सहायता कोष के लिए लोग कर रहे खुले हाथों से दान

पायनियर संवाददाता ◂ मुंगेली
www.dailypioneer.com

नोवेल कोराना (कोविड-19) के वैश्विक संक्रमण को देखते हुए जिले के कई सामाजिक संगठनों और समाज सेविओं द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं जिला सहायता कोष के लिए मुक्त हस्त लगातार सहायता राशि दी जा रही है, इसी कड़ी मे मुंगेली जिले के ग्राम किरना, लमती (सरगांव) के शीतला मिनरल्स माइनिंग पट्टेदार मोहन अग्रवाल ने आज जिला कलेक्टर कार्यालय में जिला पंचायत की मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्रीमति नुपूर राशि पन्ना को जिला सहायता कोष के लिए एक लाख रूपये की राशि का चेक भेंट किया ।

श्रीमति पन्ना ने एक लाख रूपये की राशि का चेक प्रदान करने पर शीतला मिनरल्स माइनिंग पट्टेदार मोहन अग्रवाल

के प्रति अभार व्यक्त किया । इस अवसर पर खनिज विभाग की श्रीमति ज्योति मिश्रा भी मौजूद थी ।

इसी कड़ी मे रोटरी क्लब मुंगेली द्वारा ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रूपये का सहयोग राशि का चेक कलेक्टर कार्यालय में आज कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे को भेंट किया गया। कलेक्टर श्री भुरे ने इसके लिए रोटरी क्लब के सभी सदस्यों के प्रति अपनी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्रीमति नुपूर राशि पन्ना भी मौजूद थी।

हास्पिटल में 50 मरोजों को दूध एवं ब्रेड का वितरण

पायनियर संवाददाता ◂ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

भाजपा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जिला अध्यक्ष श्री कृष्णकांत पवार के निर्देशानुसार आज शहीद हॉस्पिटल में लगभग 50 मरीजो को दूध एवम ब्रेड पैकेट देने का कार्य प्रारंभ किया गया जब तक लॉक डाउन रहेगा तब तक प्रत्येक दिन सुबह मरीजों को दूध व ब्रेड का वितरण किया जाएगा यह वितरण दुग्ध सहकारी संघ के अध्यक्ष एवम भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुदेश सिंह पूर्व मंडल महामंत्री राकेश द्विवेदी नागेंद्र चौधरी हरीशंकर गुप्ता वार्ड नम्बर 16 की पार्षद सोहद्रा ठाकुर सुमित जैन राजेश पिपरे मनीष उईके संदीप रामटेके व भाजपा के सदस्यों के द्वारा जब तक लॉकडाउन रहेगा तब तक रोज वितरण किया जाएगा। इसी प्रकार जरूरतमंद लोगों को चावल दाल सब्जी तेल एवं मसाले का वितरण भी किया जाएगा ।

कोरोना के खिलाफ संघर्ष

उपकरणों का घरेलू निर्माण जरूरी

कोरोनावाइरस संक्रमण का विस्तार अपरिहार्य है। इससे लड़ाई के मामले में हमें स्वास्थ्य ढांचे तथा देखभाल पर दबाव का अनुभव हो रहा है। देश भर के डाक्टरों व चिकित्साकर्मियों ने इसकी कमी की शिकायत करते हुए हड़ताल पर जाने तक धमकी दी हैं। उनके पास समुचित संख्या में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण-पीपीई, कवरआल, दस्ताने, गोगल्स, मास्क, आदि नहीं हैं। खबरें आई हैं कि इनके अभाव में चिकित्साकर्मी रेनकोट व ऐसी ही चीजें प्रयोग कर रहे हैं। लाकडाउन तथा कामगारों के पलायन के कारण इनका विनिर्माण करने वाले उद्योग भी इनका तेजी से निर्माण नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि, भारतीय खोज की कोई कमी नहीं है। पूना के महामारीविज्ञानियों ने नई परीक्षण किटें तैयार की हैं तथा आईआईटी ने सामूहिक प्रयासों से व कार निर्माता कंपनियों ने वेंटीलेटर बनाने के प्रयास किए हैं, लेकिन ये सारे प्रयास छोटे पैमाने पर हैं। बड़े पैमाने पर निर्माण की जरूरत है जिसके सामने नीतिगत बाधायें, जैसे खरीद आदेश व पश्चिम की तरह चीन पर महत्वपूर्ण उपकरणों के लिए भारी निर्भरता की समस्या है। घरेलू कंपनियों के पास उत्पादन बढ़ाने की सुविधायें नहीं हैं। हम बाकी दुनिया की तरह कमी का तर्क दे सकते हैं, लेकिन लाकडाउन के पहले सरकार ने समुचित संख्या में पीपीई के क्रयादेश नहीं दिए थे। चीन व दक्षिणपूर्व एशिया की संक्रमित फैक्ट्रियों से सप्लाई की संभावना समाप्त होने के बाद इनके घरेलू विनिर्माण के लिए कम से कम तीन सप्ताह का समय चाहिए। चीन ने

अभी वाइरस का पहला हमला झेला है और उसे विनिर्माण के पहले स्तर पर आने में बहुत समय लगेगा। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल के पहले 90 टन चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों का निर्यात सर्बिया को कर दिया था। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय ने इससे इनकार किया है, पर यूएनडीपी के एक ट्वीट से इसकी पुष्टि होती है। लाकडाउन के समय विनिर्माण के लिए कार्यकारी पूंजी की भी कमी है। चीन पर महत्वपूर्ण वस्तुओं व पुर्जों के लिए अति-निर्भरता एक समस्या बन गई है। कोरोना के खिलाफतीसरे विश्व युद्ध जैसे संघर्ष को देखते हुए हमें भावी रास्ते पर विचार करना चाहिए। स्वास्थ्यरक्षा को प्राथमिकता देते हुए हमें स्वदेशी औषधि व चिकित्सा उपकरण विनिर्माण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

वैश्वीकरण के पहले यही स्थिति थी, लेकिन बाद में सस्ते आयातों को देखते हुए यह रास्ता छोड़ दिया गया था। अब वाइरस संक्रमण के बाद वि-वैश्वीकरण प्रक्रिया शुरू हो सकती है जिसका प्रभाव स्वास्थ्य, सुरक्षा व कल्याण क्षेत्रों पर पड़ेगा। वूहान प्रकरण के बाद सरकार ने स्वदेशी निर्माण के लिए 38 औषधि सामग्रियों की सूची बनाई थी ताकि देश की चीनी आयात पर निर्भरता समाप्त हो सके। कुछ महत्वपूर्ण जीवनरक्षक औषधियों के प्रमुख औषधीय तत्वों-एपीआई का केवल चीन से आयात होता था। अब हमें 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत भारत को दुनिया के सर्वोच्च पांच चिकित्सा उपकरण विनिर्माताओं में शामिल करने के प्रयास करने होंगे। संकट के पहले अधिकांश घरेलू निर्माताओं ने अपनी निर्माण इकाइयां बंद कर दी थीं और वे आयातक व व्यापारी बन गए थे। हमने इस उद्योग की अनदेखी की जो संकट के समय हमारी सहायता कर सकता था। हालांकि, घरेलू चिकित्सा उपकरण बनाने वाली 1000 कंपनियां हैं, पर उनमें से केवल 15 का टर्नओवर 200 करोड़ से अधिक है, जबकि बाकी का टर्नओवर 10 करोड़ से भी कम है। इन कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त परिवेश बनाना होगा, उनको आयात के खिलाफखड़ा करना होगा तथा सुनिश्चित खरीद का आश्वासन देना होगा। स्वास्थ्यरक्षा के विशाल भारतीय बाजार को देखते हुए यह काम कठिन नहीं है जो एशिया में चौथा सबसे बड़ा बाजार है। इस प्रकार हम आयात पर अपनी निर्भरता 70 से 90 प्रतिशत तक घटा सकते हैं तथा किसी संभावित आपदा से निपटने के लिए आत्मनिर्भर हो सकते हैं।

लाकडाउन प्रक्रिया में सुधार की जरूरत

कोविड-19 मामलों की संख्या में तेजी से वृद्धि के बाद अब सरकार के सामने लाकडाउन के विस्तार या ऐसा न करने का विकल्प है। सबसे अच्छा रास्ता धीरे-धीरे कर्फ्यू उठाना हो सकता है।

दीपक सिन्हा
लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

बड़ी संख्या में भयानक वंचना के शिकार गरीब मजदूरों के पलायन तथा अपने घरों की सुरक्षा तक पहुंचने की अनेकानेक तस्वीरें कोरोना वैश्विक महामारी की त्रासदी अभिव्यक्त करती हैं। इनको 'भारत से इंडिया की मुलाकात' कहा गया। इस महान संकट के समय एक बार फिर स्पष्ट है कि इंडिया ने भारत, यानी ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली बड़ी जनसंख्या को नीचा दिखाया। मजदूरों को अफरातफरी पैदा करने का दोषी ठहराया जा सकता है, पर इसका कारण प्रधानमंत्री द्वारा 24 मार्च को संपूर्ण लाकडाउन घोषणा के बाद उनको मिलने वाली समुचित सूचनाओं का अभाव था। यह बहस का विषय हो सकता है कि इस बचने योग्य त्रासदी का दोषी कौन है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री के निर्देश का क्रियान्वयन ठीक नहीं हुआ तथा विभिन्न मंत्रालयों व राज्यों के बीच समुचित सहयोग का अभाव या उसकी बहुत कमी थी। इसके लिए सबसे ज्यादा जवाबदेह नौकरशाह हैं जिनको इसकी तैयारी पहले से करनी चाहिए थी। केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर के इस ट्वीट ने स्थिति सुधारने में कोई मदद नहीं की कि सरकार ने जनता की मांग पर रामायण सीरियल दिखाने का फैसला किया है। हमेशा की तरह स्थिति से निपटने का काम पुलिस पर छोड़ दिया गया। हालांकि, उनके कुछ कर्मियों के शानदार व्यवहार की प्रशंसा की जानी चाहिए, पर अनेक अक्षमतायें भी सामने आईं।

पलायन की हृदय विदारक तस्वीरें कुल समस्या का एक छोटा हिस्सा हैं, पर इनसे विभाजन के समय पैदा शरणार्थी संकट की यादें ताजा हो गईं। हम में से अधिकांश उन सांप्रदायिक दंगों से परिचित नहीं थे जिन्होंने विभाजन के पहले लाखों लोगों को बेघर कर दिया था, लाखों लोगों की मौत हुई थी तथा नव-निर्धारित सीमाओं के दोनों ओर अलपसख्यंकों को भारी खामियाजा भुगतते हुए पलायन पर मजबूर होना पड़ा था। बहुत से लोग यह तथ्य नहीं जानते होंगे कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व एमए जिन्ना ने फैरन त्रासदी से निपटने के लिए एक अस्थाई मिलिट्री एवैकुएशन आर्गेनाइजेशन-एमईओ का गठन सितंबर, 1947 में किया था जिसके प्रमुख मेजर जनरल चिम्मी थे। इस संगठन ने केवल तीन महीने काम किया और शानदार नतीजे दिखाए। यह भारत से मुस्लिम शरणार्थियों को पाकिस्तान तथा हिंदू शरणार्थियों को पाकिस्तान से भारत लाने का जिम्मेदार था। इस कालखंड में 85 लाख शरणार्थियों का आवागमन हुआ। उनको न केवल सुरक्षित रास्ता दिया गया, बल्कि उनके परिवहन, भोजन, शिविरों व चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की गई थी। इससे स्पष्ट है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व व प्रशासनिक क्षमता किस स्तर पर काम कर सकती है।

> अनैच्छिक रूप से प्रदूषण स्तर में भारी गिरावट लाकडाउन के कारण सामने आई है। आर्थिक प्रगति के नाम पर इस स्थिति को बिगड़ने नहीं देना चाहिए। हमें केवल टिकाऊ विकास की बातें करने के बजाय इसे अमल में लाना होगा।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हमारी चुनौतियों को देखते हुए वाइरस पर नियंत्रण के लिए राष्ट्रव्यापी संपूर्ण लाकडाउन के अलावा और कोई रास्ता नहीं था। प्रधानमंत्री ने असाधारण साहस और निर्णय लेने की क्षमता प्रदर्शित करते हुए उचित समय पर यह फैसला लिया। उम्मीद थी कि स्रोता परिपक्व दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रधानमंत्री के निर्णय के पीछे छिपी आवश्यकता समझेंगे तथा उचित व्यवहार करेंगे।

लोकतंत्रों में नागरिक स्वेच्छाचारी व्यवहार नापसंद करते हैं और आदेश न मान कर अपनी नाराजी प्रकट करते हैं। दुर्भाग्य से कुछ लोगों के अज्ञान तथा बेहतर जानकारी रखने वाले अनेक लोगों द्वारा सामाजिक मानकों की पूर्ण अनदेखी से ऐसे उपाय सामने आए जिनका क्रियान्वयन होना था। इस संदर्भ में बड़ी संख्या में लोगों को एकत्र करने वाले धार्मिक समूहों व राजनेताओं का व्यवहार निंदनीय है। इसके साथ ही आम नागरिकों के सामने किस्मत पर निर्भर रहने के सिवा और कोई रास्ता नहीं था। इसके कारण वाइरस संक्रमण का खतरा और बढ़ा। तथ्य यह है कि सरकार के सामने पहले से ही बहुत बड़ी चुनौती थी। वाइरस संक्रमण के बारे में उसकी समझदारी और प्रतिक्रिया डेटा पर आधारित थी। यह चाहे जितना सही हो, पर व्यक्तियों के संक्रमित होने के मामले में यह दो सप्ताह पीछे होता है। इसका कारण लक्षण उभरने व निदान से बीमारी की पुष्टि में लगने वाला समय है।

अब सरकार समझ गई है कि वह वाइरस का सामुदायिक संक्रमण रोकने में पूरी तरह प्रभावी नहीं रही है। अब उसके सामने समस्या है कि क्या लाकडाउन को और विस्तार दिया जाए क्योंकि उसके हटाने का समय आ रहा है। परंपरागत समझदारी है कि सरकार ऐसा नहीं कर सकती है क्योंकि इससे संक्रमण तेजी से बढ़ने का खतरा है तथा हांगकांग व सिंगापुर इसके उदाहरण हैं। दूसरी ओर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले भारी प्रभाव को देखते हुए वह अनिश्चित काल तक लाकडाउन का विस्तार नहीं कर सकती है। इसलिए सरकार के सामने उचित विकल्प यह है कि वह चरणबद्ध प्रक्रिया से लाकडाउन जिलावार हटाए। इसके लिए 'हाटस्पाट' पहचानने होंगे जहां से वाइरस संक्रमण का विस्तार हो रहा हो। इसके लिए हमें अपनी परीक्षण व्यवस्था को विस्तार देना होगा, उसकी क्षमता जांचनी होगी तथा आइसोलेशन के कठोर मानक अपनाने होंगे। तथ्य यह है कि अब तक परीक्षणों के मामले में जिम्मेदार नोडल एजेंसी-भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद का काम संतोषजनक नहीं रहा है। इस स्थिति में फैरन सुधार की आवश्यकता है।

कुछ लोगों का मानना है कि स्पैनिश फ्लू में लगभग 6 मिलियन व बंगाल के अकाल में लगभग 3 मिलियन लोगों की मौत वाले देश के लिए मृतकों की संख्या इतनी भयावह नहीं है। इसलिए हमें पहले की तरह कामकाज शुरू कर उम्मीद करनी चाहिए कि भविष्य में सब कुछ ठीक होगा। जापान हाल तक इसी रास्ते पर चलता रहा है।

यह अनुमान भी लगाया जा रहा है कि तापमान बढ़ने का वाइरस संक्रमण विस्तार पर प्रभाव पड़ेगा। आस्ट्रेलिया इसका उदाहरण है, जहां गरमी का मौसम आ गया है और सरकार एक सीमा तक वाइरस संक्रमण पर लगाम लगाने में सफल रही है जबकि उसकी रणनीति में भी अनेक कमियां थीं। इससे संकेत मिलता है कि यदि हम कुछ जोखिम लेना चाहें तो हम धीरे-धीरे लाकडाउन उठा सकते हैं तथा तापमान बढ़ने के साथ इसे समाप्त करने की गति तेज कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहे जो निर्णय लें, उनकी निन्दा की जाएगी कि उन्होंने खास निर्णय क्यों लिया। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हमारी प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक सुधार जरूरी हैं। पिछले 70 साल से जारी भयानक अनदेखी और कुशासन से हम इस स्थिति में पहुंचे हैं। ऐसे में वर्तमान सरकार के समक्ष चुनौती है कि वह समय को देखते हुए उठ खड़ी हो तथा कोरोना संक्रमण के नतीजे चाहे जो हों, स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखे।

सरकार को अंततः इस मामले में भी तार्किक निर्णय लेना होगा कि हम पुराने खराब तरीकों पर वापस न लौटें। अनैच्छिक रूप से प्रदूषण स्तर में भारी गिरावट लाकडाउन के कारण सामने आई है। आर्थिक प्रगति के नाम पर इस स्थिति को बिगड़ने नहीं देना चाहिए। हमें केवल टिकाऊ विकास की बातें करने के बजाय इसे अमल में लाना होगा। असंदिग्ध रूप से हमें प्रशासनिक व पुलिस ढांचे में सुधार की दीर्घकालीन आवश्यकता से निपटना होगा ताकि उनकी कमजोरियां दूर होकर वे ज्यादा प्रभावी, सक्षम व विकेन्द्रित बन सकें।

इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम प्राथमिक व सेकेंड्री शिक्षा के पाठ्यक्रम में ऐसे परिवर्तन करें जिनसे सामाजिक जिम्मेदारी व चरित्र निर्माण का विकास हो। बिना समुचित ध्यान दिए हम भविष्य के जिम्मेदार नागरिक नहीं तैयार कर सकते हैं।

आहत अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण का समय

> संकट खत्म होने पर युवा कार्यशक्ति को महान पुनर्निर्माण कार्यों में वापस शामिल करना होगा। यह अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने का समय है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक आईटीआई परिषद के प्रबंधक हैं)

मैं मानवता की सर्पिल पंक्ति के सेवा प्रदाता छोर पर हूं, जिसमें प्रत्येक के बीच एक मीटर की दूरी है, जो कंटेनर को खाद्य सामग्री से भरने के लिए तपती धूप में खड़ी है और प्रयास में है कि अंतिम क्षण में जहां तक संभव हो कंटेनर को प्राप्त कर सके। क्योंकि मैं वहां पर खड़ा होकर खाद्य वस्तुएं देकर मदद करने का प्रयास कर रहा हूं, मुझे आहत करता है कि ये लोग, जो अर्थव्यवस्था की अदृश्य शैवाल पर्त का निर्माण करते हैं, जल्द ही उस संघर्ष की मनोदशा को लेकर इधर-उधर बिखर जाएंगे जिसे वे न तो देख और न ही समझ सकते हैं। म्यूटेशन एवं प्रकटीकरण के संदर्भ में यह अदृश्य वायरस दुनिया में श्रेष्ठ वैज्ञानिक जगत के मस्तिष्कों के लिए एक रहस्य बना हुआ है। इसलिए, इसमें एक साधारण व्यक्ति के लिए समझ पाने की संभावना न के बराबर है। ऐसे परिदृश्य में, जो कोरोनावायरस पर सीमित एवं विकसित हो रहे शोध पर आधारित है, प्रत्येक राज्य के लिए अपने नागरिकों की रक्षा करने एवं अर्थव्यवस्था को बचाने हेतु बेहतर से बेहतर रास्ता अपनाने का निर्णय करना अनिवार्य हो जाता है।

भारत ने अपने 1.3 अरब लोगों को लगभग एक महीने के लिए लाकडाउन में रखने का साहसी कदम उठाया है। घर पहुंचने की चाहत में रेल पटरियों से होकर जाने वाले प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा को लेकर काफी कुछ लिखा और प्रकाशित किया जा चुका है। उनमें से कुछ थकान और भूख से मर जाते हैं। लेकिन मनुष्यों के एक विशाल समुदाय को महामारी से बचाने के लिए लाकडाउन की एकमात्र समाधान है। आलोचना तथा एक कठोर राज्य का उदय सोशल मीडिया पर बहस के शीर्ष विषय बन गए हैं। कहीं तो, जैसा कि किसी युद्ध में हमेशा होता है, इन संदेशों को गंभीरता से लिया जाना प्रारम्भ हो जाता है और सत्ता के विरुद्ध असंतोष बीज बोने हेतु उपजाऊ आधार मिल जाता है।

हालांकि, इस नए भारत में, सरकार की पहुंच डिजिटल मीडिया के माध्यम से काफी बढ़ी है। लगभग एक महीने के लिए अचानक घोषित लाकडाउन के बावजूद, सरकार को श्रेय जाता है कि उसने नागरिकों के लिए खाद्य एवं दवाओं जैसी अनिवार्य वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित की और वर्तमान समय में यथासंभव संवेदनशील बिजनेस की निरंतरता जारी रखी है। लेकिन सबसे बड़र समस्याजनक बिंदु था शीर्ष से क्रियान्वयनकर्ता तक सूचनाओं के निर्बाध प्रवाह का अभाव होना और कई बार अज्ञान पुलिसकर्मियों को चेकप्वाइंट पर बिठा दिया गया।

देश ने प्रधानमंत्री को कुछ ही दिनों के भीतर दूसरी बार देश को संबांधित करते देखा जबकि ऐसा शताब्दी में पहले कभी नहीं हुआ। नागरिक सामूहिक हड़बड़ी में आकर अनिश्चितता को देखते हुए आवश्यक वस्तुओं का संग्रह करने के लिए दौड़ पड़े। हड़बड़ी इस कदर थी कि सड़कों पर मौजूद पुलिसकर्मियों को दखल देना पड़ा और पुलिस बंदोबस्त तथा आपूर्ति गाड़ियों को काफी प्रचार मिला। पश्च दृष्टि से देखें, तो इस परिमाण के लाकडाउन को, मानक संचालन कार्यप्रणालियों एवं करने योग्य व न करने योग्य कार्यों की स्पष्टता केंद्र के शीर्ष सरकारी पदाधिकारियों से राज्यों में निम्नतम पादन पर कार्यरत लिपिकों, पुलिसबलों, नागरिक प्रतिरक्षा कर्मियों एवं जमीनी स्तर पर स्वयंसेवियों तक सुनिश्चित की जा सकती थी। इस तरह सरकार की आलोचनाओं से बचत हो जाती, यदि निर्णय समय से लिया जाता। अन्य मुद्दा यह है कि लगभग साथ ही साथ सभी सरकार विभाग बहुत सी सलाहें जारी करने में लग गए जो राज्य एवं जिलाधिकारी स्तर तक जाकर और अधिक हो गईं। इससे कानून लागू करने व पालन करने वालों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। निश्चित रूप से यह सहभागी प्रशासन का महान संकेत भी है जहां लगभग प्रत्येक अहम निर्णय आमजन के लिए देखने व भागीदार बनने के लिए होता है। हालांकि, एक कार्यतंत्र के भीतर, केंद्रीय डैशबोर्ड अथवा सभी संकट संबंधी आदेशों का ट्रैकर, ग्राम पंचायत स्तर तक सृजित किया जाना बेहतर होता। एक विशाल अंतरसंबंधित प्रशासन के विश्वस्तरीय डिजिटल चैनल जो पिछले कुछ वर्षों में सृजित हुए हैं उन्हें इस संकट के समाप्त होने के बाद अंतिम मील तक एकीकृत करने की आवश्यकता होगी। अगला कदम होना चाहिए लगभग 3 खरब डॉलरकी अर्थव्यवस्था के आगाज़ का नियोजन, जबकि घात वायरस के पूर्ण परिणाम उपमहाद्वीप में नजर आ रहे हैं। कुछ अंतरमंत्रालयी विभागों एवं वरिष्ठतम सरकारी पदाधिकारियों का एक कार्यबल कल के भारत के पुनर्निर्माण हेतु सृजित हुआ है। इस कार्यबल को संचार के बहु चैनल खोलने चाहिए साथ में वार रूम पदाधिकारियों द्वारा औद्योगिक निकायों के साथ संकट पश्चात पुनरुत्थान योजना के साथ कोविड-19 के विरुद्ध युद्ध छेड़ना चाहिए।

पुनः, अनिवार्य तथा गैर आवश्यक वस्तुओं के परिवहन की अनुमति दिए जाने के निर्णय को देखते हुए राजमार्गों पर वस्तुओं से भरी ट्रकों की आवाजाही एक सकारात्मक लक्षण है। मगर इन वाहनों का अभी भी रुके रहना समस्या का कारण है जिसे संबोधित करना होगा। श्रम शक्ति, जो इन ट्रकों पर सामान लादने का काम कर रही थी और आपूर्ति श्रंखला में एक महत्वपूर्ण बिंदु है, वह पलायन कर चुकी है। क्षेत्रों, कारखानों एवं भारत की निर्माणाधीन इमारतों को वापस लौटने के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दस्तावेजीकृत टिकट आदि उपायों के माध्यम से आत्मवश्वास जगाने की आवश्यकता होगी। दस्तावेजीकृत का अर्थ है किसी भी रेणी के उचित टिकट जारी किया जाना जिसमें किसी भी परिवहन साधन के द्वारा यात्रा करने वाले व्यक्ति का नाम और विवरण मौजूद हो।

यद्यपि ऐसा लगता है कि कोई कठोर राज्य लोगों के आवागमन पर नियंत्रण रखे हो, फिर भी विडंबना है कि यदि घातक वायरस को पुनः प्रभावी होने से रोकना है तो उसका पता लगाना होगा। यह काम अनाम तरीके से करने संबंधी बेहतर तरीकों से भी किया जा सकता है। उम्मीद करते हैं कि 21 दिन समाप्त होने के समय, वायरस गुच्छों में सीमित एवं एकाकीकृत हो चुका होगा, ऐसे में शेष देश सामान्य स्थिति में वापस लौट सकता है। युवा कार्यशक्ति को महान पुनर्निर्माण कार्यों में वापस शामिल करना होगा। लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था को पुनः गति प्रदान करने के लिए बहुत कुछ करना होगा।

आप की बात

न्यायिक व्यवस्था पर सवाल

निर्भया के गुनहगारों को बेहद रस्साकशी के बाद फांसी दी गई मुझे यह देखकर अत्यंत दुख होता है कि देश की न्यायिक व्यवस्था लगभग ध्वस्त होने की कगार पर है यह शब्द भारत में जनहित याचिकाओं की नींव डालकर देश में न्यायिक सक्रियता की शुरुआत करने वाले पूर्व मुख्य न्यायाधीश पी.एन.भगवती के हैं। जघन्य अपराध के बाद भी पीड़िता के परिवार को न्याय के लिए 7 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। न्याय में देरी अन्याय के समान है इंसाफ में देरी के कारण न्यायालय के प्रति लोगों के भरोसे में कमी आती है यह चिंता का मसला है कि देश की न्यायिक व्यवस्था को विडंबना तेजी से घेरती जा रही है गौरतलब है कि यह लचर व्यवस्था पीड़िता एवं आरोपी को कैसे सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर कर देता है नेशनल ज्यूडिशियल डाटा के अनुसार देश भर की अदालतों में 3 करोड़ 21 लाख से अधिक मामले लंबित है भारतीय न्यायिक व्यवस्था में किसी मामले के सुलझाने की कोई नियत अवधि तय नहीं की गई है जबकि अमेरिका में यह 3 वर्ष निर्धारित है भारत में जज और आबादी का अनुपात बेहद कम है ऐसे में जजों की संख्या बढ़ाने को लेकर समय-समय पर सरकारें देश पर आर्थिक भार बढ़ने की वजह से बचती हैं।

– **वीर सिंह कुठौंद**, जालौन

काली रात में संकल्प की रोशनी

हमारे देश का प्रकाश से बड़ा ही पुराना नाता है। त्रेतायुग में जब प्रभु श्रीराम अपना चौदह वर्ष का वनवास पूरा करके वापिस आए थे, तो पूरे अयोध्या वासियों ने दीयों की टिमटिमाहट से पूरे नगर को जगमग कर दिया था। ये रोशनी हमें याद दिलाती है कि त्रेतायुग के लोगों ने चौदह वर्षों तक अपने संकल्प और धैर्य की परीक्षा में जीत हासिल की थी। उस दौरान संकट श्रीराम पर था। पर उनकी उनकी प्रजा ने हंसते हुए इस पर विजय प्राप्त की थी। संकट आज भी हैं जिसका नाम कोरोना है। ये महामारी हमारे संकल्प और धैर्य की परीक्षा ले रही है। कोरोना संकट पूरी दुनिया पर मंडरा रहा है। आज जब दुनिया तकनीक के मामले में बहुत आगे निकल चुकी है। हमने ऐसी मिसाइलें तैयार कर ली हैं जो हजारों किलोमीटर दूर ही देश पर आने वाले खतरे को नष्ट करने की क्षमता रखती है, तब भी हम लोग कोरोना का कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं। इटली, ब्रिटेन और अमेरिका को इसके समक्ष मुंह की खानी पड़ी। आज उन देशों से मौत के आंकड़ों के सिवा कोई खबर नहीं आ रही। लिहाजा प्रधानमंत्री ने रविवार को नौ बजे नौ मिनट अपने घर की सभी लाइटों को बंद कर दीए और मोमबत्ती की रोशनी में अपने संकल्प को फिर से एक बार दोहराने का आग्रह किया है।

– **रोहित यादव**, हरियाणा

स्वस्थ डिजिटल लाइट जरूरी

टेलीकॉम सचिव ने बताया है कि लॉकडाउन के उपरांत इंटरनेट के इस्तेमाल में वृद्धि हुई है। आज जब लोग घरों में कैद हैं तो अधिकतर लोगों को इंटरनेट ही बोरियत से बचने का सबसे सरल उपाय लगता है। हालांकि इस बात को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि इस मुश्किल घड़ी में इंटरनेट के माध्यम से लोग ज़रूरी सेवाएं ले और दे पा रहे हैं। पर साथ ही हमें स्वस्थ डिजिटल डाइट का पालन करने की ज़रूरत है जिसका सरलार्थ यह है कि हमें हर समय स्मार्टफ़ोन, लैपटॉप, इत्यादि पर अपना समय व्यतीत न करें और समझदारी से इनका उपयोग करें। आज के प्रोद्योगिकी संचालित युग में स्वस्थ जीवन के लिए डिजिटल फास्टिंग भी एक लाभदायक उपाय है जिसमें हमें तकनीकी उपकरणों के प्रयोग को कुछ समय का विराम देना चाहिए। यह कुछ सप्ताह, दिन, घंटे, यहां तक की शुरुआत में कुछ मिनटों का भी हो सकता है। इससे निश्चित रूप से न केवल कार्यक्षमता बढ़ेगी बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक रिश्ते भी बेहतर होंगे।

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

वायरस को फैलने से रोकने के लिए राज्यों द्वारा मिलजुलकर काम करना सराहनीय है। ध्यान परीक्षण, तलाश करने, और एकांतवास सुनिश्चित करने पर होना चाहिए।
– **नरेंद्र मोदी**

बीजिंग की पारदर्शिता को लेकर विवाद से संबंधों में तनाव बढ़ा है और साजिश के तहत चीन में फैलाई गई यह इस कहानी से खराब भावनाएं पैदा हुई हैं कि वायरस फैलाने के लिए अमेरिकी सेना दोषी है।
– **डोनाल्ड ट्रंप**

लाकडाउन भले ही जरूरी था मगर जिस अनियोजित तरीके से लागू किया उससे लाखों प्रवासी मजदूरों की मुसीबतें बढ़ गईं।
– **सोनिया गांधी**
कांग्रेस अध्यक्षा

भाजपा पार्षदों ने अब तक नही की पीएम या सीएम राहत कोष में अपना मानदेय देने की घोषणा

लेकिन प्रदेशाध्यक्ष के आव्हान पर बीजेपी कार्यकर्ता 100-100 रुपये पीएम केयर्स फंड में करेंगे दान

पायनियर संवाददाता ◄ बालोद
www.dailypioneer.com

वैश्विक महामारी एक तरफ विश्व के 180 देशों सहित भारत में भी अपना तांडव कर रहा है। भारत में लगभग 1300 लोग इससे संक्रमित हैं। वही मरने वालो की संख्या में भी इजाफा हो रहा है। केंद्र और राज्य सरकार लॉक डाउन कर लोगो से घर पर रहने की अपील कर रही है। वहीँ लोग खुले हाथों से सरकार को दान भी दे रहे हैं। बड़े-बड़े उद्योगपतियों से लेकर छोटे-छोटे जनप्रतिनिधि अंशदान दे रहे हैं। बालोद नगर पालिका के नगर पालिका अध्यक्ष से लेकर कांग्रेस के सभी पार्षद और एल्डरमेन अपने-अपने मार्च माह का मानदेय राज्य सरकार के राहत कोष में देने की घोषणा कर चुके हैं। वहीँ भाजपा के पार्षदों का मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री राहत कोष में कोई सहयोग नहीं देने का कोई भी घोषणा अभी तक सामने नहीं आई है। एक तरफ पूरा देश इस भयंकर महामारी के चलते दहशत में हैं।

स्वयंसेवी संगठन, सामाजिक संगठन, व्यापारी संगठन, इस महामारी में जरूरतमंद लोगो तक राशन, सेनिटाइजर मास्क आदि का वितरण कर रहे हैं। परंतु भाजपा से जुड़े नगर के जनप्रतिनिधि जनता के सहयोग के लिए कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। जो की चर्चा का विषय बना हुआ है। पार्षद मोहन कलिहारी ने बताया कि भाजपा पार्षदों ने अभी तक अपने मानदेय पीएम या सीएम कोष में देने की घोषणा नही की हैं। लेकिन पीएम केयर्स फंड में 100 रुपये सहायता स्वरूप जमा किया जा रहा है और साथ ही अनाज के पैकेट भी बनाये जा रहे हैं। मामले में शहर मंडल अध्यक्ष सुरेश निर्मलकर से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष के आव्हान पर पीएम केयर्स फंड में भाजपा संगठन द्वारा पार्टी के हर एक कार्यकर्ता से 100 रुपये सीधे बैंक खाते में जमा करवाया जाएगा। साथ ही जरूरतमंदों के लिए राशन की भी व्यवस्था की जा रही हैं।

निर्दलीय पार्षद ने बांटा राशन दवाई और मास्क

बालोद नगर पालिका के वार्ड मांक-8 के निर्दलीय पार्षद सुनील जैन भी जरूरत मंदो को सहयोग करने में खुलकर सामने आये। वे जरूरतमंद लोगो को राशन, मास्क एवं अपने द्वारा जरूरतमंदों को दवाई आदि भी वितरित कर रहे हैं। वहीँ पूर्व एल्डरमेन विनोद जैन भी अब तक लगभग 700 लोगो को मास्क का वितरण कर चुके हैं।

जिले के स्कूलों के विद्यार्थियों को सूखा राशन का वितरण किया गया

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा जिले के प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं के विद्यार्थियों को कोरोनावायरस के चलते उनके घरों में पहुंचा कर सुखा राशन सामग्री का वितरण स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा किया गया शुक्रवार को जिले के प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं के विद्यार्थियों को राशन सामग्री का वितरण किया गया इसी कड़ी में बेमेतरा जिला मुख्यालय के सिंघौरी वार्ड में स्थित प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं सहित अन्य गांव एवं नगरीय निकायों में स्थित शालाओं में के शालाओं के शिक्षकों के द्वारा सामग्री राशन सामग्री का वितरण वहां के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के द्वारा किया गया है इस संबंध में जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार के आदेशानुसार 3और 4अप्रैल तक वितरण करना है इस के बारे में सिंघौरी वार्ड में स्थित पूर्व माध्यमिक शाला के एच एम मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि उनके शाला विधार्थियों को सूखा राशन सामग्री का वितरण किया गया

बीजा प्राथमिक शाला के प्रभारी प्रधान पाठक अशोक ध्रुर्वे ने बताया कि सुबह से घरो घर जाकर पहली से पांचवी तक के बच्चों को सुखा राशन में.चांवल, दाल.वितरण किया गया जहा प्राथमिक शाला में टोटल 96 बच्चे दर्ज है इस हिसाब से चांवल 384 किलोग्राम, दाल 76 किलो 800 ग्राम दिया गया और पुरा. सोशल डिस्टेंस का पालन किया गया

इसी प्रकार पूर्व माध्यमिक शाला के शिक्षक कृष्ण कुमार देवांगन ने बताया कि हमारे स्कुल में 93 बच्चे दर्ज है जहा चांवल 5 क्विंटल 58 किलो और दाल 1 क्विंटल 11किलो 8सौ ग्राम दिया गया पुरा सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए और वितरण के समय ग्राम पंचायत बीजा सरपंच श्री मती गायत्री गोड,उपसरपंच अर्जुन पटेल,समूह संचालक संतोष घृतलहरे एवं अन्य नागरिकों का योगदान रहा

ज्ञात हो कि कार्यक्रम के सफल संचालन में संकुल के सभी शिक्षकों का विशेष योगदान रहा जिसमे शिक्षको द्वारा पालको को बीमारी के संक्रमण एवम् सेनेटाइज़ के तरीकों पर चर्चा करते हुए सामग्री का वितरण किया गया। इस संकुल स्तरीय राशन वितरण को सफल बनाने में संकुल समंवयक होरी लाल मिर्झा ,क्षेत्र के अनुभवी संवाददाता संजू जैन, शिक्षकगण अशोक कुमार धुर्वे, कृष्णा कुमार देवांगन,दीपक राजपुत, गजानंद वैष्णव, डोमरा राम साहू , प्रहलाद वर्मा, महेंद्र कुमार पटेल , योगेश्वर साहू,मनहरण साहू , महेश्वर श्रीवास, बनवारी चेलक, कहैया लहरे,स्कुल.सफाई कर्मचारी नारद.,कमलेश एवम् संकुल के समस्त शिक्षको का सराहनीय योगदान रहा।

परसोदा के प्रायमरी एवं मिडिल स्कूल के बच्चों को घर पहुचा कर दिया गया सूखा राशन

बालोद। शुक्रवार को शासकीय प्राथमिक शाला एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परसोदा में शिक्षा विभाग के आदेशानुसार मध्यान्ह भोजन योजना अंतर्गत बच्चो को मार्च एवं अप्रैल का सूखा राशन (प्रति विद्यार्थी प्राथमिक विभाग 4 किग्रा चावल एवं दाल 0.8 किग्रा माध्यमिक विभाग 6 किग्रा एवं दाल 1.2 किग्रा) घर-घर पंहुचा कर वितरण किया गया। ज्ञात हो की कोरोना वायरस के सं मण के चलते स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। जिसके कारण स्कूल में मध्यान्ह भोजन का संचालन कर पाना संभव नहीं था। अतः शासन के आदेशानुसार प्राथमिक शाला के कुल 89 एवं माध्यमिक शाला के कुल 97 बच्चो को घर पंहुचा कर राशन वितरण किया गया।

कोरोना लाकडाउनः विधायक के साथ धार्मिक एवं विभिन्न संगठनों ने दिया सहयोग राशि

पायनियर संवाददाता ◄ राशि
www.dailypioneer.com

बेमेतरा विधायक .आशीष छाबड़ा के द्वारा बेमेतरा क्षेत्र में करोना वायरस(कोविड-19) से बचाव हेतु किये जा रहे कार्यो से प्रेरित होकर लगातार बेमेतरा क्षेत्र के नागरिको तथा संस्थाओं की इस लड़ाई में भागीदारी बढ़ती जा रही है,इसी क्रम में सर्व ब्राह्मण समाज बेरला द्वारा 21 हजार रुपये का चेक एवं धीवर समाज बेरला द्वारा 11 हजार रुपये का चेक एवं श्री माता भद्रकाली समिति बेमेतरा द्वारा 51 हजार का चेक साथ ही समस्त ग्रामवासी अमोरा के द्वारा 15 हजार रुपये का चेक जिला कोषालय बेमेतरा के नाम पर बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा एवं कलेक्टर शिव अनत तायल को सौपा गया, जिससे वे बेमेतरा में कोरोना वायरस के रोकथाम में किये जा रहे प्रयासों भब तेजी लाई जा सके इसी तरह से श्री माता भद्रकाली समिति बेमेतरा द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष में 01 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया

इस अवसर पर अवनीश राघव पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा,किशोर शर्मा अध्यक्ष सर्व ब्राह्मण समाज बेरला,राजेश दुबे पार्षद बेरला, बलदाऊ प्रसाद शर्मा,सांस्कार शर्मा,विक्की द्विवेदी, रामकृष्ण द्विवेदी, दिपक द्विवेदी,मनोज,राजेंद्र शर्मा,गंगाराम धीवर अध्यक्ष धीवर समाज,बलदाऊ धीवर,रमेश धीवर, सावंत धीवर, दिलेश्वर धीवर,उत्तमचंद महेश्वरी अध्यक्ष श्री माता भद्रकाली समिति बेमेतरा,पोषण ठाकुर,श्यामलाल चतुर्वेदी,महेश शर्मा,उदित गुप्ता, रामाधार देवांगन, रामाअवतार वर्मा,राजकुमार ध्रुव,हरजीत जुनेजा,विश्वराज,द्वारिका पाण्डे, मोहित वर्मा,सुखराम वर्मा,तारकेस्वर वर्मा उपस्थित थे,

कांट्रेक्टर एसोसिएसन ने बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा को सौपी सहयोग राशि का चेक

बेमेतरा कांट्रेक्टर एसोसिएसन के द्वारा बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा से मिलकर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में उनके द्वारा कोरोना वायरस के रोकथाम के हेतु किये जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए विधायक मान.आशीष छाबड़ा जी के कंधो से कंधा मिलाकर सहयोग प्रदान करने हेतु अखिलेश तिवारी के द्वारा 21हजार रुपये,मेसर्स ए.पी.अग्रवाल(डी.के.अग्रवाल) के द्वारा 51 हजार,रुपये,आलोक बिल्डकॉन के द्वारा 21 हजार रुपये,सीटू छाबड़ा के द्वारा 21 हजार रुपये,बिंदल कंशट्रक्शन के द्वारा 21 हजार रुपये,सुयेश तिवारी के द्वारा 11 हजार रुपये, आर.एस.कंशट्रक्शन के द्वारा 11 हजार रुपये, मेसर्स जे.के.छाबड़ा(जोगिन्दर छाबड़ा) के द्वारा 11 हजार रुपये, मनोज मिश्रा के द्वारा 5100 सौ रुपये कुल *01लाख 73 हजार 01 सौ रुपये का चेक जिला कोषालय के नाम से विधायक आशीष छाबड़ा को प्रदान की गई इस अवसर पर अवनिश राघव पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, बंशी पटेल अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, विनीश कुमार छाबड़ा, प्रतीक दुबे,जोगिन्दर छाबड़ा उपस्तिथ रहे

अनाज बैंको से जरूरतमंदों को मिल रही राशन सामग्री

पायनियर संवाददाता ◄ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर श्रीमती रानू साहू के मार्गदर्शन में जिले के पाँचों तहसील कार्यालय में स्थापित ''अनाज बैंको'' से जरूरतमंदों को राशन सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है। संकट की इस घड़ी में राशन सामग्री मिलने से जरूरतमंद परिवारों को काफी राहत मिल रही है। बालोद तहसीलदार श्रीमती रश्मि वर्मा ने बताया कि तहसील कार्यालय बालोद में स्थापित अनाज बैंक से अब तक 236 व्यक्तियों को 8.04 क्विंटल राशन सामग्री उपलब्ध कराकर उन्हें राहत प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि दानदाताओं से अब तक 52.67 क्विंटल चावल, 4.65 क्विंटल दाल, 126 किलोग्राम शक्कर, 150 किलोग्राम आलु, 150 किलोग्राम प्याज, 1030 नग साबुन, 164 लीटर तेल, 1.52 क्विंटल आटा और 262 पैकेट नमक आदि अनाज बैंक में प्राप्त हुआ है।

अनियंत्रित होकर खेत में घुसा 10 चक्का वाले ट्रक

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

सोसाइटी से धान लेकर जा रहे 10 चक्का वाले ट्रक रास्ते में तेज गति की के दौरान अनियंत्रित होकर एक तो खेत में घुस गया और वहां पर पलट गया । इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार पुट पूरा धान खरीदी केंद्र से भारी ओवरलोड धान लेकर 10 चक्का वाले ट्रक निकला इसी दौरान खेड़ा और पुटपुरा के बीच में धान से भरा दस पहिया ट्रक खेत मे जा घुसा ओवर स्पीड इतने जबरदस्त था ट्रक अनियंत्रित हो कर पलट गया और सामने का दोनों चक्का निकल कर फेका गया कोई जान हानि की घटना नही ट्रक चालक और कंडक्टर को मामूली चोटें आई

जिले के विभिन्न समिति एवं नागरिकों ने दिया कोविड- 19 के लिए सहायता राशि

बेमेतरा। बेमेतरा क्षेत्र में करोना वायरस(कोविड-19) से बचाव हेतु किये जा रहे कार्यो से प्रेरित होकर लगातार बेमेतरा क्षेत्र के नागरिको तथा संस्थाओं की इस लड़ाई में भागीदारी बढ़ती जा रही है, इसी म में आज सर्व ब्राह्मण समाज बेरला द्वारा 21 हजार रुपये का चेक एवं धीवर समाज बेरला द्वारा 11 हजार रुपये का चेक एवं श्री माता भद्रकाली समिति बेमेतरा द्वारा 51 हजार का चेक साथ ही समस्त ग्रामवासी अमोरा के द्वारा 15 हजार रुपये का चेक जिला कोषालय बेमेतरा के नाम पर कलेक्टर श्री शिव अनत तायल को सौपा गया, जिससे वे बेमेतरा में कोरोना वायरस के रोकथाम में किये जा रहे प्रयासों मे तेजी लाई जा सके इसी तरह से श्री माता भद्रकाली समिति बेमेतरा द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष में 01 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया।

देखिए मंत्री जी.... मनौद राशन दुकान में हुई कार्यवाही के बाद भी नही सुधरी स्थिति

परसदा राशन दुकान में केरोसीन कालाबाजारी करने का मामला आया सामने

पायनियर
खबर का असर

02 मार्च गुरुवार 2020 को प्रकाशित खबर

03 मार्च शुक्रवार 2020 को प्रकाशित खबर

हितग्राही नही ले जा रहे केरोसीन बावजूद रजिस्टर एवं राशन कार्ड में की जा रही एंट्री

जिले के अधिकांश राशन दुकानों में हितग्राहियों से निर्धारित दर से अधिक पैसे लेने के आ रहे मामले सामने

खाद्य विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर लगा प्रश्नचिन्ह

जिले में कुल 442 राशन दुकाने संचालित

पायनियर संवाददाता ◄ रवि भूतड़ा/बालोद
www.dailypioneer.com

ग्राम मनौद के राशन दुकान में मुनाफाखोरी और हितग्राहियों से निर्धारित मूल्य से अधिक पैसे वसूलने मामले में कलेक्टर ने बड़ी कार्यवाही करते हुए राशन दुकान को निरस्त कर दिया हैं और समूह के अध्यक्ष, सचिव एवं विक्रेता के विरुद्ध एफआईआर करने के आदेश दिए हैं। इस कार्यवाही से जहां मुनाफाखोरी एवं कालाबाजारी कर रहे राशन दुकान संचालकों में हड़कम्प की स्तिथि बनी हुई हैं। तो वही दूसरी तरफ कलेक्टर द्वारा की गई कार्यवाही से भी राशन दुकानों में स्तिथि नही सुधरी है। कोरोना वायरस जैसी महामारी बीमारी से जहां एक ओर देश जूझ रहा है तो वही आज भी कुछ राशन दुकान के संचालको द्वारा जमकर मुनाफाखोरी और कालाबाजारी की जा रही हैं। ग्राम मनौद के बाद ग्राम परसदा में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया हैं। जहां राशन दुकान के विक्रेता द्वारा शक्कर को 17 रुपये प्रति किलो के बजाय 20 रुपये प्रति किलो में हितग्राहियों को दिया जा रहा हैं। इतना ही नही विक्रेता के द्वारा केरोसिन की भी कालाबाजारी जमकर की जा रही हैं।हितग्राहियों के हक का केरोसीन संबंधित विक्रेता के द्वारा डकार लिया जा रहा हैं। अपने हक़ का हितग्राही केरोसिन नही ले जा रहे हैं, लेकिन विक्रेता के द्वारा राशन कार्ड एवं रजिस्टर में केरोसिन की मात्रा एंट्री की जा रही हैं। वही हितग्राहियों की माने तो नवंबर माह से वे केरोसिन नही ले जा रहे है। बावजूद उनके राशन कार्ड में केरोसिन की मात्रा दर्ज की जा रही है। इतना ही नही विक्रेता के द्वारा राशन दुकान के रजिस्टर में भी केरोसिन की मात्रा को हितग्राहियों के नाम के सामने दर्ज किया जा रहा हैं। अब यहाँ सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि अगर हितग्राही अपने हक़ का केरोसिन नवंबर माह से नही ले जा रहे हैं तो उनका केरोसिन गया कहा...? ये जांच का विषय हैं।

नवम्बर माह से नही ले जा रहे केरोसिन बावजूद कार्ड एवं रजिस्टर में एंट्री- उक्त मामले में जब कुछ हितग्राही से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि कई लोगों ने नवंबर माह से केरोसिन नही ले गए हैं। लेकिन विक्रेता ने कार्ड में कैसे केरोसिन की मात्रा कैसे दर्ज की, नही मालूम। राशनकार्ड धारी रामलाल ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से शक्कर को 20 रुपये प्रतिकिलो की दर से राशन विक्रेता द्वारा दिया जा रहा था। लेकिन ग्राम मनौद में हुई कार्यवाही के बाद इसी महीने 17 रुपये प्रति किलो के दर से दिया गया हैं। हितग्राही बुधियारिन बाई ने बताया कि जरूरत पड़ने पर केरोसीन कभी-कभी लाते है और शक्कर 20 रुपये प्रति किलो की दर से लेते है। ग्रामीण चंदूलाल ने बताया कि पिछले कुछ महीने से केरोसिन नही ने रहा हूं। लेकिन राशन कार्ड व दुकान के रजिस्टर में केरोसिन एंट्री कर दिए है।पिछले माह तो विक्रेता के द्वारा शक्कर दिया ही नही गया हैं। केरोसिन को विक्रेता ब्लैक में बेच देता होगा। राशनकार्ड धारी बिजमा बाई ने कहा कि 4 से 5 माह हो गया केरोसिन नही लाए है। लेकिन विक्रेता द्वारा राशन कार्ड व रजिस्टर में एंट्री कर दिया गया हैं। एंट्री कैसे किया गया ये वही जाने। राशन कार्डधारी इंदो बाई, दाऊलाल ने बताया कि वे अपने कार्ड में केरोसिन नही ले रहे हैं। लगभग नवंबर माह से नही ले जा रहे हैं। जब जरूरत होती है तब ले आते है। बावजूद हमारे राशन कार्ड में कैसे केरोसिन की मात्रा एंट्री की गई नही मालूम। रजिस्टर में तो हमारे जाने के बाद विक्रेता के द्वारा भी एंट्री की गई होगी। क्योकि दुकान का रजिस्टर उसी के पास होता हैं। ग्राम परसदा के बड़े पारा के हितग्राहियों ने बताया कि शक्कर को भी प्रति किलो 20 रुपये से दिया जा रहा हैं। जबकि 17 रुपये 70 पैसे दर निर्धारित हैं।यहां यह कहना गलत नही होगा कि उक्त विक्रेता के द्वारा सरकारी राशन में जमकर मुनाफाखोरी और कालाबाजारी की जा रही हैं। यहां बताना लाजिमी हैं कि ग्राम परसदा में संचालित शासकीय राशन दुकान में जो विक्रेता के द्वारा संचालित की जा रही है ये विक्रेता है जो ग्राम मनौद में भी राशन दुकान संचालित किया जा रहा था। जिसके विरुद्ध कलेक्टर ने एफआईआर के आदेश दिए हैं।

खाद्य विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर लगा प्रश्नचिन्ह- राशन दुकानों में लगातार आ रहे मुनाफाखोरी, कालाबाजारी एवं निर्धारित सरकारी दर से अधिक पैसे लेने के मामले में खाद्य विभाग के जिलाधिकारी एवं संबंधित क्षेत्र के खाद्य निरीक्षको की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई हैं। राशन दुकानों की मॉनिटरिंग, जांच व निरीक्षण खाद्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर नही करते और अगर करते भी है तो सिर्फ खानापूर्ति करते हैं। वर्तमान में जहां एक तरफ कोरोना वायरस जैसी जानलेवा बीमारी से देश जूझ रहा हैं। लॉक डाउन के दौरान सीएम भूपेश बघेल ने मुनाफाखोरी और कालाबाजारी नही करने और सेवा भाव से कार्य करने व्यापारियों से अपील की हैं। वही दूसरी तरफ सरकारी राशन दुकानों में वर्तमान स्तिथि में भी जमकर मुनाफाखोरी व कालाबाजारी की जा रही हैं। अब यह सोचनीय विषय हैं कि जब खाद्य मंत्री एवं प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत के प्रभार वाले में राशन दुकानों की यह स्तिथि है तो अन्य जिलों की स्तिथि क्या होगी..? खासतौर पर वनांचल एवं आदिवासी क्षेत्रों में। मंत्री अमरजीत भगत को चाहिए कि जिले भर के राशन दुकानों की जांच करवा कड़ी कार्यवाही करें तथा संबंधित अधिकारियों पर भी कड़ी कार्यवाही की जाए ताकि आगे कोई गरीब को मिलने वाला उसके हक का सरकारी राशन पर डाका न डाल सके। साथ ही ये मुनाफाखोरी और कालाबाजारी का खेल बंद हो सके।

ग्राम परसदा राशन दुकान में जांच टीम भेजी गई हैं, रिपोर्ट अभी मेरे पास आई नही है, रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ बता पाऊंगा, हमारे द्वारा समय समय पर राशन दुकानों का निरीक्षण किया जाता है। साथ ही एसडीएम के साथ संचालको की मीटिंग भी ली जाती हैं।
विजय किरण, जिला खाद्य अधिकारी, बालोद

भाजपा सक्ती नगर मंडल एवं मित्र मंडली के साथियों के सहयोग से 70 परिवारों को किया गया राशन सामग्री का वितरण

मित्र मंडली का सेवा प्रकल्प सराहनीय एवं सकारात्मक : भवानी प्रसाद तिवारी

पायनियर संवाददाता ≺ सक्ती
www.dailypioneer.com

शक्ति शहर के वार्ड क्रमांक- 1, दो एवं तीन में 2 अप्रैल को रामनवमी दिवस भाजपा नगर मंडल शक्ति के कार्यकर्ताओं एवं शहर की सेवाभावी संस्था मित्र मंडली के सहयोग से वार्ड के करीब 70 जरूरतमंद गरीब परिवारों को खाद्यान्न सामग्रियों के पैकेट उपलब्ध करवाए गए,इस दौरान भाजपा शक्ति नगर मंडल अध्यक्ष भवानी प्रसाद तिवारी सहित पार्टी के कार्यकर्ता एवं मित्र मंडली शक्ति के प्रतीक जिंदल,राहुल अग्रवाल, सहित अन्य सेवाभावी सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे, तीनों ही वार्डों के जरूरतमंद परिवारों तक नगर पालिका के निर्देशानुसार खाद्य सामग्रियां वितरित की गई तथा यह सामग्री वितरण का कार्य निरंतर शहर के प्रत्येक वार्डों में एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी जरूरतमंद लोगों तक मित्र मंडली द्वारा निरंतर किया जा रहा है, भाजपा शक्ति नगर मंडल के अध्यक्ष भवानी प्रसाद तिवारी ने बताया कि वार्ड क्रमांक- 1,2 एवं तीन में इस खाद्य सामग्री के पैकेट मिलने से जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों में काफी प्रसन्नता है, एवं वर्तमान समय में कोरोना वायरस के संक्रमण से लाग डाउन की स्थिति में यह परिवार अपना जीविकोपार्जन करने में अक्षम महसूस कर रहे थे तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इन्हें खाद्यान्न सामग्री की सहायता भी उपलब्ध करवा रही है, किंतु इसके बावजूद अन्य सामग्रियां भी उन्हें मिलने से उन्हें अपने परिवार के भरण-पोषण में दिक्कत नहीं आएगी, भाजपा शक्ति नगर मंडल अध्यक्ष भवानी प्रसाद तिवारी ने बताया कि भाजपा नगर मंडल शक्ति द्वारा भी शक्ति शहर के प्रत्येक वार्डों में पार्टी के निर्देशानुसार वाले दिनों में वालेंटियर की एक टीम बनाई जा रही है, जो कि आने वाले समय में आवश्यकता अनुसार अपनी श्रम रुपी सेवाएं प्रदान करेंगे, तथा मंडल अध्यक्ष श्री तिवारी के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने भी प्रधानमंत्री राहत कोष में रिलीफ फंड में अपना अंशदान देने का आग्रह किया है, जिसे लेकर भी पार्टी कार्यकर्ता निरंतर अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

शहर के रेलवे स्टेशन में जरूरतमंदों को दी जाने वाली भोजन सेवा में ब्रेक

पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने भोजन सेवा को बंद करने के दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता ≺ सक्ती
www.dailypioneer.com

शक्ति शहर सहित पूरे अंचल में जहां एक और कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम के लिए शासन द्वारा लागडाउन 14 अप्रैल तक लगाया गया है, तथा इस लाग डाउन की स्थिति में शहर के कई सार्वजनिक स्थानों, रेलवे स्टेशन एवं अन्य जगहों पर कुछ ऐसे जरूरतमंद गरीब लोग फंसे हुए हैं जो कि प्रतिदिन यात्री ट्रेनों के माध्यम से या कि शहर में भिक्षा मांग कर अपना जीवन यापन करते थे, किंतु यात्री ट्रेनों के स्थगित होने तथा शहर में कर्फ्यू सी स्थिति में इनका जीवन यापन नहीं हो पा रहा था तथा शहर

के रेलवे स्टेशन में ही करीब 25 से 30 की संख्या में यह लोग फंसे हुए थे जिन्हें देखते हुए स्टेशन मोहल्ले सहित शहर के कुछ सेवाभावी लोगों ने सकारात्मक पहल करते हुए इन्हें प्रतिदिन दोनों समय का गर्म भोजन एवं नाश्ता देने की सेवा प्रारंभ की, तथा विगत करीब 1 सप्ताह से निरंतर इन्हें भोजन दिया जा रहा था किंतु एकाएक 3 अप्रैल को पुलिस प्रशासन के स्थानीय अधिकारियों द्वारा रेलवे स्टेशन में पहुंचकर आने वाले दिनों से इन लोगों को भोजन की सेवा बंद कर देने के निर्देश इन सेवाभावी लोगों को दिए तथा पुलिस प्रशासन ने कहा कि प्लेटफार्म में जो लोग रुके हुए हैं उन्हें उनके स्थानों में गंतव्य तक भेजने की व्यवस्था पुलिस करेगी तथा जो आसपास के गांव के हैं वह अपने गांव वापस चले जाएं तथा सेवाभावी लोगों द्वारा उन्हें भोजन उपलब्ध न करवाया जाए, पुलिस प्रशासन के अनुसार इन लोगों को भोजन दिए जाने से

और भीड़ बढ़ रही है किंतु वहीं दूसरी ओर ऐसे सेवाभावी लोगों ने बताया कि उनके द्वारा प्रतिदिन व्यवस्थित ढंग से जन सहयोग के माध्यम से गर्म भोजन दिया जा रहा था,किंतु पुलिस प्रशासन ने ऐसा कहा कि उनका जहां भोजन बनता है उसकी शिकायत पुलिस थाने में दी गई है, जिस पर इस सेवा को पुलिस ने बंद करवाया है उल्लेखित हो कि शहर में संकट के समय तथा जरूरतमंदों की सेवा के लिए जहां लोगों के हाथ स्वस्फुरतः आगे बढ़ते हैं तथा अभी वर्तमान में पूरे देश में यह कोरोना का संकट काफी तेज गति से चल रहा है,एवं ऐसे सेवाभावी लोगों की भावनाओं को प्रशासन के ऐसे निर्देश से जहां ठेस पहुंचती है तो वही भविष्य में भी ऐसे सेवा करने वाले लोग स्वयं का सब कुछ लगाकर जरूरतमंदों को ऐसी सेवाएं देने से कतराने लगेंगे, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 3 अप्रैल की दोपहर प्लेटफार्म पर भोजन खिलाने

अभिषेक बंसल पिंटू ने ही पीएम को ट्वीट कर घरों की बालकनी पर दिए जलाने का दिया था सुझाव

3 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश में लोगों से 5 अप्रैल को दिए या मोमबत्ती जलाने का किया है निवेदन

पायनियर संवाददाता ≺ सक्ती
www.dailypioneer.com

शक्ति शहर के युवा नेता एवं भाजपा के आईटी सेल, मीडिया संयोजक,पूर्व विधायक मीडिया प्रभारी,अभिषेक फार्मा के संचालक अभिषेक बंसल पिंटू ने 27 मार्च को ही अपने ट्विटर अकाउंट से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्वीट कर आग्रह किया था कि वर्तमान में कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए घरों की बालकनी पर यदि डोरी खली के तेल से दिए प्रज्वलित किये जाए एवं अधिकारी/कर्मचारी वर्ग नीम के तेल से दिए प्रज्वलित करें तो कोरोनावायरस के संक्रमण को बहुत हद तक हम सभी काबू कर सकते हैं, तथा अभिषेक बंसल ने मोदी जी को यह सुझाव ट्विटर अकाउंट के माध्यम से दिया था वहीं

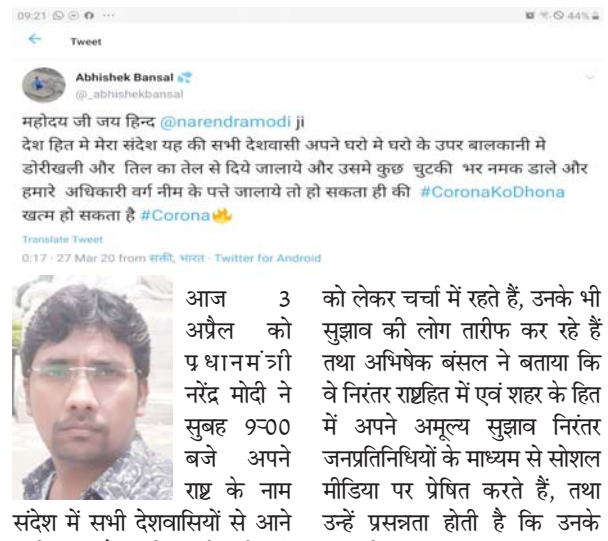

आज 3 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुबह 9ः00 बजे अपने राष्ट्र के नाम संदेश में सभी देशवासियों से आने वाले 5 अप्रैल को अपने घरों की बालकनीयों पर रात्रि 9ः00 बजे सारी रोशनीयों को बंद कर दिए जलाने एवं मोमबत्ती की रोशनी करने सहित अन्य आग्रह किया हैं तथा प्रधानमंत्री के इस पहल की जहां लोग सराहना कर रहे हैं तो वही शक्ति शहर के युवा नेता अभिषेक बंसल जो निरंतर सोशल मीडिया सहित महत्वपूर्ण तकनीकी सुझाव को लेकर चर्चा में रहते हैं, उनके भी सुझाव की लोग तारीफ कर रहे हैं तथा अभिषेक बंसल ने बताया कि वे निरंतर राष्ट्रहित में एवं शहर के हित में अपने अमूल्य सुझाव निरंतर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सोशल मीडिया पर प्रेषित करते हैं, तथा उन्हें प्रसन्नता होती है कि उनके सुझावों पर शासन- प्रशासन अमल करते हुए उसे क्रियान्वित करता है, उल्लेखित हो की शक्ति शहर के युवा नेता अभिषेक बंसल श्री राधाकृष्ण मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा नगर मंडल के उपाध्यक्ष विनोद बंसल के जेष्ठ सुपुत्र है, तथा वे सामाजिक कार्यों में भी काफी सक्रियता के साथ भागीदारी करते हैं।

लोगों को निशुल्क सुरक्षा मास्क वितरण का कार्य हुआ प्रारंभ

डभरा एवं चंद्रपुर शहर सहित विभिन्न स्थानों पर कोरोनावायरस के संक्रमण से रोकथाम हेतु दिए गए मास्क

पायनियर संवाददाता ≺ सक्ती
www.dailypioneer.com

जांजगीर चांपा जिले के प्रतिष्ठित श्री अग्रोहा सेवा संघ चंद्रपुर परीक्षेत्र द्वारा अपने सेवा कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान में कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए चंद्रपुर एवं डभरा शहर में 3 अप्रैल को लोगों को सुरक्षा मास्क का वितरण किया गया, इस दौरान चंद्रपुर परिक्षेत्र के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने लोगों से

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने हेतु निरंतर सुरक्षा मास्क लगाने तथा घरों में ही रहने का आग्रह किया, साथ ही अग्रोहा सेवा संघ चंद्रपुर परिक्षेत्र के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल के मार्गदर्शन में संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य पूरी तत्परता के साथ जुटे हुए हैं, एवं 3 अप्रैल को चंद्रपुर एवं डभरा में संपन्न सुरक्षा मास्क का वितरण कार्य के दौरान श्री अग्रोहा सेवा संघ चंद्रपुर परिक्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष कृष्णावतार अग्रवाल अमलडीहा, वर्तमान अध्यक्ष अशोक अग्रवाल फगुरम, सोमराज अग्रवाल डभरा, नगर पंचायत डभरा के अध्यक्ष प्रीतम अग्रवाल, अशोक अग्रवाल डभरा, संतोष अग्रवाल अमलडीहा सहित काफी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

धर्मगुरु, कांग्रेस नेता खुशवंत साहेब कर रहे हैं निःशुल्क राशन का वितरण : अधिवक्ता गिरधर जायसवाल

गुरु खुशवंत साहेब एवं सतनाम सेना ने तिल्दा नेवरा क्षेत्र में अनेकों परिवारों को किया खाद्यान सामग्रियों का वितरण

पायनियर संवाददाता ≺ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में धर्मगुरु, युवराजगुरु, इंजी. गुरु खुशवंत साहेब प्रदेशाध्यक्ष-अखिल भारतीय सतनाम सेना द्वारा लोगो के लिए मूलभूत आवश्यक राशन सामग्री वितरण किया जा रहा है,

सेवा, सहयोग, समर्पण को सार्थक प्रतीत करते अखिल भारतीय सतनाम सेना प्रदेशाध्यक्ष-गुरु खुशवंत साहेब जी एवम सतनाम सेना के

पदाधिकारियों द्वारा तिल्दा नेवरा क्षेत्र में लॉक डाउन की स्थिति में लोग अपने घरों में रह कर इस गंभीर परिस्थिति कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी को हराने निरन्तर सरकार के गाईड लाइन का पालन कर रहे है,विषम परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे लोगो के लिए बड़ी समस्या बन चुका है जिसे ध्यान में रखते हुए सतनाम सेना द्वारा 2 सप्ताह भर की जरूरतमन्द राशन समान का व्यवस्था कर गांव-गांव, घर घर जाकर स्वंय गुरु खुशवंत साहेब जी जरूरत मंद लोगो को चिन्हांकित कर 15 दिन का राशन सामग्री का वितरण किया और उन सभी परिवार को जरूरत पड़ने पर सतनाम सेना से संपर्क करने और किसी भी परिस्थिति में किसी बातो से चिंतित नही होने की बात कहते हुए जब तक सरकार द्वारा लॉक डाउन रखा जायेगा उनका पालन करने और अपने घरों में रहने हिदायत दिया गया।

छुट्टियों के चलते घरों तक पहुंचा रहे सूखा राशन

पायनियर संवाददाता ≺ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में कोरोनावायरस के संक्रमण से रोकथाम हेतु जहां पूरे प्रदेश में निर्धारित परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया है, तथा कई कक्षाओं में जनरल प्रमोशन के आधार पर बच्चों को नई कक्षाओं में प्रवेश के दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं, इसी श्रृंखला में छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल के बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान भोजन एमडीएम के अंतर्गत स्कूलों की छुट्टियों के चलते स्कूल प्रशासन एवं संबंधित स्कूलों के स्व सहायता समूह को बच्चों के घर जाकर ही उन्हें एमडीएम के तहत सूखी राशन सामग्री वितरण करने के निर्देश दिए गए थे, जिस श्रृंखला में शैक्षणिक जिले के अंतर्गत विकासखंड शक्ति डभरा, मालखरौदा, एवं जैजैपुर में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मीता मुखर्जी के मार्गदर्शन में 3 अप्रैल से एमडीएम के तहत सुखी राशन सामग्री वितरण का कार्य सुचारू ढंग से प्रारंभ हो गया है, 3 अप्रैल को जिले के अंतर्गत चारों विकासखंडों में प्राइमरी स्कूल के बच्चों को 4 किलो चावल एवं 800 ग्राम दाल, तथा मिडिल स्कूल के बच्चों को 6 किलो चावल एवं 1 किलो 200 ग्राम दाल का वितरण 40 दिनों के लिए स्कूल प्रशासन एवं स्व सहायता समूह के सदस्यों द्वारा जाकर किया गय।

प्रथम पृष्ठ का शेष

छत्तीसगढ़ की पहली...

राज्य की पहली कोरोना संक्रमित निकलते ही हड़कंप मच गया था। राज्य सरकार ने इस के तुरंत बाद कड़े कदम उठाए थे।

आपको बता दें कि प्रदेश में कोरोना पॉजेटिव मरीजों की संख्या 9 थी, जिनमें से अब तक 4 मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। प्रदेश में अभी 5 ही मरीज अब संक्रमित बचे हैं।

चिकित्सकों और पूरी टीम को बधाई.. बच्ची को शुभकामनाएँ. सतर्क रहें.. खुद भी सावधान रहें और दूसरों को भी सावधान करते रहें

उत्तर प्रदेश में चरणबद्ध ...

जरूरत पड़ने पर निजी चिकित्सालयों के कितने बेड और वेंटीलेटर उपलब्ध हो सकते हैं इसकी भी सूची तैयार करें। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करने वालों को सख्त संदेश दें। इंदौर जैसी घटना उत्तर प्रदेश में कहीं भी कतई नहीं होनी चाहिए। ऐसे लोगों पर आपदा एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करें। जो भी लोग सरकार से असहयोग करें उनको थोड़ी-थोड़ी संख्या में अलग-अलग कड़ी निगरानी में रखें।

गाजियाबाद के अस्पताल में जिन लोगों ने अराजकता फैलाई है उन सबके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। अगर क्वारंटाइन से कोई भागता है तो इसके लिए वहां के प्रशासन को जवाबदेह बनाएं। ऐसे केंद्र प्राइमरी स्कूलों की जगह बड़े भवनों को बनाएं। लॉकडाउन के अनुपालन में जो लोग बेहतर काम कर रहे हैं उनकी सूची बनाएं। हालात सामान्य होने पर सरकार ऐसे लोगों को सम्मानित करेगी। कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्ती से अंकुश लगाएं। अगर जरूरी सामान थोक बाजार से ही ऊंचे दाम पर मिल रहे हों तो उनके खिलाफ भी एक्शन लें।

इस भीषण संकट से उबरने हम सभी को करना चाहिए सहयोग : जितेंद्र अग्रवाल

पायनियर संवाददाता ≺ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत की प्रेरणा से प्रदेश के प्रतिष्ठित सिविल कांट्रेक्टर एवं संभागीय अग्रवाल महासभा बिलासपुर की जांजगीर-चांपा जिला इकाई के अध्यक्ष समाजसेवी,कांग्रेस लीडर जितेंद्र अग्रवाल जीतू ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में वर्तमान समय में कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम हेतु किए जा रहे शासन के सकारात्मक प्रयासों में अपनी एक अंशदान राशि के रूप में ?51000 की राशि प्रदान की है, तथा जितेंद्र अग्रवाल जीतु ने ?51000 मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में प्रेषित किया है, जिस पर लोगों ने जितेंद्र अग्रवाल जीतू की इस पहल पर आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सदैव जन सेवा के कार्यों एवं सामाजिक कार्यों के प्रति तत्परता के साथ आगे बढ़कर सहयोग करने वाला प्रखर व्यक्तित्व का धनी बताया है, वही जितेंद्र अग्रवाल जीतू ने बताया कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत की प्रेरणा से उन्होंने अंशदान राशि मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में प्रदान की है, विधानसभा अध्यक्ष एवं उनकी धर्मपत्नी कोरबा लोकसभा सांसद ने भी पहले ही अपनी निधि से एवं

स्वयं के द्वारा मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में सहयोग राशि प्रदान कर लोगों को एक जागरूकता का संदेश दिया तथा जितेंद्र अग्रवाल जीतू ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष ने वर्तमान संकट के समय में पहल करते हुए जांजगीर-चांपा जिले कलेक्टर को भी पत्र लिखकर जिले के सभी तहसील एवं विकासखंड स्तर पर गरीब जरूरतमंद लोगों को अनाज बैंक स्थापित कर उसके माध्यम से अनाज उपलब्ध करवाने का सकारात्मक प्रयास किया है, जिससे भी लोगों में प्रसन्नता है तथा सेवाभावी, दानदाता लोग विधानसभा अध्यक्ष की इस पहल पर आगे आकर इस अनाज बैंक के कार्य को सफल बनाएंगे

बीजेपी ने कोरोना महामारी से निपटने प्रदेश में प्रारंभ किया विशेष अभियान

पायनियर संवाददाता ≺ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने कोरोना वायरस संक्रमण के वैश्विक संकट से निपटने के लिए संगठनात्मक स्तर पर व्यापक अभियान शुरू किया है। भाजपा प्रदेश इकाई ने विभिन्न मोर्चों पर एक साथ पहल कर वैश्विक महामारी के खात्मे, स्वस्थ भारत के निर्माण और इस संकट से जूझ रहे लोगों तक पहुँचने और सरकार व भाजपा द्वारा किए जा रहे सहायता उपायों को जरूरतमंदों तक पहुँचाने को लिए प्रदेशभर में सम्पर्क समूह बनाकर अपने सभी नेताओं , पदाधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं व जनप्रतिनिधियों को दायित्व सौंपे हैं। भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग से जारी सूची के मुताबिक विभागीय समूहों का ब्यौरा इस प्रकार है :-

सामाजिक संस्थाओं एवं समाज प्रमुखों से सम्पर्क* = प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेण्डी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री व सांसद सुश्री सरोज पाण्डे, अजजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद रामविचार नेताम, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व मंत्रीद्वय बृजमोहन अग्रवाल और अजय चन्द्राकर।

प्रशासन से सम्पर्क- डॉ. रमन सिंह व धरमलाल कौशिक।

हेल्पलाइन डेस्क = किशोर महानंद (8109952558), अमरजीत छाबड़ा (9826414145), अमित मैशेरी(9827168914), गोविन्दा गुप्ता (9301582000), रितेश मोहरे (9179509066)।

कंट्रोल रूम = अवधेश जैन (9301004800), मयूर पटेल (9009001819), संदीप साहू (8839696199)।

प्रधानमंत्री राहत कोष* = पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल। पार्टी ने सभी कार्यकर्ताओं से कोरोना संक्रमण की प्रभावी रोकथाम के लिए पीएम केयर्स में अंशदान करने की अपील दुहराई है और इसके लिए 10 अन्य लोगों को भी प्रेरित करने को कहा है।

सांसदों से सम्पर्क* = सांसद सन्तोष पाण्डे।

विधायकों से सम्पर्क* = धरमलाल कौशिक।

विविध संगठनों से सम्पर्क =* संगठन महामंत्री पवन साय।

भोजन व्यवस्था* = लोकेश कावड़िया व पुरन्दर मिश्र।

अन्य प्रदेशों से सम्पर्क =* सांसदद्वय सुनील सोनी व अरुण साव।

विंबलडन प्रमुख ने कहा, हो सकता है साल भर टेनिस न हो पाए

लंदन। विंबलडन प्रमुख रिचर्ड लुईस ने स्वीकार किया कि उन्हें डर है कि 2020 का बाकी टेनिस सत्र भी कोरोना वायरस की भेंट चढ़ सकता है। टेनिस के सभी टूर्नामेंट पिछले महीने के शुरू से ही बंद है और विंबलडन के दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार रद्द होने के बाद 13 जुलाई तक किसी टूर्नामेंट के होने की संभावना भी नही है। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित टेनिस प्रतियोगिता के रद्द किए जाने से पहले फ्रेंच ओपन ने मई जून में होने वाले अपने टूर्नामेंट को सितंबर-अक्टूबर तक टाल दिया था। इस तरह से क्ले कोर्ट और ग्रास कोर्ट का एक भी टूर्नामेंट इस सत्र में नही खेला जाएगा।

फीफा प्रमुख ने कहा, कोई नहीं जानता फुटबाल प्रतियोगिताएं कब से शुरू होंगी

एसनसियोन। फीफा प्रमुख जियानी इनफैनटिनो ने स्वीकार किया कि कोई नही जानता कि पूरी दुनिया मे फुटबाल की प्रतियोगिताएं कब से शुरू होंगी। उन्होंने साथ ही कहा कि जब फुटबाल खेल शुरू होगा और हालात सामान्य होंगे तो यह अलग होगा। इनफैनटिनो ने कहा कि खतरनाक कोरोना वायरस महामारी के चलते फुटबाल इतनी अहम नही रह गई है।

महामारी के कारण सीनियर पीजीए चैंपियनशिप रद्द

लास एंजिलिस। कोरोना वायरस के कारण अगले महीने होने वाली सीनियर पीजीए गोल्फ चैंपियनशिप को रद्द कर दिया गया है। अमेरिकी पीजीए ने 19 से 24 मई के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट के रद्द होने की पुष्टि की। यह टूर्नामेंट बेंटन हार्बर मिशीगन मे होना था लेकिन 23 मार्च तक अपने घरो मे ही रहने के आदेश के बाद इसे रद्द करने का फैसला किया गया।

भारत से लौटे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के परीक्षण नेगेटिव आए

जोहानिसबर्ग। भारत के एकदिवसीय दौरा बीच मे रद्द होने के बाद स्वदेश लौटने वाले सभी दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटरो मे कोरोना वायरस का कोई लक्षण नही पाया और इनमे से जिनका परीक्षण किया गया वह भी नेगेटिव रहा। टीम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. शुएब मांजरा ने यह जानकारी दी।

जुलाई, अगस्त में प्रो लीग करा सकता है एफआईएच

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय हाकी महासंघ ने एफआईएच प्रो लीग के दूसरे सत्र को कोरोना वायरस महामारी के कारण और आगे बढ़ा दिया है और अब मैच जुलाई अगस्त मे कराए जा सकते है। एफआईएच कोरोना महामारी के कारण पहले भी प्रो लीग दो बार निलंबित हो चुकी है।

टीम इंडिया के रूप में भारत को विजयी बनाना है : पीएम

● कोरोना के खिलाफ लड़ाई में खिलाड़ियों से बोले मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोराना वायरस से पार पाने में विराट कोहली, पी वी सिंधू , सचिन तेंदुलकर समेत शीर्ष 40 से अधिक खिलाड़ियों से लोगों को जागरूक करने का आग्रह करते हुए शुक्रवार को यहां कहा कि इस महामारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में टीम इंडिया के रूप में भारत को विजई बनाना है।

प्रधानमंत्री ने तेजी से फैल रही कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिए राष्ट्रीय लॉकडाउन के बीच खेल मंत्री कीरेन रीजीजू और देश के 40 से अधिक खिलाड़ियों से वीडियो कॉल के जरिए एक घंटे तक बात की जिनमें बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, दिग्गज सचिन तेंदुलकर और वर्तमान कप्तान विराट कोहली जैसे शीर्ष क्रिकेटर भी शामिल थे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने अपने सुझाव भी रखे और मोदी ने कहा कि उन पर पूरा ध्यान दिया जाएगा। तेंदुलकर ने 14 अप्रैल के बाद भी एहतियात बरतने पर जोर दिया जबकि फर्राटा धाविका हिमा दास ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जुटे स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस पर हमले पर दुख जताया। विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता बैडमिंटन स्टार बी साइ प्रणीत ने भी इस कॉल में हिस्सा लिया और उसकी एक क्लिप ट्विटर पर डाली। इसमें मोदी ने कहा, आपके सुझावों पर भी सरकार द्वारा पूरा ध्यान दिया जाएगा। कोरोना के खिलाफ इस वैश्विक लड़ाई में हमें टीम इंडिया के रूप में भारत को विजई बनाना है। मुझे विश्वास है कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से देश में नई ऊर्जा का संचार होता है। प्रधानमंत्री ने संकल्प, संयम, सकारात्मकता, सम्मान और सहयोग का पांच सूत्री मंत्र देते हुए कहा कि लोगों का मनोबल बढ़ाने में खिलाड़ी अहम भूमिका निभा सकते हैं। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने भाषा से कहा, बातचीत एक घंटे तक चली जिसमें खिलाड़ियों ने अपने सुझाव रखे और प्रधानमंत्री ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उनके योगदान की सराहना की। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने ट्वीट किया, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने खिलाड़ियों से बात करके उनसे अपने सोशल मीडिया द्वारा सामाजिक दूरी बनाए रखने का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने और कोरोना वायरस के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील की। महिला हाकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) शिविर में कोरोना वायरस को लेकर बरती जा रही सावधानियों को लेकर बात की। भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में कई प्रमुख क्रिकेटर शामिल हैं। इनमें तेंदुलकर, गांगुली और कोहली के अलावा पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान, युवराज सिंह ने भी हिस्सा लिया। विश्व कप विजेता पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और केएल राहुल के नाम भी सूची में थे लेकिन वे इसमें भाग नहीं ले सके। क्रिकेटरों के अलावा ओलंपिक रजत पदक विजेता पी वी सिंधू, भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा, दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद, धाविका हिमा दास, मुक्केबाज एमसी मेरीकोम और अमित पंघाल, पहलवान विनेश फोगाट और युवा निशानेबाज मनु भाकर भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने वीडियो कॉल में हिस्सा लिया। मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, इनमें से 12 खिलाड़ियों को अपनी बात रखने के लिए तीन-तीन मिनट का समय दिया गया। पता चला कि तेंदुलकर, गांगुली, एमसी मेरीकोम और कोहली उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने इस दौरान अपनी बात रखनी थी लेकिन छह बार की विश्व चैंपियन मेरीकोम से नेटवर्क के कारण संपर्क नहीं हो पाया था। तेंदुलकर ने बाद में एक बयान में कहा , मैने सुझाव दिया कि महामारी से उबरने के बाद भी हाथ मिलाने की बजाय हाथ जोड़का नमस्ते करूंगा जो हमारा तरीका है। असम पुलिस में डीएसपी के पद पर कार्यरत एशियाई खेलों की पदक विजेता हिमा ने कहा , मैने उनसे कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों और पुलिस पर हमले दुखद है। छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज मेरीकोम नेटवर्क समस्या के कारण कॉल में शामिल नहीं हो सकी। पूर्व विश्व भारोत्तोलन चैम्पियन मीराबाई चानू ने कहा , उन्होंने हमसे सामाजिक दूरी और स्वच्छता को लेकर जागरूकता जगाने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि इस लड़ाई को जीतने के लिए हमें विराट (कोहली) के जुझारूपन की जरूरत है। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता निशानेबाज अभिषेक वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों से सकारात्मक बने रहने और सकारात्मकता फैलाने का आग्रह किया। कोविड-19 महामारी के कारण विश्व भर में खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं जबकि तोक्यो ओलंपिक को एक साल के लिए टाल दिया गया है। इस महामारी के कारण भारत में अब तक 50 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। विश्व भर में मृतकों की संख्या 50,000 को पार कर चुकी है।

हम 14 अप्रैल के बाद भी निश्चिंत नही हो सक्ते, प्रधामंत्री ने मेरी इस धारणा को पुख्ता किया : तेंदुलकर

नई दिल्ली। चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार को कहा कि14 अप्रैल के बाद का समय कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई मे काफी अहम होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस मे यह बात कही। तेंदुलकर उन 40 खिलाड़ियों मे से थे जिन्होने देश की मौजूदा स्थिति पर प्रधानमंत्री मोदी के एक घंटे के वीडियो कॉल मे भाग लिया। तेंदुलकर ने एक बयान मे कहा , उन्होने (प्रधानमंत्री मोदी) ने मेरी इस धारणा को पुख्ता किया कि हम 14 अप्रैल के बाद भी निश्चिंत होकर बैठ नही सक्ते। उसके बाद का समय काफी अहम होगा। सभी की तरह लॉक्डाउन के दौरान तेंदुलकर भी सामाजिक दूरी का पालन कर रहे है। उन्होंने बताया कि अब वह किसी से हाथ मिलाने की बजाय हाथ जोड़कर नमस्ते करते है। उन्होंने कहा , मैने यह भी कहा कि मै जहां तक संभव हो , इसी तरीके से अभिवादन करता रहूंगा। महामारी से उबरने के बाद भी। मोदी ने यह भी कहा कि इस समय बुजुर्गो का खास ध्यान रखने की जरूरत है। यह समय बुजुर्गों के साथ बिताना चाहिए। उनके अनुभव और उनकी कहानियां सुननी चाहिए। हमने यह भी बात की कि इस समय शारीरिक के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा।

प्रधानमंत्री को बताया कि पुलिसकर्मियों और डाक्टरों पर पत्थर फेंकने से दुखी हूं: हिमा दास

नई दिल्ली। भारत की स्टार धाविका हिमा दास ने शुक्रवार को पुलिसकर्मियों और डाक्टरों पर हुए हमलों की घटनाओं पर दुख व्यक्त किया जो कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए देशव्यापी लॉक्डाउन के दौरान ड्यूटी पर थे। असम पुलिस में डीएसपी हिमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 40 से ज्यादा खिलाड़ियों की वीडियो कॉल में उन्होंने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक वीडियो साझा की और उसमें कहा, उन्होंने हमें कोरोना वायरस के खिलाफ सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया, विशेषकर स्वास्थ्य विभाग के हमने भी उन्हे बताया कि कि लॉकडाउन के दौरान हम क्या कर रहे थे, हम किस तरह से इसका पालन करके अपने कमरों में रह रहे है।

कोरोना वायरस रोगियों के लिए अस्पताल बन सकता है तोक्यो खेल गांव

तोक्यो। तोक्यो ओलंपिक का निर्माणाधीन खेल गांव का उपयोग कोरोना वायरस के रोगियों के लिए अस्थाई अस्पताल के रूप में किया जा सकता है। तोक्यो के गवर्नर यूरिको कोइके ने तोक्यो बे पर तैयार किए जा रहे इस खेल गांव का उपयोग करने की बात की है। ओलंपिक खेलों के दौरान इसमें 11,000 खिलाड़ी और स्टाफ तथा परालंपिक के दौरान 44000 खिलाड़ी और स्टाफ रहेंगे। इस परिसर का बड़ा हिस्सा बनकर तैयार है लेकिन ओलंपिक के एक साल आगे खिसकने के कारण इसके खाली पड़े रहने की संभावना है। कोइके ने कहा, खेल गांव एक विकल्प है लेकिन यह अभी पूरी तरह से बनकर तैयार नहीं हुआ। हम उन स्थानों की बात कर रहे हैं जो आज या कल उपलब्ध हो सकते हैं। जापान में गुरुवार तक कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 3300 थी जिनमें 74 की मौत हो चुकी है।

कोरोना वायरस के कारण शटलर को ऑनलाइन टिप्स दे रहे हैं गोपीचंद

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के चलते खेल गतिविधियां पूरी तरह से ठप्प होने के कारण भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद देश के चोटी के शटलर को वीडियो के जरिए गुर सिखा रहे हैं। भारत में कोरोना वायरस को रोकने के लिए अभी 21 दिन का लॉकडाउन चल रहा है। इस वायरस से देश में 2000 से अधिक लोग संक्रमित हैं। विश्व भर में ऐसे लोगों की संख्या दस लाख से ऊपर पहुंच गई है। खेल से दूर रहने से खिलाड़ियों की फिटनेस प्रभावित हो सकती है और इसलिए गोपीचंद ने शटलर के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है और वह अपने वाटसएप ग्रुप में खिलाड़ियों को सलाह दे रहे हैं। हम केवल फिटनेस संबंधी अभ्यास ही कर सकते हैं क्योंकि कोई भी कोर्ट तक नहीं जा सकता है। इसलिए हम वह कर रहे हैं जो कर सकते हैं। मैं अपने वाट्सएप ग्रुप में खिलाड़ियों को वीडियो भेजकर बता रहा हूं कि क्या करना है। यह सामान्य कार्यक्रम है लेकिन इसे इस तरह से तैयार किया जाता है ताकि इससे ओलंपिक की तैयारियों में लगे खिलाड़ियों को फायदा पहुंचे। गोपीचंद के अलावा जमशेदपुर में जन्में ट्रेनर डिनाज वरवतवाला भी जूम एप्प के जरिए खिलाड़ियों की फिटनेस कक्षाएं ले रहे हैं। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर पुरुष युगल जोड़ी भी इस ग्रुप की सदस्य है और वे टिप्स पर पूरा अमल कर रहे हैं। चिराग ने कहा, गोपी सर हर दिन वाट्सएप पर हमें दिन का कार्यक्रम भेज देते हैं। इसमें ध्यान लगाने से लेकर दीवार पर अभ्यास करना भी शामिल हैं। वह बताते हैं कि हमें दीवार पर कहां शटल को हिट करना है। हम शाम को ट्रेनर के साथ भी एक घंटा बिताते हैं। सात्विक ने कहा, गोपी सर के कार्यक्रम में दीवार पर अभ्यास, रस्सी कूद, हल्की कसरतें जैसी कई चीजें शामिल होती है। डिनाज एक दिन छोड़कर हमारी कक्षा लेते हैं।

जिंदगी अभी ज्यादा अहम है, आईपीएल इंतजार कर सकता है: रैना

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि इस कोविड-19 महामारी संकट के समय मे जिंदगी ज्यादा अहम है और आईपीएल इंतजार कर सकता है। रैना ने इस खतरनाक वायरस से देश की लड़ाई के लिए 52 लाख रुपए का दान दिया है। देश मे चल रहे 21 दिन के लॉक्डाउन के दौरान वह सोशल मीडिया पर घर मे रहने के महत्व पर जागरूकता फैला रहे है, साथ ही अपनी पत्नी की मदद भी कर रहे है जिन्होंने पिछले हफ्ते दूसरे बेटे रियो को जन्म दिया है। अगर हालात सामान्य होते तो वह आईपीएल मे खेल रहे होते लेकिन अभी वह अपने परिवार के लिए खाना पकाने का लुत्फ उठा रहे है और साथ ही घर के काम मे हाथ बंटा रहे है। भारत के लिए अंतिम बार 2018 मे खेलने वाले रैना से जब आईपीएल के बारे मे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस समय जिंदगी ज्यादा अहम है। रैना ने पीटीआई से कहा, इस समय जिंदगी ज्यादा अहम है। आईपीएल निश्चित रूप से इंतजार कर सकता है। हमें लॉक्डाउन पर सरकारी दिशानिर्देशो का पालन करना होगा, वर्ना हम सभी को परिणाम भुगतने होंगे। जब जिंदगी बेहतर हो जाएगी तो हम आईपीएल के बारे मे सोच सकते है। इतने सारे लोगों की इस समय जान जा रही है, हमे जिंदगियां बचाने की जरूरत है। मै लॉक्डान मे रिलैक्स कर रहा हूं, खाना पका रहा हूं, बच्चों के साथ समय बिता रहा हूं। क्रिकेट के अलावा भी जिंदगी मे इतना कुछ करने को है, इस तरह के क्षण आपको यह महसूस कराते है। इस लॉक्डाउन से लोगों को जमीन से जुड़ने की महत्ता को महसूस करना चाहिए। इस समय आपके घर और कार के आकार और आप क्या पहनते हो, इसकी तुलना मे एक दिन मे तीन वक्त का खाना ज्यादा अहमियत रखता है। मै होस्टल के दिनों से ही खाना पकाता था, मुझे यह अच्छा लगता है। पत्नी ने पिछले हफ्ते बेटे को जन्म दिया है इसलिए घर के काम मे हाथ बंटाकर खुश हूं। रैना का पिछला प्रतिस्पर्धी मैच पिछले साल आईपीएल फाइनल था और वह लॉक्डाउन से पहले चेन्नई मे इस सत्र की तैयारियो मे जुटे थे।

कमिन्स की आईपीएल को लेकर अब भी उम्मीद बरकरार

सिडनी। इंडियन प्रीमयर लीग (आईपीएल) के सबसे महंगे खिलाड़ियो मे से एक आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिन्स ने इस धनाढ्य टी20 लीग के आयोजन को लेकर उम्मीद नही छोड़ी है लेकिन उन्होने स्वीकार किया कि कोविड-19 के कारण लॉक्डाउन से टूर्नामेंट के इस महीने शुरू होने की संभावना कम है। कमिन्स को कोलकाता नाइटराइडर्स ने इस साल के शुरू मे हुई नीलामी मे 15.50 करोड़ रुपए की मोटी धनराशि देकर खरीदा था। वह आईपीएल मे सबसे बड़ी कीमत पर बिकने वाले विदेशी खिलाड़ी बने थे और वह अब भी टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर आशान्वित है। कमिन्स ने कहा, उन्होंने उसे (आईपीएल) को अभी रद्द नही किया है या इस तरह का कोई फैसला नही किया है। उसकी स्थिति अभी जस की तस है। हम लगातार अपनी टीमो के संपर्क मे है। निश्चित तौर पर अब भी हर कोई चाहता है कि इस टूर्नामेंट का आयोजन हो, लेकिन सभी जानते है कि अभी प्राथमिक्ता कोरोना वायरस को फैलने से बचाना है। आईपीएल को अभी 15 अप्रैल तक स्थगित किया गया है। इसी दिन भारत मे तीन सप्ताह का लॉक्डाउन समाप्त होगा। कमिन्स ने हालांकि स्वीकार किया कि इस टूर्नामेंट के अभी शुरू होने की संभावना नही है। मुझे नही लगता कि यह जल्द शुरू हो पाएगा। मेरे कहने का मतलब है कि निश्चित तौर पर हमारी प्राथमिक्ता वहां खेलने की होगी लेकिन इस बीच अच्छी बात यह है कि हमे विश्राम का समय मिला है। आईपीएल पहले 29 मार्च से शुरू होना था लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे 15 अप्रैल तक स्थगित कर दिया गया था। अगर यह 15 अप्रैल के बाद शुरू भी होता है तो मैच खाली स्टेडियम मे खेले जा सक्ते है और यह भी स्पष्ट नही है कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इसमे भाग ले पाएंगे या नही क्योकि यात्रा को लेकर पाबंदियां अब भी है।

न्यूजीलैंड ने अगस्त में टीम के भारत दौरे का विकल्प खुला रखा

आक्लैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कोविड-19 महामारी के बावजूद अपनी ए टीम के अगस्त मे भारत दौरे का विकल्प खुला रखा और कहा कि इस पर फैसला करना अभी जल्दबाजी होगा। न्यूजीलैंड ने हालांकि स्वीकार किया कि उनकी टीम का जून और जुलाई मे नीदरलैंड, स्कॉटलैंड, आयरलैंड और वेस्टइंडीज का दौरा संदिग्ध लग रहा है हालांकि उसने यह भी कहा कि अभी इनको लेकर पूरी तरह से इन्कार नही किया जा सकता है। एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने महिला टीम के श्रीलंका दौरे के स्थगित होने की पुष्टि की। यह दौरा इस महीने के आखिर मे शुरू होना था। व्हाइट ने कहा, खेल से जुड़े हर व्यक्ति के लिए यह स्थिति बेहद निराशाजनक है लेकिन व्यापक रूप से सोचें और विश्व भर मे कोविड-19 से बनी भयावह स्थिति को देखे तो अभी हमें न केवल अपने लोगों बल्कि विश्व समुदाय की परवाह करने की जरूरत है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि न्यूजीलैंड टीम के अगस्त मे बांग्लादेश दौरे पर भी संदेह के बादल मंडरा रहे है।

दिल्ली, नोएडा व गाजियाबाद में सीएनजी, पीएनजी कीमतों में सात प्रतिशत तक कटौती

नई दिल्ली। वाहनो मे इस्तेमाल होने वाली सीएनजी और पाइप के जरिए घरो की रसोई तक पहुंचने वाली गैस (पीएनजी) के दाम मे शुक्रवार को सात प्रतिशत तक की कटौती की गई। प्राकृतिक गैस के दाम घटने के बाद सीएनजी और पीएनजी कीमतो मे यह कटौती की गई है। राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के इलाको मे सीएनजी की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने कहा है कि दिल्ली मे सीएनजी का दाम 3.20 रुपए घटाकर 42 रुपए किलो कर दिया गया है। इसके साथ ही दिल्ली से लगते नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद मे इसके दाम मे 3.60 रुपए की कटौती की गई है। इन इलाको मे सीएनजी का दाम 47.75 रुपए किलो रह जाएगा। इससे पहले यह दाम 51.35 रुपए प्रति पर था। ताजा कटौती सात प्रतिशत की है। इंद्रप्रस्थ गैस ने वक्तव्य मे यह भी घोषणा की गई है कि दिल्ली मे घरेलू पाइप गैस (पीएनजी) का दाम 1.55 रुपए घटकर 28.55 रुपए प्रति घनमीटर रह गया है। इसी प्रकार नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद मे रसोई की पाइप वाली गैस का दाम 1.65 रुपए घटकर 28.45 रुपए प्रति घनमीटर रह गया है।

एफसीआई ने पाबंदियों के बीच रेलवे के जरिए 13.36 लाख टन राशन के अनाज भेजा : सरकार

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने आवागमन पर पाबंदियो के बीच पीडीस वितरण के लिए 13.36 लाख टन खाद्यान्न पहुंचाने को रेलवे के 477 रैक का इस्तेमाल किया। खाद्य मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा है कि वह यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि पीडीएस से राशन पाने के हकदार 81 करोड़ लोगों मे से कोई राशन के बिना भूखा न रहे। मंत्रालय ने एक बयान मे कहा कि शुक्रवार को कुल 69 रैक मे अनाज की लदाई हो रही थी। इनमे कुल 1.93 लाख टन खाद्यान्न चढ़ाया जा सकता है। सरकारी स्वामित्व वाले ऍफ़सीआई ने पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा से खाद्यान्न को अन्य राज्यो मे पहुँचाया है। इन राज्यो से लगभग 7.76 लाख टन चावल और 5.60 लाख टन गेहूं, कुल 13.36 लाख टन अनाज, रेल रैक के माध्यम से ले जाया गया है। मौजूदा लॉक्डाउन की अवधि के दौरान, मंत्रालय ने कहा कि एफसीआई पूरे देश मे गेहूं और चावल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। यह एजेंसी देश भर मे गेहूं और चावल की आपूर्ति की गति को बढ़ाकर खाद्यान्नों की बढ़ती मांग को पूरा करने, ज्यादातर रेल द्वारा करने मे सक्षम है। एफसीआई देश मे खाद्यान्नों की खरीद और वितरण मे शामिल मुख्य एजेंसी है। यह किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने के लिए गेहूं और चावल की खरीद करता है। यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत 81 करोड़ से अधिक राशन कार्ड धारकों को रियायती दरों पर समान खाद्यान्न वितरित करता है। मंत्रालय ने कहा कि एफसीआई राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत न केवल खाद्यान्न की

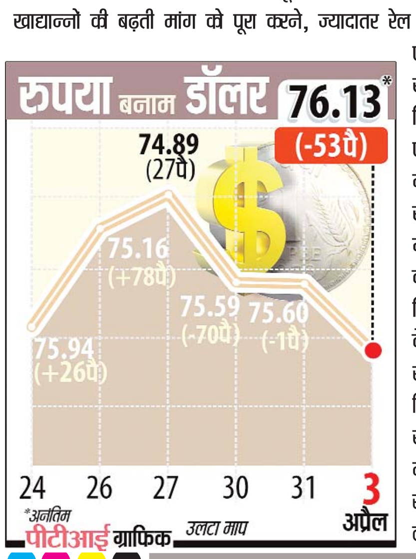

वायरस का डर : सेंसेक्स 674 अंक टूटा

● निफ्टी 8,100 अंक से नीचे

भाषा। मुंबई

कोविड-19 के मामलों में लगातार बढ़ोतरी के बीच बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली से शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 674 अंक टूट गया। इस महामारी के आर्थिक प्रभाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे निवेशक घबराए हुए हैं। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की निकासी और रुपए में कमजोरी से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। शुक्रवार को कारोबार के दौरान रुपया टूटकर 76 प्रति डॉलर से भी नीचे चला गया था। बीएसई का 30 शेयरों का सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान एक समय 27,500.79 अंक के निचले स्तर तक आया। अंत में यह 674.36 अंक या 2.39 प्रतिशत के नुकसान से 27,590.95 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 170 अंक या 2.06 प्रतिशत टूटकर 8,083.80 अंक पर आ गया। छुट्टियों वाले कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में सेंसेक्स 2,224.64 अंक या 7.46 प्रतिशत टूटा है। वहीं निफ्टी में 576.45 अंक या 6.65 प्रतिशत की गिरावट आई है। मूडीज इन्वेस्टर सर्विस ने कोरोना वायरस संकट की वजह से भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के परिदृश्य को बदलकर नकारात्मक कर दिया है। इससे बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली का सिलसिला चला। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक का शेयर सबसे अधिक 9.16 प्रतिशत टूटा।इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एसबीआई, मारुति, एचडीएफसी और एशियन पेंट्स के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर सनफार्मा, आईटीसी, ओएनजीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे। कारोबारियों ने कहा कि रोज कोरोना वायरस के नए मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में निवेशक आर्थिक मंदी की आशंका को लेकर घबराए हुए हैं।

निवशकों की 4.82 लाख करोड की पूंजी डूबी

नई दिल्ली। देश दुनिया मे कोविड-19 के मामलो मे लगातार वृद्धि से निवेशको की बढ़ती चिंता के बीच बिकवाली के सिलसिले से दो कारोबारी सत्रो मे निवेशको की 4,82,033.63 करोड़ रुपए की पूंजी डूब गई। बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 674.36 अंक या 2.39 प्रतिशत टूटकर 27,590.95 अंक पर आ गया। बाजार मे चली जोरदार बिकवाली से दो दिन मे बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियो का बाजार पूंजीकरण 4,82,033.63 करोड़ रुपए घटकर1,08,66,722.96 करोड़ रुपए रह गया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, देश मे कोरोना वायरस के मामले बढ़ने से सेंसेक्स और निफ्टी मे लगातार गिरावट आ रही है। मूडीज ने भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के परिदृश्य को बदलकर नकारात्मक कर दिया है। इससे भी निवेशको की धारणा प्रभावित हुई। सेंसेक्स मे शामिल बैंक शेयरो मे एक्सिस बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 9.16 प्रतिशत गिरा है। इसके बाद इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटल, स्टेट बैंक मारुति और एचडीएफसी के शेयरो

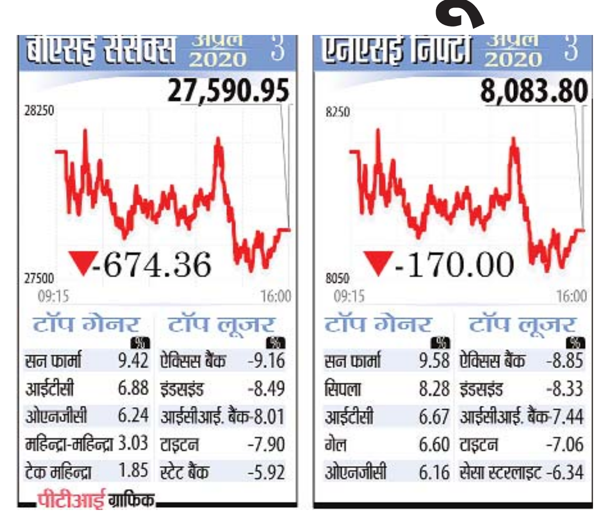

ओपेक, सहयोगियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक 6 अप्रैल को

वियना। कच्चे तेल के प्रमुख उत्पादक व निर्यातक देशो के मंच ओपेक और रूस की अगुवाई वाले अन्य प्रमुख खनिज तेल उत्पादक देशो के समूह की बैठक सोमवार यानी छह अप्रैल को होगी। इस बैठक को बुलाने का मकसद कच्चे तेल की कीमतो मे सुधार लाना है। उल्लेखनीय है कि इस साल की शुरुआत से कच्चे तेल के दाम दो-तिहाई यानी 66 प्रतिशत से अधिक टूट चुके है।

सीतारमण ने एक लाख का योगदान किया

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कोविड- 19 को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासो मे मदद के लिए पीएम केयर्स फंड मे अपने वेतन से एक लाख रुपए का योगदान किया। सीतारमण ने अपनी बैंक शाखा को निर्देश दिया, मै पीएम - केयर्स मे एक लाख रुपए का दान देना चाहती हूं।

कोरोना वायरस के डर से शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 48 पैसे टूटा

मुंबई। कोरोना वायरस महामारी को लेकर बढ़ती आशंकाओं के बीच भारतीय रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 48 पैसे टूटकर 76.08 रुपए के स्तर पर पहुंच गया। मुद्रा बाजार में कारोबारियो ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण आर्थिक मंदी की बढ़ती आशंकाओ के चलते रुपए में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 75.97 के स्तर पर खुला और फिर पिछले बंद भाव के मुकाबले 48 पैसे की गिरावट दर्ज करते हुए 76.08 पर आ गया। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 75.60 पर बंद हुआ था। भारत में मुद्रा बाजार एक अप्रैल को बैंकों की वार्षिक क्लोजिंग और दो अप्रैल को रामनवमी के कारण बंद थे। रिलायंस सिक्योरिटीज ने कहा है कि भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण निवेशकों की भावनाएं प्रभावित हो सकती है और वे सुरक्षित डॉलर की खरीदारी जारी रख सकते है।

एडीबी का भारत की वृद्धि दर चार प्रतिशत रहने का अनुमान

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण दुनियाभर में पैदा हुए स्वास्थ्य आपात के बीच, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अनुमान जताया है कि वित्त वर्ष 2021 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर चार फीसदी रह सकती है। साथ ही इस बहुपक्षीय संस्था ने अपने प्रमुख प्रकाशन- एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में कहा कि व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत होने से भारत अगले वित्त वर्ष में जोरदार वापसी करेगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) का अनुमान है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2019-20 में पांच प्रतिशत रहेगी। बाजार में पिछले साल आई सुस्ती के बाद से ही भारत की विकास दर धीमी होती रही है।वित्त वर्ष 2019 में यह 6.1 प्रतिशत से गिरकर पांच प्रतिशत रह गई थी।

फिच ने भारत के वृद्धि अनुमान को 30 साल के निचले स्तर दो प्रतिशत तक घटाया

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को कहा कि उसके भारत के वृद्धि अनुमानों को घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है। यह 30 साल का न्यूनतम स्तर होगा। पहले उसने अनुमान घटाकर 5.1 प्रतिशत किया था। फिच रेटिंग्स ने एक बयान मे कहा, फिच को इस साल वैश्विक मंदी की आशंका है और मार्च 2021 मे खत्म हो रहे वित्त वर्ष मे भारत की वृद्धि दर के अनुमानों को घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। इससे पहले फिच ने भारत के वृद्धि अनुमानों को घटाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया था, जिसे अब और घटा दिया गया है। राष्ट्रीय लोक वित्त संस्थान संस्थान के प्राध्यापक एन आर भानुमूर्ति ने कहा कि मौजूदा बंद से भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति और खराब होगी।

कलेक्टर ने तत्काल आदेश जारी कर राहत शाखा को सौंपा प्रभार, निगम से छिना

राहत बनी जिला प्रशासन की आफत, नज़रअंदाज किए जाने की खीझ में आयुक्त से उलझीं महापौर, पार्षदों ने भी किया हंगामा

राशन किट, भोजन पैकेट बांटने को लेकर राजनीति कर रहे निगम के जनप्रतिनिधि

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

राहत सामग्री का वितरण राजनीतिक शख्सियतों के लिए वर्चस्व की जंग बन गया है। राजनेता इस जरुरी और मानवीय पहल में भी राजनीतिक रंग घोल कर रोज़ नए विवाद खड़े कर रहे हैं। राहत सामग्री वितरण के मामले में जिला प्रशासन एहतियात बरत रहा है और इसी एहतियात से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को दिक्कतें पेश आ रहीं हैं। ये जनप्रतिनिधि स्व्यं कोई खास सहयोग करते नहीं दिखाई देते लेकिन इनके चलते प्रशासन को राहत कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी ही स्थितियों के चलते कलेक्टर ने आज शहर में चल रहे राहत कार्य के लिए राहत शाखा को जिम्मेदारी सौंप दी। अब तक यह जिम्मेदारी निगम प्रशासन निभा रहा था।

शुक्रवार की सुबह आयुक्त चंद्रकांत कौशिक और महापौर हेमा देशमुख के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। इस दौरान आयुक्त ने तो पूर्व निगम अध्यतक्ष शिव वर्मा के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई किए जाने की बात तक कह डाली। बेसहारा और जरुरतमंदों तक पहुंचाए जाने वाले राशन को लेकर यह स्थिति निर्मित हुई। दरअसल, प्रशासन ने स्वगयं सर्वे कर ऐसे लोगों की सूची तैयार की है जिन्हें मदद की जरुरत है। इसके इतर पार्षदों और जनप्रतिनिधियों की अपनी अलग सूची तैयार है। प्रशासन अपने सर्वे के आधार पर ही राहत सामग्री बांट रही है। यह मुद्दा ही है जो शहर के जनप्रतिनिधियों का खटक रहा है।

शहर के 51 वार्ड में 16 सौ से ज्यारदा लोगों को प्रशासन ने चिन्हित किया है जिन्हें सूखा राशन पहुंचाया गया है। यह सामग्री सेवाभावी संस्थाकओं, सामाजिक समितियों ने प्रशासन को उपलब्ध करवाए हैं। यह राहत सामग्री उनके लिए नहीं हैं जिनके पास राशन कार्ड, उज्जवला गैस योजना या अन्य किसी शासकीय योजना का लाभा मिल रहा है। ऐसे लोगों, परिवारों को इस योजना से दूर रखा गया है। दूसरे प्रांतों से आए मजदूर, बेघर, बेसहारा लोगों के लिए ही यह राहत सामग्री दी जा रही है।

इसके इतर जनप्रतिनिधियों की अपनी ही सूची है जिसके तहत वे राहत सामग्री बांटने पर जोर दे रहे हैं। उन्हेंप इसका भी अफसोस है कि प्रशासन अपने ही अमले के साथ इस काम को अंजाम दे रहा है और जनप्रतिनिधियों को इससे दूर रखा गया है। कहीं न कहीं इसे लेकर भी इनमें खीझ देखी जा रही है। लेकिन प्रशासन अब भी राहत कार्यों को लेकर अमले के अलावा किसी और का सहयोग लेने से बच रहा है। कलेक्टर की इस पहल को आसानी से समझा भी जा सकता है।

दूसरी बड़ी समस्याए इन जनप्रतिनिधियों का वोट बैंक है। प्रशासन को कहीं न कहीं यह शंका भी थी कि आपदा के दौरान जरुरतमंदों की जगह राहत सामग्री दूसरों को न बांट दी जाए। कलेक्टर यह भी बखूबी समझ रहे हैं कि आपदा के खत्मा होने के बाद उनसे शहर का एक बड़ा धड़ा हिसाब मांगेगा। इसे लेकर भी वह अभी से तैयारियों में लगे हैं। सभी मुद्दों को लेकर सख्ती बरती गई और स्था नीय जनप्रतिनिधियों को राहत कार्य से दूर रखा गया। यह बात जनप्रतिनिधि पचा नहीं पा रहे हैं।

अपने स्त्रर पर लोगों को राहत पहुंचाने जैसे विषयों से दूर महापौर महज निरीक्षण करती ही नज़र आती हैं। निगम के एमआईसी मेंबर भी नदारद हैं। 10 दिनों के लॉक डाऊन के बीच में निगम अध्यक्ष पप्पू धकेता भी कहीं नज़र नहीं आए। निगम के जनप्रतिनिधियों की भूमिका इस आपदा के दौरान काफी निष्क्रिय नज़र आती है। चुनाव के दौरान एड़ी चोटी का जोर लगाने वाले यह नेता अब घरों में दुबके नज़र आ रहे हैं।

निरीक्षण तक सिमटी महापौर, एमआईसी मेंबर गायब

राहत कार्यों को लेकर जिला प्रशासन मुस्तैद है। रोज़ाना इसे लेकर कई आदेश जारी हो रहे हैं। कलेक्टर जय प्रकाश मौर्य शहर के सभी वर्गों से अपील करते दिखाई देते हैं। लेकिन महापौर हैं कि इस प्रशासनिक पहल में जनप्रतिनिधियों की भूमिका न होने को लेकर अपनी भड़ास निकालती ही दिख रहीं हैं। बताया जाता है कि कुछ दिनों पहले भी उन्हों ने जिले के विधायकों को जुटाकर जिला प्रशासन को घेरने की कोशिश की थी लेकिन कलेक्टोर के सख्तह तेवर के चलते ऐसा हो न सका। राहत कार्यों में पूछ-परख न होने को लेकर महापौर तिकड़म लगाती दिखाई देती हैं।

राजनांदगांव। नगर निगम क्षेत्र में एक हजार 690 जरूरत मंद व्यक्ति यों को राहत के तौर पर राशन किट बांटने चिन्हांकित किया गया है। इन व्यक्ति यों को आज 15 दिन के लिए भोजन किट वितरित कर दी गई। किट में चावल, आटा, दाल, तेल, नमक, मिर्च-मसाला शामिल हैं। चिन्हित व्यक्ति यों को राशन किट बांटने के लिए 12 दल तैनात किए गए हैं। कलेक्टर जय प्रकाश मौर्य ने आज राजनांदगांव नगर निगम के लखौली और रेवाडीह में राशन किट वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने अनेक व्यक्ति यों को खुद भी किट प्रदान की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ओंकार यदु भी उपस्थित थे।

फूंक-फूंक कर कदम रख रहे कलेक्टर

राहत कार्यों से राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों-नेताओं को दूर रखने का फैसला लेकर कलेक्टर ने सारी कमान प्रशासन के हाथ में ही रखी। यह तय था कि किसी भी एक राजनीतिक दल के इस काम में शामिल होने से विवाद खड़े होते। ऐसे में आपदा के दौरान राजनीतिक बखेड़े से बचने के लिए कलेक्टहर ने यह फैसला लिया। हालांकि वे शुरु से कहते रहे हैं कि प्रशासन अपने स्तकर पर मदद उपलब्ध कराएगा। अगर राजनीतिक दल या नेता-कार्यकर्ता चाहें तो स्व यं ऐसा कर सकते हैं।

क्यों वापस ली गई निगम से जिम्मेदारी

शुक्रवार को म्यून्सिपल ग्राऊंड स्थित गांधी सभागृह में महापौर, अन्य पार्षदों के साथ धमक पड़ी। जरुरतमंदों के लिए राहत सामग्री यहीं से रवाना की जा रही थी। इस बीच आयुक्त और महापौर, पार्षदों के बीच इस बात को ले के तकरार शुरू हो गई कि खाने का पैकेट बांटने के दौरान उन्हें इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई और पार्षदों से लिस्ट ना मंगाकर स्वयं प्रशासन से सर्वे कराया और लिस्टी में पार्षदों की चलने नही दी। इस बीच आयुक्त ने कहा कि मुझे जो आदेश मिला है। उसी का मैं पालन कर रहा हूं। आप राहत कार्य में बाधा मत डालो। हमें अपना काम करने दे। इस दौरान आयुक्त ने कहा कि शिव वर्मा के खिलाफ 151 के तहत कार्रवाई की जाए। गांधी सभा गृह में जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप से राहत कार्य में बाधा पहुंच रही है। एक ओर शासन लोगों की मदद की अपील कर रही है। तो राजनांदगांव जिले का नजारा कुछ ओर ही है।

एक लाख 80 हजार 800 से अधिक बच्चों को 40 दिन के लिए चावल-दाल का वितरण शुरू

मध्यान्ह भोजन योजना

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के प्रायमरी एवं मिडिल स्कूल के कुल एक लाख 80 हजार 808 बच्चों को मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत 40 दिन के लिए चावल और दाल वितरण का कार्य आज से शुरू हो गया। इनमें एक लाख 10 हजार 59 बच्चे प्रायमरी तथा 70 हजार 749 बच्चे मिडिल स्कूल के शामिल हैं। शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर चावल और दाल का वितरण किया जा रहा है।

जिला शिक्षा अधिकारी एचआर सोम ने आज यहां बताया कि कलेक्टर श्री जय प्रकाश मौर्य के मार्गदर्शन में जिले के बच्चों को राशन का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रायमरी स्कूल के प्रत्येक बच्चे को 40 दिन के लिए चार किलो चावल और आठ सौ ग्राम दाल तथा मिडिल स्कूल के प्रत्येक बच्चे को 40 दिन के लिए 6 किलो चावल एवं एक किलो 200 ग्राम दाल दिया जा रहा है।

सोम ने बताया कि शिक्षक घर-घर जाकर राशन देने के साथ ही बच्चों और पालकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए समझाईश दे रहे हैं। बच्चों और पालकों को मास्क लगाने, बार-बार हाथ धोने, सेनेटाइजर का उपयोग करने, भीड़-भाड़ वाली जगह में न जाने सोशल डिस्टेंस बनाये रखने तथा सर्दी, खांसी, बुखार होने पर तुरंत डॉक्टरों के पास जाने की सलाह देकर जागरूक किया जा रहा है।

राजनंदगांव। जिला कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने कोरोना वायरस सं मित मरीज मिले वार्ड भरका पारा में निरीक्षण हेतु निकले और वहां के निवासियों को लाक डाउन का पालन करने की समझाइश दी। भरका पारा वार्ड निरीक्षण के दौरान कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के साथ एसडीएम मुकेश रावटे एवं निगम आयुक्त चंद्रकांत कौशिक भी उपस्थित थे।

शहर के विभिन्न स्थलों को किया गया सेनेटाईज

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

राजनांदगांव। नोवेल कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण के बचाव के लिए राजनांदगांव शहर के विभिन्न स्थलों को लगातार सेनीटाइज करने का कार्य किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्तचन्द्रकांत कौशिक ने बताया कि आज हमाल पारा, मानव मंदिर चौक, जुनी हटरी, फ्रुट मार्केट, नोहर पान सेंटर, सिनेमा लाइन, आजाद चौक, भारत माता चौक, तिरंगा चौक, मामा भांजा मजार, पुराना गंज लाईन, लखोली नाका चौक से पुन-पुराना गंज चौक के दोनों तरफ , पुराना गंज चौक, बालोद रोड बस स्टैंड, व्यवसायिक परिसर, उदयाचल हाट बाजार, नंदई चौक, मोहारा ओवरब्रिज बाईपास रोड के नीचे को सेनीटाइज किया गया।

रामनवमी पर अभाविप का उत्कृष्ट आयोजन

कोरोना व रामनवमी विषयक रंगोली सोशल मीडिया में पोस्ट

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

नगर में आखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा रामनवमी के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। उक्त प्रतियोगिता में रामनवमी, पारम्परिक, प्राकृतिक सहित कोरोना विषयक रंगोली शामिल किए गए थे। प्रतियोगिता सोशल मीडिया के माध्यम से आयोजित हुई।

उक्त प्रतियोगिता अन्तर्गत प्रतिभागियों ने अपने अपने घरों में रंगोली बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से आयोजन समिति को भेजा। आयोजक अभाविप द्वारा प्रतिभगियों के लिए उत्साहवर्धन के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान तक पुरुस्कार निर्धारित किया गया था।आयोजन समिति में नवनीत अहीर, लक्ष्मीनारायण सेन, गौरव यदु, दिग्विजय मिश्रा, मंजू सोनकर, आशीष कामड़े, दानेश्वर साहू, सौरभ ठाकुर, पुष्पेंद्र हिरवानी आदि शामिल थे।

विद्यार्थियों के रंगोली पुरुस्कृत

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम रूपेश कुमार डोंगरगांव, द्वितीय संयुक्त रूप से राजेश्वरी देशमुख व पारुल जैन डोंगरगांव एवं तृतीय कल्पना दुबे रही! प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शेष प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरुस्कार प्रदान किया गया।

नहीं मान रही पुलिस, 12 बजे तक ही खुल रही मेडिकल

संचालकों-कामगारों को बीच रास्ते से लौटाया जा रहा

पुलिस जवानों द्वारा अभद्रता किए जाने की भी शिकायतें

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

पुलिस अब भी नहीं मान रही है। पुलिस कप्तान के आदेशों का हवाला देते जवान शासन-प्रशासन के आदेशों के तहत मिली छूट को भी निषेध करार देते हुए कार्रवाई के डंडे चला रहे हैं। आवश्यक सेवाओं में लगे संचालक और कामगारों को पुलिस जवानों की अभद्रता तक का सामना करना पड़ रहा है। एक मेडिकल संचालक ने बताया कि आज उसे बीच रास्ते से ही लौटा दिया गया। समझाने पर पुलिसकर्मी द्वारा अभद्रता किए जाने की शिकायत भी उसने की। धारा 144 के तहत मिली छूट का पुलिस पर काफी असर देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर कुछ पुलिस अधिकारी गाना गा रहे हैं तो दूसरी ओर इसी विभाग के लोग नाजायज़ सख्ती से पेश आ रहे हैं।

पुलिस की सख्ती से अब हालात बिगड़ने की आशंका नज़र आ रही है। ड्रग एवं केमिस्टस एसोसिएशन के बीच चर्चा है कि अब मेडिकल दुकाने भी सिर्फ 12 बजे तक ही खुल रहीं हैं। वहीं जब इन दुकानों के कामगार 12 बजे के बाद अपने घर को निकलते हैं तो पुलिस जवान उन्हें घेर लेते हैं। एसडीएम की अनुमति को भी पुलिस नहीं मान रही है। मेडिकल सहित कई अन्य जरुरी मसलों पर पुलिस की यह सख्ती अब खटकने लगी है।

ड्रग एवं केमिस्टत एसोसिएशन इस मसले को लेकर स्वाकस्य्य मंत्री टीएस सिंहदेव और कलेक्टर से शिकायत की तैयारी कर रही है। मेडिकल संचालकों का कहना है कि अगर 12 बजे के बाद कोई इमरजेंसी आ पड़ती है और मेडिकलें बंद हैं तो इसके चलते घटी घटना, दुर्घटना को जिम्मेदार कौन होगा.. प्रशासन को यह भी तय करना चाहिए। उन्होंने बताया कि मेडिकल ऐसी सेवा है जिसे 24 घंटे खुला रखने की अनुमति है और यह जरुरी भी है।

90 प्रतिशत सप्लाई ठप्प

मेडिकल एजेंसी के संचालकों ने बताया कि प्रदेश में जल्दत ही दवाईयों का बड़ा शॉर्टेज सामने आ सकता है। उनहोंने बताया कि दवाईयों की सप्लाई चैन बुरी तरह प्रभावित हुई है। लगभग 90 प्रतिशत सप्लाई ठप्प है। बड़ी दवाई कंपनियों के डिपो दूसरे राज्यों में हैं जहां से स्टॉक पहुंच ही नहीं पा रहा। रायपुर में महज कुछ ही कंपनियों के डिपो हैं लेकिन वहां से भी दवाईयों की सप्लाई में दिक्कतें आ रहीं हैं। जो दवाईयां आ भी रहीं हैं उनमें गंभीर बीमारियों के लिए ली जाने वाली दवाईयों की तादात काफी कम है।

कालाबाजारी बिल्कुल बर्दास्त नही की जाएगी : शैलेश

पायनियर संवाददाता ➤ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

देश एक तरफ जहां इस विपदा से गुजर रहा है,वही छत्तीसगढ़ भी इससे अब पिछड़ा नही रहा है,कुछ दिनों पूर्व प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आम जनता के नाम अपने संदेश में कहा था कि इस विपदा से बचाव और फैलाव को रोकने के लिए 21 दिन के लाक डाउन के दौरान राज्य में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं,साथ ही कलेक्टरों को कालाबाजारी पर कड़ाई से रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे,

मिली जानकारी के मुताबिक नगर निगम ने शहर में कुछ दुकानदारों को शासन द्वारा निर्धारित से माल बेचने व होम डिलीवरी के लिए तय किया था,पर नगर विधायक शैलेश पांडेय व नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडेय को शासन द्वारा निर्धारित दर से ज्यादा में सरकंडा सीपत रोड विजयापुरम के पास स्थित महालक्ष्मी प्रोविजन व मेडिकल द्वारा तय दर से ज्यादा रेट पर माल बेचने की शिकायत मिली थी,मालूम हो कि इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया भी था, वही आज इस खबर का असर भी देखने को मिला आज तहसीलदार तुलाराम भारद्वाज,फूड इंस्पेक्टर,व निगम की संयुक्त टीम ने शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक पर बिक्री करने पर महालक्ष्मी प्रोविजन मेडिकल व किराना स्टोर को सील कर दिया है,

मिली जानकारी के मुताबिक महालक्ष्मी प्रोविजन द्वारा बिक्री किये गए माल व होम डिलवरी के दौरान मिले एक बिल के आधार पर कुछ सामानों के मूल्य तो आसमान छू रहे है,प्याज का रेट जहां 30 रुपये तय किया गया है,बिल में 55 रुपये किलो तक जोड़कर घर मे सामान भेजवाया जा रहा है,तो वही रिफाइन तेल जो 115 रुपये तय है उसका मूल्य 125 तक जोड़ा जा रहा है,इसके साथ ही राहर दाल की कीमत 125 रुपये तक ली जा रही थी,बहरहाल दुकान को आज सील कर दिया गया है

कालाबजारी बिल्कुल बर्दास्त नही की जाएगी - शैलेश

वही इस विपदा पे दिन रात एक कर गरीब मजदूरों को खाना व राशन पहचाने वाले नगर विधायक शैलेश पांडेय ने कहा कि कालाबाजारी बिल्कुल बर्दास्त नही की जाएगी,सभी दुकानदार आम जनता के साथ सहानुभूति व न्याय के साथ कार्य करे,सरकंडा स्थित महालक्ष्मी प्रोविजन,किराना व मेंडिकल की शिकायत मिली थी जिसको आज संयुक्त टीम ने सील कर दिया है,आगे भी शिकायत मिलेगी तो तत्काल कार्यवाही होगी,साथ ही जिन भी दुकानदारों का नाम निगम की लिस्ट में है उन्हें अपनी दुकान में सम्पूर्ण सामान भी उपलब्ध रखे ताकि आम जनता को दिक्क़त न हो,,

सेवा भाव से कार्य करे मेवा की लालसा न करे - महेश

प्रदेश कांग्रेस के सचिव महेश दुबे ने कहा कि संकट के समय मे जरूरत सेवा की है इसके बदले व्यापारी मेवा न खाये,कालाबजारी करने वाला दुकानदार चाहे जो भी हो उसपर कार्यवाही होनी ही चाहिए,साथ ही दुकानदार जिनके पास रोजमर्रा के सामान नही मिलने की शिकायत मिल रही है उन्हें निगम द्वारा तत्काल लिस्ट से हटा देना चाहिए या तो उन्हें कड़ी चेतावनी दी जाए कि उनके पास सम्पूर्ण सामान का स्टॉक उपलब्ध रहे।

अधिक दर में बेचा जा रहा था खाद्य सामग्री , कमिश्नर के निर्देश पर ,खाद्य विभाग ने दुकान किया सील

दैनिक उपयोग की सामानों को निर्धारित दर से अधिक रेट पर बेचना किराना व्यावसायी को उस समय महंगा पड़ गया जब इसकी सूचना नगर निगम कमिश्नर प्रभाकर पाण्डेय को मिली. कमिश्नर प्रभाकर पाण्डेय के निर्देश पर नगर निगम, खाद्य विभाग और तहसीलदार द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए सीपत रोड स्थित महालक्ष्मी प्रोविजन स्टोर को सील कर दिया गया है। 'कोरोना' वायरस के मद्देनजर किए गए लॉकडाउन में आमजन को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा ना हों इसके लिए आवश्यक सामग्रियों की दुकानों को समय-सीमा के भीतर खोलने की इजाजत दी गई है और कालाबाजारी को रोकने के लिए शासन द्वारा सामनों के बेचें जाने का दर भी निर्धारित किया गया है। लेकिन कुछ दुकानदार संकट की इस घड़ी में फायदा उठाने के लिए उपभोक्त ाओं का शोषण कर रहें हैं। आज ऐसे ही सीपत रोड स्थित अशोक नगर चौक के पास महालक्ष्मी प्रोविजन स्टोर के बारे में निगम कमिश्नर प्रभाकर पाण्डेय को सूचना मिली, कि संबंधित दुकानदार निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर सामान बेच रहा है. राहल दाल जिसकी कीमत 100 रूपये है उसे 125 में,प्याज जिसका दर 26 रूपये निर्धारित है उसे 55 रूपये,115 रूपये में बेचे जाने वाले रिफाइनर तेल को 125 रूपये में। जिस पर कमिश्नर श्री पाण्डेय के निर्देश पर नगर निगम, खाद्य विभाग और तहसीलदार ने दुकान में दबिश दी, शिकायत सही पाए जाने पर दुकान को सील कर दिया गया है। विदित हो, कि शासन द्वारा निर्देश के तहत कालाबाजारी को रोकने के लिए ननि, खाद्य विभाग और तहसीलदार की टीम संयुक्त रूप से सतत निगरानी में जुटी हुई है।

नोवल कोरोना वायरस

1450 लोगों को राशन सामग्री, 2482 व्यक्तियों को खिलाया गया भोजन

कोई भूखा न रहें, नगर निगम व जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद, स्वयंसेवी संस्थाएं निरंतर दे रही अपना योगदान

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना वायरस से बचाव व नियंत्रण हेतु लागू किए गए लाकडाउन के दौरान केाई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखा न रहे, उसे भोजन व खाद्य सामग्री उपलब्ध हों, इस दिशा में नगर निगम प्रशासन व जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ डटा हुआ है, लाकडाउन के दौरान आज 1450 लोगों को राशन सामग्री वितरित की गई, वहीं 2482 व्यक्तियों को बना हुआ भोजन खिलाया गया। सुखद पहलू यह है कि शहर की स्वयंसेवी संस्थाएं व संगठन इस कार्य में निरंतर अपना योगदान दे रहे हैं।

नोवल कोरोना वायरस के खिलाफ लडी जा रही इस लड़ाई में महापौर राजकिशोर प्रसाद, कलेक्टर श्रीमती किरण कौशल एवं आयुक्त श्री राहुल देव के निरंतर मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम कोरबा, जिला व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों के निर्वहन में जुटा हुआ है।

प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा सबसे महत्वपूर्ण यह कि लाकडाउन के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, उसे भोजन उपलब्ध हो, खाने-पीने की चिंता न सताये, इस दिशा में जिला प्रशासन, निगम प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है, वहीं नगर की स्वयंसेवी संस्थाएं पूरी संवेदनशीलता के साथ अपना सहयोग दे रही हैं। लाकडाउन के दौरान ऐसे व्यक्ति या परिवार जिनके पास न तो राशन कार्ड है और न घर में राशन है, साथ में राशन के लिए पैसे भी नहीं है, ऐसे जरूरतमंद 1450 लोगों को आज राशन सामग्री प्रदान की गई, वहीं स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से भिक्षुक, बेसहारा व असहाय आदि 2482 व्यक्तियों को बना हुआ भोजन उपलब्ध कराया गया। स्वयंसेवी संस्थाओं में अग्रवाल समाज, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, गायत्री प्रज्ञापीठ, जैन समाज, छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसायटी, आर्ट आफ लिविंग, संकल्प महिला मण्डल, नारी शक्ति समिति कोरबा, बंगाली कल्चरल एसोसिएशन काली मंदिर बालको, रविडेयरी निहारिका, अनंत इंगेजिन वेलफेयर सोसायटी केारबा द्वारा बने हुए भोजन का पैकेट उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही निगम द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग पर लगातार मुनादी कराई जा रही है तथा लोगों से अपील की जा रही है कि वे लाकडाउन के दौरान घरों से न निकले, घर पर ही सुरक्षित रहें।

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं, लगा अर्थदण्ड- निगम के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत बुधवारी बाजार में अव्यवस्था फैलाने व व्यवसाय के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न किए जाने पर साग-सब्जी व्यापारियों के ऊपर अर्थदण्ड आरोपित किया गया तथा उन्हें कड़ी हिदायत दी गई कि वे सोशल डिस्टेंसिंग का अनिवार्य रूप से पालन करवाएं अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

ट्रक की चपेट में आए पिता-पुत्र, बेटे की मौत

रायगढ़. लॉक डाउन के बीच कल एक गंभीर सड़क दुर्घटना की खबर आई। इसमें बाइक सवार पिता और पुत्र को कोयले से भरी ट्रक ने रौंद दिया। इस ह्रदय विदारक घटना में पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रायगढ़ जिले के खरसिया खरसिया क्षेत्र से रॉबर्टसन की है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार रॉबर्टसन सेन्द्री पाली के मांड नदी पुल के पास कोयले से भरी ट्रक ने गांव जाते हुए पिता पुत्र को टक्कर मार दी। इससे पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि डम्पर कोयले से लदी थी। फिलहाल पुलिस ने डम्पर को जब्त कर लिया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि मृतक बगडेवा गांव का रहने वाला था और अपने पिता के साथ दूसरे गांव जा रहा था। तभी एक डंपर आई और मृतक गोकुल सिदार और उसके पिता साधराम को टक्कर मरते निकल गई। थोड़ी देर बाद गोकुल सिदार की मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस घटना कारित करने वाले डम्पर को थाने ले गई है और आगे की कार्रवाई में जूट गई है। बताया जा रहा है कि मृतक राजमिस्त्री का काम करता था।

16 नग अवैध बीजा चिरान बरामद

लॉकडाउन के दौरान भी वन अमला सक्रिय, रायगढ़ रेंज का मामला

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन के बाद भी वन अमला पूरी सक्रियता से कार्य कर रहा है। ग्रामीणों को जहां लॉकडाउन का पालन करने की अपील वन अमला के द्वारा की जा रही है। वहीं वन व वन्यप्राणियों की सुरक्षा को लेकर भी विभाग पूरी सक्रियता से कार्य कर रहा है। जहां आज अवैध बीजा चिरान के साथ लकड़ी तस्कर को पकड़ा है। मामले में आरोपी के खिलाफ अपराध कायम कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक डीएफओ मनोज पांडे व एसडीओ एआर बंजारे के द्वारा लॉकडाउन का पालन गांव गांव में कराने के लिए अपने अधिनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। साथ ही वन व वन्यप्राणियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखने की बात कही गई है। ऐसे में कुछ दिनों पहले जुनवानी सर्किल में एक नग बीजा कटाई की जानकारी वन अमला को हुई। तब रेंजर राजेश्वर मिश्रा व उनकी टीम लकड़ी तस्करों को पकड़ने में लग गए। ऐसे में रेंजर को जानकारी हुई कि पेड़ कटाई करने वाले कोई और उस चिरान को खरीदने वाला कोई दूसरा है। इसके बाद पूरा लकड़ी बरामद करने की योजना बनाते हुए मामले की गहन जांच पड़ताल शुरू की गई। तब उन्हें पता चला कि जुनवानी में रहने वाला महेश उरांव व फिरमोन उर्फ मुंडा कुजूर ने जंगल में जाकर बीजा पेड़ की अवैध कटाई की है। इसके बाद वन अमला ने उनके खिलाफ अपराध कायम कर मामले की जांच करते हुए पूरा चिरान बरामद करने का प्रयास शुरू किया। तब उन्हें जानकारी हुई कि बरलिया में रहने वाला रेशम साहू के घर अवैध चिरान रखा हुआ है। ऐसे में आज सुबह रेशम साहू की सहमति लेकर उसके घर की जांच वन अमला के द्वारा की गई, तब उसके घर से 15 नग अवैध चिरान बरामद किया गया। इससे पहले एक नग चिरान जुनवानी में बरामद किया गया था। फिलहाल मामले में अपराध कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। उक्त मामले का खुलासा डीएफओ मनोज पांडे के निर्देशन व एसडीओ एआर बंजारे के मार्गदर्शन में रेंजर राजेश्वर मिश्रा, कपिल महंत, सरोज भोई, कुशल कुंवर, पालू साहू, सत्यम प्रधान, सुखलाल खड़िया व बलरिया वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष जगदीश सारथी सहित अन्य वनकर्मियों का प्रमुख योगदान रहा।

पुलिसकर्मी से मारपीट मामले में हुआ एफआईआर, एक गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

पुसौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ओड़िशा प्रांत से लगे बार्डर एरिया में लॉकडाऊन के दौरान ग्रामीणों को आवाजाही से मना करने वाले पुलिसकर्मी से मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी दर्जनभर ग्रामीणों के खिलाफ एफआईआर करते हुए मारपीट में शामिल एक ग्रामीण को गिरफ्तार कर लिया है।

रायगढ़ जिले के नगर पंचायत पुसौर के अंतर्गत आने वाले ग्राम कठली जिला बॉर्डर बेरियर में ड्यूटीरत पुलिस हरि चंद्रा जो कि कंप्लीट लॉक डाउन के आदेशों का पालन करते हुए तैनात थे। तभी शाम को लगभग साढ़े पांच बजे ग्राम-तपरदा थाना पुसौर निवासियों जिसमे नरेश, दिनेश, चतुरसेन जांगड़े और अन्य साथी जो कि लगभग 2 दर्जन थे वे बार्डर को पार करने का प्रयास कर रहे थे। तभी तैनात पुलिस कर्मी हरि चंद्रा द्वारा मना किए जाने पर की अभी धारा 144 भी लागू है ऐसे में मैं आप लोगों को परमिशन नहीं दे पाऊंगा कहे जाने पर ग्राम तपरदा निवासी नरेश दिनेश, चतुरसेन गुप्ता और 2 दर्जन भर साथियो के साथ गुस्से में आकर गली गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। उन लोगों को रोके जाने पर आवेश में आकर मारपीट जैसे घटना को अंजाम दिया गया। तभी पुलिस के ड्यूटीरत हरि चंद्र द्वारा अपने आप को किसी तरह बचा कर अपने उच्च अधिकारियों को फोन द्वारा सूचना दिया गया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल पुलिसकर्मी को अस्पताल में दाखिल कराया गया। इस मामले में पीड़ित पुलिसकर्मी की रिपोर्ट पर मारपीट में शामिल ग्रामीणों के खिलाफ धारा 147, 149, 186, 188, 294, 332, 353 के तहत कार्यवाही करते हुए घटना में शामिल चतुरसेन जांगड़े को गिरफ्तार करके रिमांड में लिया गया है।

सक्षम व्यक्ति भी लेने का प्रयास कर रहे राशन सामग्री किट

आयुक्त राहुल देव ने की पार्षदों से अपील, सक्षम व्यक्तियों की न करें अनुशंसा

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

जरूरतमंदों को निगम द्वारा वितरित किए जा रहे राशन सामग्री किट को सक्षम व्यक्ति भी लेने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसा वाकया कल बालकोनगर क्षेत्र में देखा गया। जब निगम के अधिकारी संबंधित व्यक्ति की तसदीक करने उसके घर पहुंचे तो उन्हें वहां पक्का सुसज्जित मकान तथा घर में खड़ी बोलेरो गाड़ी देखने को मिली। आयुक्त श्री राहुल देव ने निगम के पार्षदों से अपील की है कि वे राशन किट देने हेतु सक्षम व्यक्तियों की अनुशंसा न करें ताकि जरूरतमंदों को सुगम रूप से राशन सामग्री प्राप्त हो सके।

नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व नियंत्रण हेतु लागू किए गए लाकडाउन के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा न सोये, इस दिशा में निगम निरंतर राशन सामग्री किट व बने हुए भोजन का वितरण करा रहा है। ऐसे व्यक्ति जिनके पास राशन कार्ड नहीं, राशन सामग्री नहीं है और राशन हेतु पैसे भी नहीं है, इन जरूरतमंद व्यक्तियों को निगम द्वारा राशन किट प्रदान किए जा रहे हैं, वहीं भिक्षुक, असहाय, बेसहारा तथा ऐसे व्यक्ति जो भोजन नहीं बना सकते उन्हें स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से बना हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, किन्तु यह भी देखने में आया कि पूर्ण रूप से सक्षम व्यक्ति भी जरूरतमंदों की राशन किट को लेने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसा वाकया बालकोनगर में देखने को मिला, जब निगम के अधिकारी व्यक्ति की तसदीक करने उसके घर पहुंचे जो उन्होने देखा कि वहां पर पक्का सुसज्जित मकान बना हुआ है तथा मकान मालिक के पास बोलेरो गाड़ी भी है, निगम के अधिकारी संबंधित व्यक्ति को समझाईश देकर वापस लौट गए।

सिंधी समाज ने राहत कोष में जमा कराए 15 लाख रुपए

पायनियर संवाददाता ➤ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

आज सिंधी समाज ने वैश्विक संक्रमण कोरोनावायरस कोविड-19 से मुकाबले के लिए अपना योगदान अर्पित किया। बिलासपुर सिंधी समाज द्वारा कुल 15 लाख रुपए इस मकसद से प्रदान किए गए ।सिंधी समाज के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर मंथन सभाकक्ष पहुंचकर बिलासपुर कलेक्टर डॉक्टर संजय अलंग को चेक प्रदान किया। सिंधी समाज द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए 5 लाख रुपये, मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 5 लाख रुपये और बिलासपुर रेड क्रॉस सोसाइटी लिए 5 लाख रुपये प्रदान किए गए।

जिससे कि कोरोनावायरस संक्रमित मरीजों के बेहतर इलाज के साथ इस दौरान संकट में फंसे लोगों की सहायता की जा सके। बिलासपुर का अधिकांश सिंधी समाज व्यापारी वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है ।

रतनपुर मनी कंचन केंद्र में लगी आग दमकल ने पाया आग पर काबू

पायनियर संवाददाता ➤ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

रतनपुर मेला परिसर स्थित मैदान में मौजूद मनी कंचन केंद्र में आग लग गई। यहां नगर के अलग-अलग वार्डो से कचरा कलेक्ट कर उसका पृथक्करण और संग्रहण डीसी किया जाता है ।कचरा से कबाड़ और अन्य चीजों को यहां अलग कर रखा जाता है। यहां देखभाल की जिम्मेदारी चौकीदार मनोहर सूर्यवंशी पर है। रोज की तरह मनोहर सूर्यवंशी कचरा पहुंचने के बाद सुबह करीब 10-30 बजे मनी कंचन केंद्र को बंद कर बाजार सब्जी लेने चला गया था। जब वह घर में भोजन कर रहा था उसी दौरान उसे सूचना मिली कि मणिकांचन केंद्र में आग लग गई है। जिसके बाद वह भागा भागा वहां पहुंचा। आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।मनी कंचन केंद्र के पड़ोस में रहने वाले लोगों ने इसकी सूचना चौकीदार के साथ नगर पालिका परिषद अध्यक्ष घनश्याम रात्रे को भी दी जिनके द्वारा मौके पर तुरंत दमकल भेजा गया । दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। वहीं पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगा रही है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता बांट रहे मच्छरदानी और कर रहे मलेरिया की जांच

अबूझमाड़ के घने जंगलों-पहाड़ों में स्वास्थ्य योद्धाओं कर रहे इलाज

नक्सल प्रभावित जिले में कोराना वायरस के साथ-साथ मलेरिया से भी लड़ाई है जारी

पायनियर संवाददाता ➤ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

ऐसा नहीं कि नक्सल प्रभावित जिला नारायपुर में सिर्फ कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण पर सब एक जुट है। बल्कि नारायणपुर सहित अबूझमाड़ के अन्दरूनी क्षेत्रों जो चारों और से घने जंगलों, पहाड़ों से घिरे हुए गांवों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता या कहे कि स्वास्थ्य योद्धा लोगों को कोरोना वायरस से बचाव की बातें तो बता ही रही है बल्कि वे मलेरिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए गरपा, होरादी, हांदावाड़ा, कुन्दला, बासिंग आदि में गांववासियों को मेडिकेट मच्छरदानी भी बांट रहे, और मलेरिया पॉजिटिव लोगों का स्लाइड बना रहे है। वहीं बीमारों को जरूरी दवाईयां और बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण भी कर रहे है। सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का भी पालन कर रहे है। ग्रामीणों को हाथ धोने और साफ-सफाई के साथ रहने सर्दी-खांसी बुखार होने पर सरपंच, सचिव या मितानिन स्वास्थ्य कार्यकर्ता को बताने की बात भी समझा रहे है।

पुरूष और महिला दोनों स्वास्थ्यकर्ता अपने-कामों को बेहतर ढंग से कर रहे है। अपने कंधों पर मच्छरदानी और मेडिकिट को उठाकर कई किलोमीटर पैदल चल कर ग्रामीणों के सेवा में लगे हुए है। इसके साथ ही उनके कंधों और हाथों में अपनी जरूरत का सामान भी लेकर चलना होता है। सममुच ये सब बहुत बधाई के पात्र है। जो मानवता की सेवा में पूरी जोशखरोश के साथ जुटे हुऐ है और अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पालन कर रहे है। यह तस्वीरों से जाहिर होता है कि नक्सल प्रभावित इलाका, घने-जंगलों, पहाड़ों, नदी नालों के बीच दूरस्थ अंचलों में महिलाएं बिलकुल अकेली अपने साथी कर्मचारी के साथ दायित्वों को पूरा कर रही है। जाटलूर गांव की स्वास्थ्य अमले की नर्स कविता पात्र बताती है कि कोराना वायरस से बचाव और मलेरिया या टीकाकरण आदि के लिए घर से निकलती है तो कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। यह दूरी लगभग 30-35 किलोमीटर भी हो जाती है। रास्ते में ही आश्रम शालाओं में रूकना भी पढ़ता है। घर वापसी लगभग 3-4 दिन बाद ही होती है। लेकिन बच्चों और मरीजों के मासूम चेहरे सामने आते है तो सब कुछ छोड़कर उनकी जिन्दगी बचाने और ईलाजे करने के लिए जाना ही पड़ता है। यह हमारा कर्तव्य और दायित्व भी है। बतादें कि मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान का लक्ष्य माह विगत फरवरी में ही शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल भी कर लिया गया था ।

क्विक न्यूज

बलौदाबाजार में पकड़ी गई लाखों की शराब, 4 गिरफ्तार

बलौदाबाजार। पूरे देश में लाकडाउन ह छत्तीसगढ़ में सभीतरह की शराब दुकानें बंद पड़ी हैं. इसके बावजूद शराब की अवैध तस्करी की जा रही है, जिस पर लगाम लगाने पुलिस भी जद्देजहद कर रही है. दरअसल आईपीएस अंकिता शर्मा ने अपने टीम के साथ दबिश देकर 80 पेटी अंग्रेजी (गोवा) शराब जब्त किया है. शराब के साथ 4 आरोपियों की भी गिरफ्तारी हुई है. मामला बालौदाबाजार जिले के पलारी थाना क्षेत्र के अमेरा गांव का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कुछ दिनों पहले लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में गोवा शराब की सप्लाई होने की सूचना मिली थी. ग्राम अमेरा और खम्हरिया के कुछ लोगों के मध्यप्रदेश से शराब छत्तीसगढ़ लाया जाएगा. एक आरोपी को पकड़कर पुलिस ने पूछताछ किया गया, तो उसने बताया कि ग्राम अमेरा के राकेश सोनवानी ने एक झोपड़ी नुमा मकान में भारी मात्रा में अवैध शराब डंप कर रखा गया है।

कलेक्टर ने लिया स्थित आईसोलेशन केंद्र का जायजा

सुकमा। कलेक्टर चन्दन कुमार ने आज कोन्टा पहुँचकर यहां बनाये गए आइसोलेशन में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा भी साथ में मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए 21 दिन के राष्ट्रव्यापी लॉक डाउन के कारण जिले के कोन्टा बॉर्डर को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। कलेक्टर चंदन कुमार ने सबसे पहले सील किये गए बॉर्डर का जायजा लिया। उन्होंने 11 लोगों को आईसोलेशन में रखे गए राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के भवन और 92 लोगों को आइसोलेशन में रखे गए पोटाकेबिन में की गई व्यवस्था का जायजा लिया। पोटा केबिन में 37 महिला और 55 पुरुषों को निगरानी में रखा गया है। इनमें ओड़िसा के 49, सुकमा विकासखंड के 12, कोंटा विकासखंड के 27 दंतेवाड़ा के 4 लोगों को रखा गया है। इनके भोजन एवं आवास के साथ ही सभी जरूरी सुविधाएं प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है।

बेटे के आने की खुशी में दी थी दावत, केस दर्ज

कोरबा। पाली थाना क्षेत्र के पौडी गांव में निवासरत एक ग्रामीण का पुत्र रायपुर में काम करने गया था। जहां से उसके आने की खुशी में ग्रामीण ने घर में बकरा भात कार्यक्रम का आयोजन किया था। उसने गांव के अपने खास लोगों को भी आमंत्रित किया था। लॉकडाउन के बाद भी इस तरह के कार्यक्रम की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच बकरा भात की दावत देने वाले ग्रामीण के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

कोरोना लाकडाउन : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पहुँचे वृद्धाश्रम, बुजुर्गों से की बात, कहा- जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की पड़ताल जरूरी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर। कोरोना को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बेहद गंभीर है. वे तमाम गतिविधियों निगरानी बनाएं हुए हैं. सड़क पर निकलकर, वंचित लोगों की बीच पहुँचकर व्यवस्थाओं और सुविधाओं की जानकारी भी ले रहे हैं. सब्जी विक्रेतों और मजदूरों से मिलने के बाद आज भूपेश बघेल बुजुर्गों से मिलने माना स्थित वृद्धाश्रम आश्रम पहुँचे.

माना स्थित शासकीय वृद्धाश्रम पहुंचकर उन्होंने बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों के खैरियत और यहाँ उपलब्ध व्यवस्थायों की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने उनके सुख- दुख, खान-पान, निवास , दिनचर्या के बारे में चर्चा की और कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतने उन्हें सामाजिक दूरी का पालन करने और हाथों को साफ करते रहने की समझाईश भी दी.

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि कोरोना को जड़ से खत्म करने की दिशा में हम सब मिलकर आगे बढ़ रहे हैं. जरूरी है हम सामाजिक दूरी का कड़ाई से पालन करे. साथ यह भी जरूरी है कि ऐसे कठिन वक्त में समाज के उन वर्गों का पूरा ख्याल अवश्य रखे, जो कि वंचित है. सरकार की ओर से हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि हर तबके तक मदद पहुँचाए. मैं अनेक स्थानों इसलिए भी जा रहा हूँ क्योंकि इस जमीनी स्तर कोरोना को लेकर किस तरह से बचाव और राहत काम हुआ या हो रहा उसे देख सकूँ. बुजुर्गों से मिलकर मुझे अच्छा लगा. वृद्धाश्रम के बुजुर्ग कोरोना को लेकर जागरूक हैं.

दर्दनाक सड़क हादसा

दो पुलिसकर्मी सहित 3 लोगों की रोड एक्सीडेंट में मौत

एक ही बाइक पर सवार तीनो पिकप की आये चपेट में, हादसे के बाद इलाके में पसरा मातम

पायनियर संवाददाता ◄ अंबिकापुर
www.dailypioneer.com

बलरामपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो पुलिसकर्मी सहित 3 लोगों की मौत हो गयी। घटना देर रात की बतायी जा रही है। एक ही बाइक पर तीनों सवार थे, जो एक पिकप की चपेट में आ गये। एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दो ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

घटना बीती रात बलरामपुर ज़िले के झींगों के पास हुई। घटना को लेकर अलग अलग दावे हैं, कुछ का कहना है कि बाईक अनियंत्रित होकर पिकप की चपेट में आ गयी, जबकि कुछ का दावा है कि पिकप ने बाइक को ठोकर मारी। घटना के बाद एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि एक पुलिसकर्मी और एक कारोबारी को तत्काल अंबिकापुर मेडिकल कालेज लाया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गयी।

मृत कांस्टेबल का नाम रवि चौहान और मनबोध है, जबकि उसके साथ बाइक में बैठे कारोबारी का नाम राजेंद्र कश्यप है। तीनों की मौत हो गया है। इधर पुलिस ने पिकप को जब्त कर लिया है, लेकिन घटना के बाद से ही चालक फरार बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इधर हादसे के बाद मृतकों के गांव में मातम पसर गया है।

जेएसपीएल ने किया बड़ा मोर्चा फतेह उत्पादन और बिक्री में बनाया कीर्तिमान

पायनियर संवाददाता ◄ नईदिल्ली
www.dailypioneer.com

नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाली कंपनी जिन्दल स्टील एंड पावर लिमिटेड ने औद्योगिक और कारोबारी मंदी के साथ-साथ कोरोना वायरस के कारण फैली महामारी के बीच एक बड़ा मोर्चा फतेह किया है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2019-20 में कदम दर कदम चुनौतियों के बावजूद अपनी घरेलू और विदेशी फैक्टरियों से स्टील उत्पादन और बिक्री में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

जिन्दल सेंटर, नई दिल्ली से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक जेएसपीएल ने रायगढ़, अंगुल और ओमान स्थित अपनी फैक्टरियों से अब तक का सर्वाधिक स्टील उत्पादन किया है। इसके साथ ही स्टील और अन्य संबंधित उत्पादों की बिक्री में भी कंपनी ने नया कीर्तिमान बनाया है। विज्ञप्ति के मुताबिक कोविड19 के प्रकोप के कारण पटरी से उतरती भारतीय अर्थव्यवस्था के उलट जेएसपीएल देश में अपनी फैक्टरियों का बेहतरीन संचालन कर रही है और स्टील का उत्पादन निरंतर बढ़ा रही है। कंपनी की घरेलू इकाइयों ने पिछले वर्ष के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक लगभग 63 लाख टन स्टील का उत्पादन किया जबकि 60 लाख टन स्टील की बिक्री कर पिछले वर्ष के मुकाबले 12 प्रतिशत अधिक की कारोबारी वृध्दि दर्ज की।

पूरे जेएसपीएल समूह की बात करें तो कंपनी ने 2019-20 में 82 लाख टन स्टील और अन्य संबंधित वस्तुओं का उत्पादन कर 12 प्रतिशत की वृध्दि दर्ज की जबकि 80 लाख टन स्टील की बिक्री कर उसने 10 प्रतिशत की वृध्दि हासिल की।

आंकड़ा (लाख टन में)	वर्ष 2019	वर्ष 2020	प्रतिशत वृध्दि (पिछले वर्ष की तुलना में)
उत्पादन			
घरेलू उत्पादन	55.9	63.0	13
जिन्दल शदीद ओमान उत्पादन	17.1	18.7	9
सम्मिलित उत्पादन	73.0	81.8	12
बिक्री			
घरेलू बिक्री	54.1	60.4	12
जिन्दल शदीद ओमान बिक्री	18.1	18.8	4
सम्मिलित बिक्री	72.2	79.2	10

आइसोलेशन एवं क्वारेंटाइन वार्ड के लिए वैगन रिपेयर शॉप बना रहा पलंग

कोरोना से निपटने रायपुर रेल मंडल की तैयारी

50 स्टाफ की एक स्पेशल गैंग बनाया गया

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर रेल मंडल में रेलवे चिकित्सालय विभाग द्वारा कोरोना वायरस, कोविड-19 को लेकर सतर्कता एवं आपात स्थिति से निपटने की तैयारी की जा रही है. रायपुर रेल मंडल में लगभग 200 क्वारेंटाइन बेड बनाये जा रहे है. क्वारेंटाइन बेड रेलवे सुरक्षा बल बैरैक में एवं इंजीनियरिंग कॉलोनी खारून में बीएमबाय भिलाई में, एवं दुर्ग में भी क्वारेंटाइन बेड बनाने की तैयारी है.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निर्देशानुसार वैगन रिपेयर शॉप रायपुर को हॉस्पिटल बेड बनाने की जिम्मेदारी दी गयी है. वैगन रिपेयर शॉप रायपुर के मुख्य कर्मशाला प्रबंधक प्रदीप कामले ने बताया कि इसके लिए तकरीबन 50 स्टाफ की एक स्पेशल गैंग बनाया गया है जो कि लॉक डाउन के दौरान भी वर्कशॉप में संरक्षा एवं सोशल डिस्टेन्सिंग का ध्यान रखते हुए हॉस्पिटल बेड का निर्माण कर रहे हैं. इसके लिए आवश्यक सामग्री सामान्य भंडार डिपो से मुहैया कराया गया है.

अब तक 30 बेड का निर्माण कर उसे रायपुर मंडल रेलवे चिकित्सालय के सुपुर्द कर दिया गया है. बताया गया है कि 20 और बेड बनाने की सामग्री उपलब्ध है. इसके अलावा वैगन रिपेयर शॉप रायपुर को 50 और बेड बनाने के लिए तैयार रहने कहा गया है. उपरोक्त सराहनीय कार्य अचिन बैनेर्जी, सत्येंद्र कुमार, अरविंद मीणा, देबत्र मजूमदार के मार्गदर्शन में आर पी सिंह और श्रीनिवास की टीम ने पूरा किया, वैगन रिपेयर शॉप रायपुर के कर्मचारियों का वेतन सही समय पर दिए जाने के लिए सहायक कर्मशाला कार्मिक अधिकारी राघवेंद्र सिंह एवं सहायक वित्त अधिकारी सुशील सोन की टीम ने उल्लेखनीय कार्य किया.

पीएम वीडियो संदेश: सकारात्मकता की ताकत को प्रदर्शित करने का आह्वान किया : विक्रम उसेण्डी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार 5 अप्रैल को रात 9 बजे 9 मिनट तक बिजली बन्द कर दीया, मोमबत्ती, टॉर्च और मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाने की अपील का स्वागत किया है. भाजपा ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह अपील कोरोना संक्रमण के भयावह दौर में नकारात्मकता पर सकारात्मक प्रकाश की विजय सिद्ध होगी. पार्टी ने विश्वास दिलाया कि छत्तीसगढ़ इस बार भी प्रधानमंत्री के आह्वान को एकजुट होकर सफल बनाएगा.

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विक्रम उसेण्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को अपने वीडियो संदेश में दीपक आदि के प्रकाश की रोशनी में अपने भीतर की छिपी हुई सकारात्मकता की ताकत को प्रदर्शित करने का आह्वान किया है. देश में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के खिलाफ़ एकजुटता दिखाने के लिहाज से प्रधानमंत्री का यह संदेश समयानुकूल है और छत्तीसगढ़वासियों को प्रधानमंत्री की अपील पर बिजली बन्द कर दीया, मोमबत्ती, टॉर्च और मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर कोरोना को परास्त करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए. उसेण्डी ने कहा कि जिस तरह 22 मार्च को हमने कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ने वालों का आभार व्यक्त किया, वह विश्व के अनेक देशों के लिए मिसाल बन गया है और विश्व के कोरोना प्रभावित देश अब इसे अपना रहे हैं. भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के खिलाफ़ देशव्यापी लॉकडाऊन में जिस तरह छत्तीसगढ़वासियों ने संकल्पित होकर अनुशासन और सेवाभाव का परिचय दिया है, वह निश्चित रूप से कोरोना संक्रमण के विरुद्ध जारी युद्ध में हमारे संयम की जीत नजर आ रही है. प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अप्रैल को रात 9 बजे बिजली बन्द कर 9 मिनट तक दीपक, मोमबत्ती आदि का प्रकाश करने की जो अपील की है, छत्तीसगढ़वासियों को उसके मर्म को आत्मसात कर प्रधानमंत्री के आह्वान को सफल बनाने के लिए संकल्पित होना है. डॉ. सिंह ने कहा कि कोरोना संक्रमण के इस चुनौतीपूर्ण समय में हमने एकजुट होकर जिस सामूहिक शक्ति का परिचय दिया है, अपनी सकारात्मक ऊर्जा से युक्त संकल्पशक्ति का परिचय इस प्रकाश के जरिए हमें देना है ताकि निराशा के अन्धकार पर हमारे विश्वास का प्रकाश विजयी हो.

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह आह्वान इस बात का परिचायक होगा कि कोरोना के खिलाफ चल रही इस जंग में सारे भारतवासी अपनी विराट और भव्य सामूहिक शक्ति के साथ एकजुट होकर खड़े हैं. हमारी सामूहिक महाशक्ति का यह साक्षात्कार कोरोना के खिलाफ़ हमारी जंग में हमें मनोबल व ऊर्जा प्रदान करेगा. 5 अप्रैल को प्रधानमंत्री के आह्वान पर समस्त छत्तीसगढ़वासी रात 9 बजे प्रकाश कर अपनी सामूहिक महाशक्ति के जागरण का प्रतीक बनाएँ. नेताम ने अपील की कि रविवार को हम एक लक्ष्य पर केन्द्रित होकर वैश्विक संकट से निपटने के लिए संकल्पित हों।

कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए मोहन मरकाम ने नगर निगम को सौंपा 1 ट्रक सब्जी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने आज कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए रायपुर नगरनिगम को एक मिनी ट्रक सब्जी सौप कर जरूरत मन्दों में बाटने का निर्देश दिया। कांग्रेस के द्वारा प्रदेश भर में कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है ।प्रदेश कांग्रेस के द्वारा जिलों और ब्लाको में बचाव और राहत दल बनाया गया है जो संगठन स्तर पर मदद के साथ बचाव कार्य मे प्रशासन के सहयोग भी कर रहे है । आज के कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के साथ सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अरुण ताम्रकार, दुर्ग किसान कांग्रेस के कृष्ण देवांगन,कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र परिहार उपस्थित थे ।

मदिरा प्रेमी सड़क पर घूमकर पुलिस का सिरदर्द बढ़ाएगा

लॉकडाउन में शराब दुकान खोलना उचित नहीं : रमन सिंह

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम के लिए पुरे देश में लॉक डाउन किया गया है लेकिन इसी बीच छत्तीसगढ़ सरकार शराब दुकान खोलने जा रही है.

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को आबकारी विभाग ने आदेश जारी कर शराब दुकानों के संचालन के लिए चार सदस्यीय कमेटी बना दी है.

भूपेश सरकार के इस निर्णय पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डाक्टर रमन सिंह ने तीखा विरोध दर्ज कराया है. उन्होंने केरल का उदाहरण देते हुए कहा कि लॉकडाउन रहते वहां भी सरकार ने शराब दुकान खोलने की अनुमति दी थी, लेकिन लोगों ने विरोध दर्ज कराया और हाईकोर्ट में याचिका लगा दी.

कोर्ट ने इस पर सुनवाई के दौरान शराब दुकान खोले जाने पर कडा ऐतरात जताते हुए प्रतिबंध लगाए जाने का आदेश दिया है. रमन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी सरकार के इस फैसले का हम हर स्तर पर विरोध करेंगे. पूरा प्रदेश इसका विरोध करेगा. यदि इस प्रतिबंध को हटाया गया तो हम भी कोर्ट जाएंगे.

पूर्व मुख्यमंत्री डाक्टर रमन सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस को हम आपदा के रूप में देख रहे हैं. सोशल डिस्टेंसिग पर इतना जोर दिया जा रहा है कि स्कूल, कॉलेज, दुकान, माल सब बंद कर दिया.

जहां 10 आदमी भी इक्ठे होते हैं, उन जगहों को प्रतिबंधित कर दिया गया है. दवा, दूध और सब्जी के किये ही छूट दी गई है, लेकिन मुझे आश्चर्य हो रहा है कि मंदिरा प्रेमियों के लिए सरकार ने ये निर्णय लिया है. यह बेहद आपत्तिजनक है.

शराब से इम्युनिटी कमजोर

ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी है. सरकार ने अपने आदेश में मदिरा प्रेमियों की मांग पर आबकारी विभाग के अधिकारियों की कमेटी बना दी है. इसमें कोई विशेषज्ञ, सोशल एक्टिविस्ट, डॉक्टर जैसे लोग नहीं लिए गए हैं जो कोरोना का शराब से कनेक्शन बता सके. बल्कि ये स्पष्ट हो चुका है कि शराब से इम्युनिटी कमजोर होती है. इंफेक्शन का खतरा ज्यादा होता है. रमन ने कहा कि पांच लोगों की कमेटी जब-जब बनती है, तो मुझे घबराहट होने लगती है. शराब के लिए इससे पहले दो बार कमेटी बनाई जा चुकी है. एक बार फिर कमेटी बना दी है. दो दिन में रिपोर्ट देने कहा गया है. अधिकारियों से कहा गया है कि तत्काल रिपोर्ट दे कि मौजूदा हालात में शराब दुकान खोल दी जाए. उन्होंने कहा कि ये कही से भी उचित नहीं है. इस सरकार को पुनर्विचार करने की जरूरत है. डाक्टर रमन सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ के मजदूर, गरीब लोग जो पैसे के लिए भटक रहे हैं. लोगों के पास इस वक्त काम नहीं है, लोग अपने घरों में है. ये लोग अब घरों के बर्तन बेचेंगे, घर बेचेंगे, गहने बेचेंगे, शराब के लिए घर की महिलाओ को प्रताड़ित करेंगे. क्यूंकि शराब के लिए पैसे चाहिए होंगे. ऐसे गरीब तबकों के सामने बड़ा संकट होगा. नौकरी पेशा लोगों को बड़ा संकट होगा. इस निर्णय का मैं घोर विरोध करता हूँ. पूरा प्रदेश इस निर्णय का विरोध करेगा.

मदिरा प्रेमी सड़क पर घूमकर पुलिस का सिरदर्द बढ़ाएगा

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े-बड़े इंडस्ट्रीज के बंद होने से रिवेन्यू लास हो रहा है. कई हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है. सरकार के राजस्व में कमी आ रही है लेकिन इस वक्त इन सबसे ज्यादा जरूरी लोगों का स्वास्थ्य है. लॉकडाउन की वजह से फिलहाल शांति के हालात हैं. एक्सीडेंट के केस कम आ रहे हैं, लेकिन मदिरा प्रेमी ने एक बार शराब पी लिया तो घर मे कहां रहेगा, सड़क पर घूमकर पुलिस का सिरदर्द बढ़ाएगा. सामान्य आदमी को कंट्रोल करना आसान है. लेकिन शराबी को नहीं. डाक्टर रमन सिंह ने कहा कि अभी सब कुछ तालमेल से चल रहा है. हम भी अपनी पूरी टीम के साथ लगे हैं. पूरी पार्टी लगी है.

राज्य के विभिन्न जिलों में पदस्थ 50 उपनिरीक्षकों का प्रमोशन आदेश जारी

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य पुलिस प्रमुख डीएम अवस्थी ने एक आदेश जारी किया है जिसमें 50 एसआई को पदोन्नति देकर टीआई बनाया गया है। पीएचक्यू (पुलिस हेड क्वार्टर) से जारी एक आदेशानुसार रा'य के विभिन्न जिलों में पदस्थ 50 एसआई (सब इंस्पेक्टर) को पदोन्नति देते हुए टीआई बनाया गया है। डीजीपी डीएम अवस्थी ने हाल ही में पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति का गठन किया था। पीएचक्यू से जारी आदेशानुसार जिन कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई हैं उनमें-सुनील कुजार कुजूर, अनिल अग्रवाल, तेजराम भास्कर, मोहन राम भगत, चंद्र प्रकाशर कंवर, राकेश यादव, अमित कुमार तिवारी, विश्वजीत सिंह, समीर तिवारी, मनीष नागर, देवेन्द्र कुमार ठाकुर, मनोज कुमार बंजारे, संदीप कुमार टंडन, प्रमोद कुमार अमलतास, रणजीत सिंह कंवर, सुश्री रेखा बोरघरिया, केशर पराग बंजारा, अमित कुमार पाटले, राजकुमार धृतलहरे, कृष्णा प्रसाद जांगड़े, हर्षवर्धन चौरासे, तोप सिंह नवरंग, कार्तिकेश्वर जांगड़े, नवीर बोरकर, जयसिंह खुंटे, जवाहर लाल गायकवाड़, सुश्री मनोरमा कुर्रे, सुश्री सुनीता नाग, मोतीलाल शुक्ला, गिरधारी लाल डडसेना, सुरबन सिंह ठाकुर, रामनिवास सक्सेना, रामगोपाल देवांगन, हरप्रसाद पांडेय, एलपी तिवारी, मूलचंद पाटले, श्रीमती राजकुमारी पांडेय, श्रीमती

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा दबंग दुनिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि. पानी टंकी के पास मोवा रोड, दलदल सिवनी, दुबे कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ पिन-492001 से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित
संपादक-मोहन राव* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-ए.एन. द्विवेदी, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2018-20, दूरभाष नंबर 0771, 2972403